@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 2 जुलाई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 224 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

आज सदन में राहुल को जवाब देंगे प्रधानमंत्री मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 1 जुलाई। लोकसभा के अंदर और बाहर राहुल गांधी के बयान पर हंगामा मच गया। सदन के भीतर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने नेता प्रतिपक्ष के बयान पर सवाल खड़े किए तो सदन के बाहर भी भाजपा नेताओं ने राहुल के बयान पर कड़ा विरोध दर्ज किया। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा था कि सत्तारूढ़ दल के नेता हिंदू नहीं हैं क्योंकि वे हिंसा और बंटवारे की राजनीति को बढ़ावा देते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी राहुल गांधी को जवाब देंगे। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये एक गंभीर मुद्दा है क्योंकि राहुल गांधी ने पूरे हिंदू समाज को हिंसक बताया है। उधर गृहमंत्री अमित शाह और अन्य मंत्रियों ने भी कांग्रेस नेता से माफी मांगने को कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा 'राहुल गांधी को अपने बयान के लिए तुरंत माफी मांगनी चाहिए। हिंदुओं के खिलाफ ऐसी नफरत रुकनी चाहिए।' जेपी नड्डा ने आगे लिखा है कि राहुल गांधी के बयान से स्पष्ट होता है कि उनमें मानवता नहीं बची है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार राहुल गांधी भले ही पांचवीं बार सांसद बने हों लेकिन अब तक उन्हें संसदीय नियमों की जानकारी नहीं है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का कहना है कि अगर विपक्ष के नेता ने सदन में झूठ बोला है तो उन्हें सदन के नियमों का सामना करना पड़ेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कल संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राहुल गांधी की टिप्पणियों का जवाब देंगे। उन्होंने कहा 'जिस दौरान राहुल गांधी सदन में बोल रहे थे, उस दौरान पीएम मोदी भी वहां मौजूद थे। स्पीकर ने नेता प्रतिपक्ष को बार-बार कहा कि अपना वक्तव्य रखते समय स्पीकर की तरफ पीठ नहीं करनी चाहिए लेकिन, राहुल गांधी बार बार अपने सांसदों की तरफ देख रहे थे और स्पीकर की तरफ पीठ कर रहे थे। सदन में वाद-विवाद का स्तर इतना गिर गया और हमने ऐसा इससे पहले कभी नहीं देखा था। आज संसद में नए सांसदों को राहुल गांधी से कुछ भी सीखने को नहीं मिला। कांग्रेस में कुछ वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भी हैं और मैं अपील करता हूं कि राहुल गांधी को कुछ ज्ञान दें।' रिजिजू ने आगे कहा कि लोकसभा स्पीकर ने पहले ही सदन में आश्वासन दिया है कि वे इस संबंध में आवश्यक और उचित निर्देश देंगे। उधर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा 'अब सदन में ऐसे नेता प्रतिपक्ष भी हैं, जो सभी के साथ भाईचारे का वादा करने के बीच हिंदुओं पर हमला कर रहे हैं। ऐसे नेता, जो भारतीय सेना की वीरता पर सवाल उठाते हैं और अब उनके शुभचिंतक

बनने की कोशिश कर रहे हैं। जो संविधान की कसम खाते हैं और सदन में केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की प्रति फाड़ते हैं। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी राहुल गांधी के संसद में दिए गए बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, 'नेता प्रतिपक्ष का पद एक बड़ी जिम्मेदारियों वाला पद है। राहुल गांधी ने पहली बार यह पद संभाला लेकिन जिम्मेदारियों को अपने कंधे पर लेने के बजाय उन्होंने सदन में बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना बयान दिया।' केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, 'राहुल गांधी ने कहा कि अग्निवीरों के सर्वोच्च बलिदान पर मुआवजा नहीं मिलता, जो कि सबसे बड़ा झूठ है। उन्हें सदन में पेश किए गए अपने तथ्यों पर नजर डालनी चाहिए।' संसद में राहुल गांधी द्वारा की गई टिप्पणी पर केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि जब तक भारत में अधिक संख्या में हिंदू रहेंगे, तब तक लोकतंत्र बचा रहेगा और शांति भी बनी रहेगी। उन्होंने संसद परिसर में कहा, 'मैं राहुल गांधी को यह बताना चाहता हूं कि जब तक हिंदुत्व रहेगा, तब तक देश में लोकतंत्र और शांति बनी रहेगी। आप आज दुनियाभर में देखिए। पाकिस्तान और दुनिया के कई देशों में अशांति फैली हुई है, जबकि भारत में शांति बनी हुई है।' केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने भी राहुल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष हर समय अधारहीन बयानबाजी करते हैं। उन्होंने कहा 'राहुल गांधी ने नेता प्रतिपक्ष के पद की गरिमा को शर्मसार किया है।' भारतीय जनता पार्टी सांसद संजय जायसवाल ने भी राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया।

देवरहा हंस बाबा आश्रम पहुंचे संघ प्रमुख मोहन भागवत

मिर्जापुर, 1 जुलाई। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत सोमवार की शाम देवरहा हंस बाबा आश्रम पहुंच गये। बड़ी संख्या में प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डेरा डाला हुआ है। सोमवार को भी दिन भर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी आश्रम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

उधर, आश्रम में स्थित हनुमान जी के मंदिर में चढ़ाए जाने वाले 51 मन लड्डू की भी दिन भर तैयारी होती रही। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सोमवार को आश्रम में पहुंच कर कुछ देर विश्राम करने के बाद बाबा से आशीर्वाद लेने पहुंचे। इसके पश्चात आश्रम में मौजूद ब्रह्म ऋषि श्री देवराहा बाबा मंच धाम हनुमान मंदिर में हनुमान जी का दर्शन पूजन अर्चन किया। हनुमान जी को लड्डू का भोग लगाया। उसके बाद रात में भोजन करने के बाद भक्त निवास में विश्राम भी करेंगे। दो जुलाई को सुबह में बाबा से आशीर्वाद लेने फिर पहुंचेंगे व विदाई स्वरूप प्रसाद लेंगे। आश्रम के ट्रस्टी अतुल सक्सेना ने बताया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का कार्यक्रम दो दिवसीय है।

लोकसभा में माइक बंद करने के विपक्ष के आरोपों पर भड़के ओम बिरला

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 1 जुलाई। कांग्रेस अक्सर ही ये आरोप लगाती रही है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जब सदन में बोलते हैं तो उनका माइक बंद कर दिया जाता है। अभी शुक्रवार को हुई लोकसभा की पिछली कार्यवाही के दौरान भी गौरव गोगोई और दीपेंद्र हुड्डा ने यह मुद्दा उठाया था। हालांकि, कांग्रेस के इन आरोपों पर अब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के पास सदन में मुद्दे उठाने वाले सदस्यों के माइक्रोफोन बंद करने के लिए कोई स्विच या रिमोट कंट्रोल नहीं है। अध्यक्ष ने कहा कि सभापति द्वारा माइक्रोफोन बंद करने का आरोप चिंता का विषय है। वह चाहते हैं कि सदन इस मुद्दे पर चर्चा करे। पीठ केवल निर्णय/निर्देश देती है। जिस सदस्य का नाम पुकारा जाता है उसे सभा में बोलने का अवसर मिलता है। माइक को सभापीठ के निर्देशानुसार नियंत्रित किया जाता है। पीठासीन व्यक्ति के पास रिमोट कंट्रोल या माइक्रोफोन का स्विच

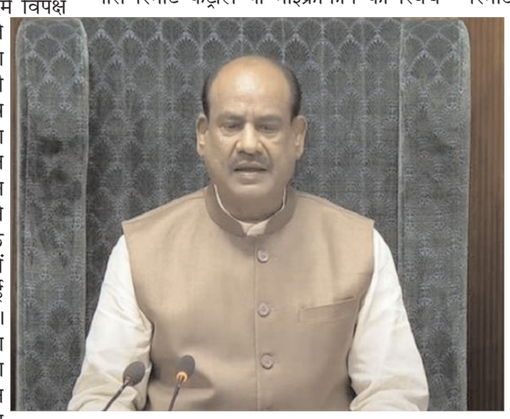

नहीं है। ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों से कहा, 'बाहर आरोप लगाते हैं कि पीठासीन अधिकारी माइक बंद कर देते हैं। आपको कई साल हो गए और अनुभव है। आप पुराने सदन में थे और नए सदन में भी हैं। आपको पता होगा कि माइक का रिमोट आसन के पास नहीं होता है, चाहे किसी भी दल का सदस्य हो। इसलिए इस तरह का आरोप नहीं लगा सकते हैं। स्पीकर ओम बिरला ने इसके बाद कांग्रेस सांसद के. सुरेश का भी जिक्र करते हुए कहा कि अध्यक्षों के पैनल में सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों का प्रतिनिधित्व होता है, जो अध्यक्ष की अनुपस्थिति में कार्यवाही की अध्यक्षता करते हैं। इसलिए सुरेश जी भी यहां बैठते हैं। उनसे कोई पूछे कि वहां कोई कंट्रोल है क्या? यह आसन की गरिमा का मामला है। कम से कम जो लोग पीठासीन हैं, उन्हें ऐसी आपत्तियां नहीं उठानी चाहिए। इसके बाद उन्होंने खुद उनसे पूछ लिया कि स्पीकर के आसन के पास कोई बटन होता है क्या? इस पर सुरेश ने मना किया तो फिर बिरला ने कहा, मेरे पास माइक्रोफोन बंद करने के लिए कोई बटन नहीं है। पहले भी इसी तरह का सेट-अप मौजूद था। देखो कोई बटन नहीं है।

द्रौपदी की तरह मेरा चीरहरण हो रहा था और जनता कृष्ण बन गई: महुआ मोइत्रा

नई दिल्ली, 1 जुलाई। 18वीं लोकसभा के पहले संसदीय सत्र में आज का दिन हंगामेदार रहा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरा। उन्होने आरोप लगाया कि हालिया आम चुनावों के दौरा और उससे कुछ समय पहले तक सत्ता पक्ष उनका चीरहरण कर रहा था, लेकिन जनता उनके लिए कृष्ण बनकर आई। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बाद अपने संबोधन के लिए खड़ी हुईं टीएमसी सांसद ने कहा, मुझे इस सदन में बोलने नहीं दिया गया, लेकिन मुझे बैठाने के चक्कर में सत्ताधारी भाजपा के 63 सांसदों को जनता ने स्थाई रूप से घर में बैठा दिया है और देश की जनता ने भाजपा को 303 से 240 सीट पर समेट दिया है। तृणमूल सांसद ने कहा, द्रौपदी की तरह मेरा चीरहरण हो रहा था। लेकिन जनता मेरे लिए कृष्ण बन गई। प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री सर मैं आपसे विनती करती हूं कि आप यहां एक घंटे से हैं, मेरी बात भी सुनते हुए जाइए। डरिए मत। आप मेरे क्षेत्र में दो बार आए, आज तो सुनते जाइए सर। पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से सांसद मोइत्रा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, आप घुस-घुसकर मारने वाले थे। इस बार जनता ने आपको घुस-घुसकर मार दिया। इससे पहले राहुल गांधी ने भी अपने संबोधन में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर जमकर हमले किए। उन्होंने कहा, भाजपा सभी को डराती है। दलितों अल्पसंख्यकों को भी भाजपा डराती है। आप हिंसा और नफरत फैलाते हैं, लेकिन कांग्रेस आपसे नहीं डरती।

राहुल हिंदुओं का अपमान नहीं कर सकते': प्रियंका

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 1 जुलाई। लोकसभा में नेता विपक्ष के तौर पर राहुल गांधी के हिंदुओं पर दिए एक बयान ने हंगामा मचा दिया। सत्तारूढ़ दल के नेताओं ने राहुल को घेरा तो विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बचाव में आ गए हैं। विपक्षी नेताओं इस बात पर जोर दिया है कि राहुल गांधी ने हिंदुओं के बारे में नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के बारे में टिप्पणी की थी। राहुल गांधी के बचाव में उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा 'राहुल गांधी हिंदू धर्म का अपमान नहीं कर सकते, उन्होंने बहुत स्पष्ट बोला है। उन्होंगे भारतीय जनता पार्टी और उसके नेताओं के बारे में बोला है।' उधर कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला का कहना है कि राहुल गांधी ने हिंदुओं के बारे में टिप्पणी नहीं की। कांग्रेस नेता ने कहा 'राहुल ने कहा कि भाजपा के जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं, वे हिंदु धर्म का पालन नहीं करते। हम सब हिंदू हैं। शिवजी ने जो कहा हम उसका पालन करते हैं। राहुल गांधी भाजपा के लोगों को बोल

रहे थे कि आप हिंसा फैलाते हो और हिंदू धर्म का पालन नहीं करते हो। भाजपा के नेताओं को लगता है कि सिर्फ वे ही हिंदू हैं।' उधर कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि राहुल गांधी ने अपने संबोधन में भगवान शिव का उल्लेख किया। वेणुगोपाल के अनुसार 'राहुल गांधी ने बताया कि असली हिंदू कौन है। भाजपा नेता चुनाव में हिंदुओं का इस्तेमाल ध्रुवीकरण के लिए करते हैं। वे चुनाव जीतने के लिए हिंदुओं का इस्तेमाल करते हैं। राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से अपनी बात रखी है और भाजपा नेता इसे लेकर गलत बयानबाजी कर रहे हैं।' राहुल गांधी के बचाव में कांग्रेस सांसद के सुरेश ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'हम सभी हिंदू हैं। भाजपा हिंदुओं का इस्तेमाल खुद को राजनीतिक रूप से फायदा पहुंचाने के लिए करती है।' दरअसल, राहुल गांधी ने कहा था जो खुद को हिंदू कहते हैं, वह हिंसा-हिंसा करते हैं। इसे लेकर सदन में जबरदस्त हंगामा हुआ।

मानहानि के मामले में मेधा पाटकर को पांच महीने कारावास की सजा

नई दिल्ली, 1 जुलाई। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने नर्मदा बचाओ आंदोलन कार्यकर्ता मेधा पाटकर को पांच महीने की साधारण कारावास की सजा सुनाई है। यहा सजा उन्हें तत्कालीन केवीआईसी अध्यक्ष वीके सक्सेना (अब दिल्ली के उपराज्यपाल) द्वारा दायर मानहानि मामले में सुनाई गई है। कोर्ट ने मेधा पाटकर को वीके सक्सेना को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है। साकेत कोर्ट ने यह भी कहा कि मेधा पाटकर की उम्र और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को देखते हुए उन्हें अधिक सजा नहीं दी जा रही है। न्यायाधीश ने कहा कि सजा पर 30 दिन तक रोक रहेगी।

मणिपुर मुश्किल दौर में ऐसी भ्रामक खबरें न फैलाएं

नई दिल्ली, 1 जुलाई। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर से कई मौकों पर हिंसा की खबरें सामने आती हैं। इसे लेकर राज्य सरकार पर कई आरोप प्रत्यारोप लगते रहते हैं और मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह पर भी सवाल उठते हैं। राज्य में हिंसा को लेकर कई बार मुख्यमंत्री से इस्तीफा भी मांगा गया है। वहीं हाल ही में राज्य के कई विधायकों के अचानक दिल्ली जाने पर इस मुद्दे को और हवा मिली है। वहीं अपने इस्तीफे की अटकलों पर मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा, कि ऐसे महत्वपूर्ण समय में जब मणिपुर मुश्किल दौर से गुजर रहा है, हमें नेताओं के तौर पर पूरा भरोसा है और हमें लोगों को सही रास्ते पर लाना है। अगर हम रास्ते से भटक गए तो उनका नेतृत्व कौन करेगा? मणिपुर और भी अराजकता में फंस जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा कि मैं सभी मीडियाकर्मियों से अपील करता हूं कि वे कोई भी अपुष्ट खबर और कोई भी सूचना सार्वजनिक न करें। जब कोई कहता है कि मैं मुख्यमंत्री पद छोड़ने जा रहे हैं, तो लोग घबराने लगते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि हमें ऐसी गलत सूचना नहीं फैलानी चाहिए। बता दें कि मणिपुर में 3 मई 2023 को जातीय हिंसा भड़की थी। राज्य में फैली हिंसा में 200 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। मणिपुर हाईकोर्ट ने 27 मार्च 2023 के मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (स्ञ्ज) सूची में शामिल करने पर विचार करने का आदेश दिया था। जिसके बाद मणिपुर में जातीय हिंसा भड़क उठी थी। जिसके बाद से राज्य से लगातार हिंसक घटनाएं सामने आ रही है।

पीएम के आगे झुकते हैं, मेरे आगे तनते हैं: राहुल

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 1 जुलाई। संसद सत्र के दौरान सोमवार का दिन हंगामे भरा रहा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने भाजपा पर हिंसा और नफरत फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि बीते 10 वर्षों से संविधान और भारत की अवधारणा (आइडिया ऑफ इंडिया) पर सुनियोजित तरीके से हमला किया जा रहा है। कांग्रेस सांसद ने कहा, आज सुबह मैं आया। (रक्षामंत्री) राजनाथ सिंह ने मुस्कराकर मुझे नमस्ते किया। पीएम (नरेंद्र) मोदी बैठे रहे, कोई मुस्कराहट नहीं..सीरियस। नमस्ते भी नहीं करते कि कहीं मोदी जी न देख लें, नहीं समस्या हो जाएगी। यह कहानी (केंद्रीय मंत्री) नितिन गडकरी की भी है। इस बीच विपक्ष की ओर से शोर हुआ तो राहुल ने कहा कि अयोध्या को छोड़िए ये तो भाजपा वालों को भी डराते हैं। इसी दौरान प्रधानमंत्री ने खड़े होकर कहा, लोकतंत्र ने यह सिखाया है कि मुझे विपक्ष के नेता को गंभीरता से लेना चाहिए। यह सुनकर सत्ता पक्ष के सदस्य हंसने लगे। इसके बाद राहुल गांधी उठे और उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र किया। उन्होंने भाजपा पर डर का माहौल पैदा करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा, यात्रा के दौरान एक महिला मेरे पास आई। उन्होंने कहा, मुझे मार रहा है। मैंने पूछा-कौन मार रहा है? इस पर उन्होंने मुझे से कहा- मेरा पति मार रहा है,

क्योंकि महंगाई की वजह से मैं खाना नहीं खरीद पाई। उन्होंने कहा कि महंगाई की वजह से हजारों महिलाओं को पीटा जा रहा है। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, मुझ पर हमला किया गया। प्रधानमंत्री के आदेश पर मेरे खिलाफ 20 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए। दो साल की सजा दई गई। मुझसे 55 घंटे तक पूछताछ की गई। मैं भाजपा और आरएसएस को बताना चाहता हूं कि हमने किन विचारों का उपयोग भारत की अवधारणा की रक्षा करने के लिए किया है। राहुल गांधी ने सदन में भगवान शिवशंकर का चित्र दिखाया और कहा, शिवजी कहते हैं कि डरो मतो-डराओ मत। उन्होंने कहा कि संविधान और भाजपा के विचारों का विरोध करने वाले करोड़ों लोगों पर हमला किया गया है। कई लोगों पर निजी तौर पर हमला किया गया। कई नेताओं को जेल में डाला गया। इस दौरान उन्होंने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला पर भी निजी हमला बोला। उन्होंने कहा, आप जब पीएम मोदी से हाथ मिलाते हैं तो झुक जाते हैं, लेकिन मुझसे मिलने के दौरान सीना तानकर खड़े होते हैं। लोकसभा स्पीकर को निष्पक्ष होना चाहिए। इस पर स्पीकर ने जवाब दिया, मेरे संस्कार सिखाते हैं कि बड़ों के आगे झुककर बात करनी चाहिए। समान उम्र के लोगों के साथ बराबर का व्यवहार रखना चाहिए। प्रधानमंत्री सदन के नेता हैं। मेरे संस्कार सिखाते हैं कि बड़ों के आगे झुककर नमस्कार करो।

सीएम-डिप्टी सीएम पद को लेकर खींचतान, आलाकमान करेगा फैसला

बंगलूरू, 1 जुलाई। कर्नाटक में सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर सियासी खींचतान के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को कहा कि वह नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर कांग्रेस आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। वोक्कालिगा समुदाय के एक संत ने पिछले हफ्ते सार्वजनिक रूप से सिद्धारमैया से पद छोड़ने और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के लिए रास्ता खाली करने का अनुरोध किया था। विश्व वोक्कालिगा महासंस्थान मठ के संत चंद्रशेखर स्वामी की अपील के बारे में पूछे जाने पर सिद्धारमैया ने कहा, यह ऐसा मामला नहीं है जिस पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की जाए। आलाकमान जो भी फैसला लेगा, हम उसका पालन करेंगे। उन्होंने कहा, स्वामीजी क्या कहते हैं, मैं उस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। हमारी राष्ट्रीय पार्टी है। एक हाईकमान है। सिद्धारमैया के करीबी माने जाने वाले कुछ मंत्रियों ने उप मुख्यमंत्री के और पद सृजित करने और उन्हें लिंगायत, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं को दिए जाने की मांग की है। इसे शिवकुमार के राजनीतिक पर कतरने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले शिवकुमार वर्तमान में सिद्धारमैया सरकार में एकमात्र उप मुख्यमंत्री हैं। पिछले साल मई में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी टक्कर थी। कांग्रेस शिवकुमार को मनाने में सफल रही और उन्हें उप मुख्यमंत्री बनाया गया। उस समय ऐसी खबरें थीं कि रोटेशनल सीएम के फॉर्मूले के आधार पर एक समझौता किया गया है, जिसके अनुसार ढाई साल बाद शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे। लेकिन पार्टी की ओर से आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की गई। शिवकुमार ने भी मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वकांक्षा को किसी से छिपा कर नहीं रखा है। जबकि सिद्धारमैया ने लोकसभा चुनाव के दौरान लोगों से कांग्रेस के लिए समर्थन मांगा था, ताकि उनकी स्थिति मजबूत रहे। इस बीच, राज्य में उप मुख्यमंत्री की मांग पर कांग्रेस विधायक प्रियांक खरगे ने कहा, लोग कुछ भी दावा करने के लिए स्वतंत्र हैं, जो वे चाहते हैं। लेकिन उन्हें सही मंच पर दावा करना चाहिए। मीडिया में आने और दावा करने का क्या मतलब है?

नए आर्मी चीफ के सामने है चुनौतियों का अंबार

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 1 जुलाई। भारतीय सेना के 30वें नए चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी की टेक्नोलॉजी में काफी रूचि है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी वह अधिकारी हैं, जिन्होंने चीन के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच नॉर्दन कमांड में सेना के मॉर्डनाइजेशन प्रोग्राम को सफलतापूर्वक लागू किया। टेक्नोलॉजी के साथ-साथ उन्होंने आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के तहत स्वदेशी हथियारों को विकसित करने में भी अहम भूमिका निभाई है। वहीं, उनके सामने कई चुनौतियां भी हैं। उन्हें चीन से मिल रही चुनौती के साथ जम्मू क्षेत्र में बढ़ रहीं आतंकी गतिविधियां, थिएटर कमांड का सफलतापूर्वक लागू करना और सेना की अग्निपथ स्कीम जैसे बड़े मसले का हल भी निकालना होगा। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार 30 जून को 12 लाख से ज्यादा फौजियों वाली भारतीय सेना के नए सेनाध्यक्ष की बागडोर संभाली। सोमवार को जनरल उपेंद्र द्विवेदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मीडिया को संबोधित करते कहा कि थल सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच तालमेल सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकताओं में से एक होगा। वह रक्षा में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सेना में स्वदेश निर्मित सैन्य उपकरणों को शामिल करने को प्रोत्साहित करेंगे। जनरल उपेंद्र द्विवेदी के निजी जीवन के बारे में बात करते हुए उनके करीबी सूत्रों का कहना है कि अपनी स्कूली शिक्षा के दिनों से ही वह एक उत्कृष्ट खिलाड़ी रहे हैं और एनडीए और भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) दोनों में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्हें फिजिकल ट्रेनिंग में ब्लू स्ट्रैप से सम्मानित किया गया था। वहीं उनकी टेक्नोलॉजी में भी काफी रूचि रही है। वह भारतीय सेना की सबसे बड़ी कमान के आधुनिकीकरण और उसे सुसज्जित करने में भी शामिल थे, तथा उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के तहत स्वदेशी हथियारों को शामिल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उत्तरी कमान में अपने कार्यकाल के दौरान, सेना ने नई तोपें, कई तरह के ड्रोन, लोइटरिंग गोला-बारूद, अगली पीढ़ी की बियॉन्ड-लाइन-ऑफ-साइट गाइडेड मिसाइल, दुश्मन के हवाई वाहनों को गिराने के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम, विशेष हाई एल्टीट्यूड

वाले टैंक और मिसाइल लांचर प्राप्त करने की योजना पर काम किया। इनमें से कई उपकरण अब शामिल किए जा चुके हैं या खरीदे जाने की प्रक्रिया में हैं और इनका उपयोग हिमालय क्षेत्र के साथ किया जाना है। अमर उजाला से खास बातचीत में पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीपी मलिक कहते हैं कि 1984 में जम्मू-कश्मीर राइफल्स में कमीशन प्राप्त जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने इस साल फरवरी में उप-प्रमुख बनने से पहले महत्वपूर्ण नॉर्दन कमांड के जीओसी-इन-सी के रूप तौर पर दो साल का कार्यकाल पूरा किया था। वह कहते हैं कि वे चीन से चल रहे गतिरोध को अच्छे से समझते हैं और पहचानते हैं। वे काफी अनुभवी हैं। उन्हें चीन से पैदा हो रहे खतरों पर ध्यान देना होगा, क्योंकि असली खतरा चीन से है। सीमाओं पर चीन की नई चुनौती है, जिससे निपटने के लिए नए सेना प्रमुख को पेशेवर ध्यान और कुशलता की आवश्यकता होगी, तथा मजबूत प्रतिरोधक क्षमता पर विशेष ध्यान देना होगा। ऐसे समय में जब चीन ने सलामी-स्लाइसिंग और ग्रे ज़ोन युद्ध में महारत हासिल कर ली है, और पाकिस्तान प्रॉक्सी वार को जारी रखे हुए है। इस पर जनरल वीपी मलिक कहते हैं कि चीन और पाकिस्तान का जो ये नापाक गठबंधन है, इस खतरे से भी उन्हें जूझना होगा।

ंगलादेश के सांसद अनार की हत्या के सभी सात आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस में एक पर्यटक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से तीन लोगों की मौत हो गई। बीएफएमटीवी समाचार चैनल के अनुसार विमान आइल-डी-फ्रांस क्षेत्र में फ्रांसीसी शहर कॉलेजियन के पास ए4 राजमार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

पाकिस्तान में वर्षाजनित घटनाओं में छह की मौत, 25 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में पिछले पांच दिन में भारी वर्षा के कारण घटी घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गये। बलूचिस्तान के प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में भारी बारिश के कारण भूस्खलन होने से प्रमुख राजमार्ग अवरुद्ध हो गए और प्रांत के विभिन्न जिलों में कई वाहन फंस गए। उन्होंने बताया कि फंसे हुए यात्रियों के बचाव एवं उन्हें राहत पहुंचाने के लिए विशेष टीमें भेजी गई हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने देश में आने वाले दिनों में और बारिश होने के आसार जताते हुए नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

पाकिस्तान में फुटपाथ से टकराकर पलटा वाहन, 7 लोगों की मौत व घायल

इस्लामाबादः पाकिस्तान के कराची में एक तेज रफ्तार वाहन के फुटपाथ से टकराकर पलट जाने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना सिंध प्रांत में उस समय हुई जब एक ट्रेलर ने यू-टर्न लिया और पीछे से आ रहा कोस्टर (एक प्रकार का वाहन) उससे टकरा गया और पलट गया। पाकिस्तान के दैनिक समाचारपत्र 'डॉन' की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि ट्रेलर का चालक भाग गया, जबकि कोस्टर का चालक इस हादसे में घायल हो गया। समाचार पत्र 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के मुताबिक इस दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई। आपातकालीन प्रतिक्रिया दल ने घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की। मृतकों के शवों को आगे की कानूनी प्रक्रियाओं के लिए सिविल अस्पताल कराची में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस बीच, सिंध प्रांत के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है।

जर्मनी के एस्सेन में विरोध प्रदर्शन के दौरान 2 अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए

बर्लिन। जर्मन शहर एसेन में दक्षिणपंथी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी के खिलाफ एक बड़े विरोध प्रदर्शन के दौरान दो पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि सात और कानून प्रवर्तन अधिकारियों को मामूली चोटें आईं, एसेन पुलिस ने कहा। अपराधियों के एक समूह के बीच से एक राजनेता को ले जाते समय ... अज्ञात अपराधियों ने ड्यूटी पर मौजूद दो पुलिस अधिकारियों के सिर पर वार किया। जब पुलिस अधिकारी जमीन पर पड़े थे, तो उन्हें लात मारी गई। पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा, पुलिस ने शनिवार को एक बयान में कहा, साथ ही कहा कि हमले में सात और पुलिस अधिकारी मामूली रूप से घायल हुए। बयान में कहा गया है कि हमलावर भीड़ में भागने में सफल रहे और उनकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

उत्तर कोरिया ने अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया पर 'एशियाई संस्करण का नाटो' बनाने का आरोप लगाया

एजेंसी

मॉस्को। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास की आलोचना की है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने कहा कि इस तरह के सैन्य अभ्यास दिखाते हैं कि तीनों देशों के बीच संबंध नाटो के एशियाई वर्जन के रूप में विकसित हो गए हैं।

दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका ने गुरुवार को फ्रीडम एज नामक एक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया, जिसमें नौसेना के विध्वंसक, लड़ाकू जेट और परमाणु ऊर्जा से चलने वाले अमेरिकी विमानवाहक पोत थियोडोर रूजवेल्ट शामिल है। इस ज्वाइंट मिलिट्री ड्रिल का उद्देश्य मिसाइलों, पनडुब्बियों और हवाई हमलों के खिलाफ सुरक्षा को मजबूत करना है।

सैन्य अभ्यास का उद्देश्य कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव कम करना

तीनों देशों के बीच इस संयुक्त सैन्य अभ्यास की योजना पिछले साल कैंप डेविड में तीन-तरफा शिखर सम्मेलन में बनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया के हथियार परीक्षण से कोरियाई प्रायद्वीप पर उत्पन्न हो रहे तनाव को कम कर सुरक्षा को मजबूत करना है।

केसीएनए समाचार एजेंसी के अनुसार, उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्योंगयांग अमेरिका और उसके सहयोगियों के नेतृत्व वाले सैन्य ब्लॉक को मजबूत करने की अनदेखी नहीं करेगा। बयान में आगे कहा गया कि उत्तर कोरिया आक्रामक और जबरदस्त प्रतिक्रिया के साथ क्षेत्रीय शांति की रक्षा करेगा।

सियोल के रक्षा मंत्रालय आलोचना को किया खारिज

मंत्रालय ने यह भी कहा कि वाशिंगटन दक्षिण कोरिया और जापान को उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) से जोड़ने के अपने प्रयास जारी रखे हुए है। बयान में कहा गया कि दक्षिण कोरिया की ओर से यूक्रेन को हथियार मुहैया कराने के प्रयास इसका एक बड़ा उदाहरण है।

वहीं, सियोल के रक्षा मंत्रालय नेएक बयान में कहा कि ÷फ्रीडम एज अभ्यास उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम के जवाब में था। मंत्रालय की ओर से प्योंगयांग की आलोचना को खारिज कर दिया गया है।

उत्तर कोरिया पर रूस को हथियार आपूर्ति करने का आरोप

दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह हाल ही में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हस्ताक्षरित एक पारस्परिक रक्षा समझौते के विरोध में यूक्रेन को सीधे हथियार आपूर्ति करने की संभावना की समीक्षा करेगा। दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका ने उत्तर कोरिया पर रूस को हथियार आपूर्ति करने का आरोप लगाया है, जिसका उपयोग यूक्रेन युद्ध में किया जा रहा है। हालांकि, रूस और उत्तर कोरिया दोनों ही ऐसे किसी भी लेन-देन से इनकार करते हैं।

उत्तर कोरिया लंबे समय से अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच संयुक्त अभ्यास की निंदा करता रहा है। उत्तर कोरिया इसे आक्रमण का पूर्वाभ्यास और वाशिंगटन तथा सियोल की शत्रुतापूर्ण नीतियों का सबूत मानता है। पिछले साल, अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने उत्तर कोरियाई खतरों के प्रति प्रतिक्रिया में सुधार के लिए संयुक्त नौसैनिक मिसाइल रक्षा और पनडुब्बी रोधी अभ्यास किया था।

गाजा में बढ़ा फिलिस्तीनियों के मारे जाने का आंकड़ा, अब तक 37,877 लोगों की मौत

एजेंसी

गाजाः गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में फिलिस्तीनी मृतकों की संख्या बढ़कर 37,877 हो गई है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान में कहा गया है कि पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली सेना की कार्रवाई में 43 लोग मारे गए और 111 अन्य घायल हो गए। अक्टूबर 2023 में फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद से कुल मृतकों की संख्या 37,877 और घायलों की संख्या 86,969 हो गई। बयान के अनुसार कई पीड़ितों के शव अभी भी मलबे के नीचे या सड़कों पर पड़े हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक अलग बयान में चेतावनी दी कि जनरेटर चलाने के लिए आवश्यक ईंधन की कमी के कारण गाजा पट्टी में शेष अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र और ऑक्सीजन स्टेशन 48 घंटे के भीतर बंद हो जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इज़रायल ने सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इज़रायली सीमा के माध्यम से हमास के हमले का बदला लेने के लिए गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर आक्रमण शुरू किया, जिसके दौरान लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 अन्य को बंधक बना लिया गया।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कतर के पीएम से की मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा

एजेंसी

दोहाः विदेश मंत्री एस जयशंकर दोहा में कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों पर बातचीत की जिसमें राजनीति, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, संस्कृति और लोगों से लोगों के संबंध से जुड़े मुद्दों पर जोर दिया गया। यहां एक दिवसीय यात्रा के तहत पहुंचे जयशंकर ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी शेख मोहम्मद के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया। शेख मोहम्मद के पास विदेश मंत्री का भी प्रभार है।

जयशंकर ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज दोपहर दोहा में कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री थानी से मिलकर खुशी हुई। महामहिम अमीर तक उनको प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से दी गई शुभकामनाएं पहुंचाई। उन्होंने कहा, राजनीतिक, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, संस्कृति और लोगों से लोगों के संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए हमने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। गाजा स्थिति पर उनकी साझा अंतर्दृष्टि की सराहना करते हैं।

विदेश मंत्री ने कहा, हम भारत-कतर संबंधों को और बेहतर बनाने तथा आपसी हितों के मुद्दों पर निरंतर बातचीत की आशा करते हैं। कतर की समाचार एजेंसी की खबर के मुताबिक, बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने दोनों नेताओं ने साझा हितों के कई मुद्दों के अलावा दोनों देशों के बीच सहयोग संबंधों और उन्हें समर्थन देने तथा विकसित करने के तौर-तरीकों की समीक्षा की। जयशंकर की यह यात्रा भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को कतर द्वारा रिहा किये जाने के साढ़े चार महीने बाद हो रही है, जिन्हें अगस्त 2022 में गिरफ्तार होने के बाद मौत की सजा सुनाई गई थी। प्रोटोकॉल प्रमुख इब्राहिम फखरू ने विदेश मंत्री जयशंकर का हवाई अड्डे पर स्वागत किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने नयी दिल्ली में कहा, विदेश मंत्री की यह यात्रा दोनों देशों को राजनीतिक, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, सुरक्षा, सांस्कृतिक और लोगों के बीच आपसी संबंधों के साथ-साथ आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों सहित द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करने में सक्षम बनाएगी। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 से 15 फरवरी तक कतर दौरे के दौरान अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से चर्चा की थी। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत और कतर के बीच ऐतिहासिक और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 2-4 जुलाई को कजाकिस्तान का दौरा करेंगे

एजेंसी

अल्माटी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 2-4 जुलाई को कजाकिस्तान की राजकीय यात्रा करेंगे और शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद में भाग लेंगे, कजाकिस्तान राष्ट्रपति प्रेस सेवा ने कहा। '2-4 जुलाई, 2024 को राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव के निमंत्रण पर, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग कजाकिस्तान गणराज्य की राजकीय यात्रा करेंगे और शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद की 24वीं बैठक में भी भाग लेंगे, बयान में कहा गया। अस्ताना में एससीओ शिखर सम्मेलन 3-4 जुलाई को आयोजित किया जाएगा और इसमें संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भाग लेंगे। इस आयोजन के दौरान 2035 तक संगठन की विकास रणनीति सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है।

नेपाल का सत्तारूढ़ गठबन्धन टूट के कगार पर, ओली-देउवा की मुलाकात से राजनीति तरंगित

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल का सत्तारूढ़ गठबन्धन टूट के कगार पर पहुंच गया है। सत्तापक्ष के नेताओं के बीच बढ़ती दूरी और विपक्षी दल के साथ बढ़ती नजदीकी इस बात का प्रमाण है। सत्तापक्ष के सबसे बड़े दल नेकपा एमाले के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली और प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा के बीच हुई मुलाकात ने नेपाल की राजनीति में भूचाल ला दिया है। सत्तारूढ़ गठबन्धन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर प्रमुख अतिथि के रूप में आमंत्रित केपी शर्मा ओली ने बहिष्कार कर दिया जबकि इसी कार्यक्रम में सहभागी होने के लिए प्रचण्ड अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम को बीच में छोड़कर चितवन से काठमांडू लौट आए। सत्तापक्ष के बाकी नेता भी उस कार्यक्रम में सहभागी हुए लेकिन ओली इस कार्यक्रम से नदारद रहे। दरअसल, जिस समय सत्ता पक्ष का यह कार्यक्रम चल रहा था उसी समय ओली अपने निवास पर प्रमुख प्रतिपक्षी नेता देउवा के साथ तीन घंटे तक बैठक की। अपने सांसद पत्नी आरजू राणा को लेकर ओली से मिलने पहुंचे देउवा ने ओली के समक्ष प्रधानमंत्री पद का प्रस्ताव रखा। इस बैठक के बारे में नेपाली कांग्रेस के प्रमुख सचेतक रमेश लेखक ने बताया कि बदलती हुई राजनीतिक परिस्थिति में दोनों शीर्ष नेताओं की मुलाकात राजनीतिक स्थिरता को लेकर है।

जराइल और लेबनान के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका विकल्पों पर काम कर रहा है – रिपोर्ट

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी अधिकारी इजरायल और लेबनान के बीच संघर्ष को हल करने के लिए विभिन्न विकल्पों पर काम कर रहे हैं, वाशिंगटन पोस्ट ने रिपोर्ट की। अमेरिकी अधिकारी इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच लड़ाई को कम करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि आंदोलन का कहना है कि जब तक इजरायल गाजा में अपना जमीनी हमला बंद नहीं कर देता, तब तक वह पीछे नहीं हटेगा, रिपोर्ट में कहा गया है। जबकि अमेरिकी अधिकारी हिजबुल्लाह की मांगों को स्वीकार करते हैं, वे तनाव कम करने के लिए बैकअप विकल्पों पर भी काम कर रहे हैं, रिपोर्ट में सूत्रों का हवाला देते हुए कहा गया है। 18 जून को, इजरायल रक्षा बलों ने घोषणा की कि उसने लेबनान में आक्रमण के लिए परिचालन योजनाओं को मंजूरी दे दी है। इजरायल के विदेश मंत्री इजरायल कैट्ज ने बाद में कहा कि इजरायल हिजबुल्लाह और लेबनान के खिलाफ नियमों को बदलने के फैसले के बहुत करीब था, एक पूर्ण युद्ध में आंदोलन को नष्ट करने और लेबनान को गंभीर रूप से प्रभावित करने की धमकी दी। हिजबुल्लाह के महासचिव हसन नसरल्लाह ने कहा कि अगर टकराव और तेज हुआ तो आंदोलन उत्तरी इजरायल पर आक्रमण कर सकता है। अक्टूबर 2023 में गाजा पट्टी में इजरायल के सैन्य अभियान शुरू होने के बाद इजरायल-लेबनानी सीमा पर स्थिति और खराब हो गई। लेबनानी हिजबुल्लाह लड़ाके रोजाना सीमा से लगे इलाकों में एक-दूसरे के ठिकानों पर गोलीबारी करते हैं। लेबनानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में करीब 100,000 लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े, जबकि इजरायली विदेश मंत्रालय ने कहा कि 80,000 इजरायलियों को भी ऐसा ही करना पड़ा।

तुर्की के मुख्य विपक्षी दल के नेता को रूस यात्रा के दौरान पुतिन से मिलने की उम्मीद

एजेंसी

अंकारा। तुर्की की मुख्य विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी के नेता ओजगुर ओज़ेल ने कहा है कि उन्हें रूस की अपनी आगामी यात्रा के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक करने की उम्मीद है।अगले सप्ताह, मैं बुखारेस्ट में यूरोपीय समाजवादी दलों के नेताओं के सम्मेलन में भाग लेने की योजना बना रहा हूँ। बैठकों की योजना केवल यूरोपीय नेताओं के साथ ही नहीं है; हम रूस और बीजिंग भी जाएँगे। हम पुतिन से मिलेंगे; हमें पहले ही निमंत्रण मिल चुका है, और हम चीन के साथ-साथ ब्राज़ील भी जाएँगे, जहाँ हम राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा से मिलेंगे, ओज़ेल ने तुर्की के पत्रकार फतिह अल्तायली के साथ एक साक्षात्कार में कहा।

नेपाल में मुस्लिमों ने हिन्दुओं के गांव का नाम बदल कर रख दिया 'इस्लाम नगर', हिंदू युवकों को भी पीटा

एजेंसी

काठमांडूः नेपाल के रौतहट जिले में साम्प्रदायिक तनाव की घटना सामने आई है। यहां एक सप्ताह पहले मुस्लिमों ने एक गांव का नाम इस्लाम नगर रखकर इससे बोर्ड लगवा दिया। हिन्दुओं को इसका पता चला तो वे भड़क गए और इस बोर्ड को उखाड़ फेंका। इसके बाद मुस्लिमों ने हिन्दू समुदाय के कुछ युवाओं की पिटाई कर दी। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटना 23 जून की बताई जा रही है। मामला रौतहट जिले के गरुडा नगरपालिका वॉर्ड नंबर 6 का है। यहाँ के गाँव पोठियाही में सप्ताह भर पहले मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक चौराहे पर इस्लाम नगर का बोर्ड लगा दिया। यह बोर्ड बाकायदा हरे रंग में रंगा गया था। बोर्ड के ऊपर अरबी और उर्दू भाषा में कई शब्द लिख दिए गए थे। बोर्ड के ऊपर दोनों तरफ इस्लामी इबादतगाहों की तस्वीरें भी छाप दी गई थीं। यहाँ पर खड़े होकर एक मुस्लिम बुजुर्ग ने एक सेल्फी भी ली थी, बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। कहा जा रहा है कि स्थानीय मुस्लिम इस जगह को अपनी तरफ से इस्लाम नगर कह कर बुलाने भी लगे थे। घटना के दिन मौके पर पहुँचकर मुस्लिमों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। हिंदू पक्ष ने नेपाल प्रशासन पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाया है। नेपाल के संगठन 'हिन्दू सम्राट सेना' के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश यादव ने बताया कि पोठियाही गाँव में मुस्लिमों के महज 10 घर हैं, जो कि गाँव की कुल आबादी का महज 4फीसदी है। इसके बावजूद इन्होंने पूरे पोठियाही गाँव के नाम को बदलने की साजिश रच डाली । 23 जून को हिन्दू सम्राट सेना के सदस्यों ने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर इस्लाम नगर वाले इस बोर्ड को उखाड़ दिया। उन्होंने कहा कि उस दौरान मुस्लिम पक्ष के लोग खामोश रहे, लेकिन अंदर ही अंदर वो हिंसा फैलाने की साजिश रच रहे थे। 25 जून की रात को तीन हिन्दू युवक चौराहे से गुजर रहे थे। इस दौरान उनको लगभग एक दर्जन मुस्लिमों ने घेर लिया और उन पर इस्लाम नगर वाला बोर्ड उखाड़ने का आरोप लगाकर पहले गंदी-गंदी गालियाँ दी गईं और बाद में उनकी पिटाई कर दी । इस हमले में हिंदू समुदाय के युवक बुरी तरह घायल हो गए। हिंसक भीड़ को चाँद दीवान, रफीक, सिराजुल और मंजूर आदि लोग लीड कर रहे थे। इस हमले की जानकारी मिलते ही आसपास के हिन्दू नाराज हो गए। हिन्दुओं ने एकजुट होकर इस हमले का विरोध किया। इस बीच मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर प्रशासनिक अधिकारी पहुँच गए। हिंदू पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने हमला करने वाले मुस्लिमों पर कोई कार्रवाई नहीं की। इतना ही नहीं, उन मुस्लिम परिवारों को ही पुलिस ने बजाय सुरक्षा दे दी, जिन्होंने हमला किया था। नेपाल प्रशासन इस घटना को आपसी विवाद बताकर मामले पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले में कोई साम्प्रदायिक एंगल नहीं है।

अफगानिस्तान से सीमा पर आंतकी हमलों से बौखलाया पाकिस्तान, कार्रवाई न करने पर तालिबान को कोसा

एजेंसी

इस्लामाबादः दुनिया को आंतकवाद की आग में झोंकने वाला आज खुद इसमें झुलस रहा है । अफगानिस्तान सीमा के पास से बढ़ रहे आंतकी हमलों से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है और आंतकियों के खिलाफ कार्रवाई न करने पर तालिबान को कोस रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इस्लामाबाद के बार-बार के अनुरोध के बावजूद पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई न करने के लिए काबुल की अफगान तालिबान सरकार की आलोचना की। आसिफ ने शनिवार को एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवादियों को पश्चिमी सीमा की ओर भेजने के लिए 10 अरब रुपए की पेशकश भी की है। आसिफ के हवाले से कहा, ''पाकिस्तान को अफगान सरकार से सहयोग की उम्मीद थी लेकिन वह आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं है।' पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार से बार-बार यह अनुरोध किया है कि वह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) तथा अन्य आतंकवादी समूहों को अपनी जमीन का इस्तेमाल न करने दे। हालांकि, काबुल पाकिस्तान के इस दावे को खारिज करता रहा है।

आसिफ ने कहा कि सरकार ने आतंकवादियों को पश्चिमी सीमा के इलाकों में स्थानांतरित करने के लिए 10 अरब रुपये की पेशकश भी की थी लेकिन उसे आशंका है कि आतंकवादी वहां से भी पाकिस्तानी सीमा की ओर लौट सकते हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह 'वॉयस ऑफ अमेरिका' को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि पाकिस्तान 'ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेकाम' के तहत अफगानिस्तान में सीमा पर आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बना सकता है। उन्होंने टीटीपी के साथ बातचीत की संभावनाओं को भी खारिज किया।

चीनी कंपनी के विरोध में सांसद का पैदल मार्च

काठमांडू। चीन की कंपनी की तरफ से काठमांडू रिंगरोड का निर्माण कार्य पूरा नहीं करने के विरोध में सांसद ने रिंगरोड पर पैदल मार्च किया। चीन सरकार के तरफ से बनाए जा रहे काठमांडू के रिंगरोड का निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं होने के कारण काठमांडू के सांसद प्रदीप पौडेल ने अपने समर्थकों के साथ पैदल मार्च किया। रिंगरोड का निर्माण कार्य जल्द पूरा करने या काम छोड़ देने की मांग करते हुए यह पैदल मार्च किया गया है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सिंगापुर की धर्मगुरु को साढ़े दस साल की जेल, भक्तों से 43 करोड़ रुपए ठगे

सिंगापुर। सिंगापुर की धर्मगुरु वू मे हो (54) को साढ़े दस साल जेल की सजा हुई है। कोर्ट ने उन्हें अपने भक्तों के साथ धोखाधड़ी करने और उन्हें चोट पहुंचाने समेत 5 आरोपों में दोषी पाया। वू मे हो पर आरोप है कि वह अपने भक्तों का ब्रेनवॉश कर उन्हें बताती थी कि वह एक देवी है।अगर भक्त उसके आदेश का पालन नहीं करते तो हो उन्हें क्रूर सजा देती थी। वह भक्तों को उनका मल खिलाती थी और प्लास से उनके दांत निकालने को कहती थी। यही नहीं, वह भक्तों पर कैंची से वार करती थी और उन्हें इमारत की दूसरी मंजिल से कूदने को भी कहती थी।

सिंगापुर के न्यूज चैनल CNA की रिपोर्ट के मुताबिक, वू मे हो खुद को भारतीय धर्मगुरु श्री शक्ति नारायणी अम्मा का भक्त बताती है। श्री शक्ति नारायणी अम्मा के भक्त उनको देवी नारायणी का पहला ज्ञात अवतार बताते हैं। वू मे हो सिंगापुर में साल 2012 से 30 भक्तों के समूह वाला एक आश्रम चला रही है। लोग उस पर विश्वास करें, इसके लिए वह हमेशा देवी जैसी साड़ी और मेकअप करके रहती है।

वू मे हो 2012 में श्री शक्ति नारायणी अम्मा से जुड़ी

वू मे हो साल 2012 में ही श्री शक्ति नारायणी अम्मा से सीधे तौर पर जुड़ी थी। इस दौरान उसने देवताओं और आत्माओं से बात करने वाली देवी के रूप में खुद की पहचान बनानी शुरू की। इसके बाद उसने अपने भक्तों से खुद को भगवान कहने को कहा।

कोर्ट में वू मे हो के भक्तों ने बताया कि हम अपनी बीमारियां ठीक करने और जीवन बेहतर करने के लिए उसके पास जाते थे। इसी दौरान वू मे हो लोगों से पैसे मांगती थी। वह कहती थी कि उन्हें अपने 'बुरे कर्म' को साफ करने के लिए भारत में अम्मा को पैसे भेजने होंगे। इस तरह वू ने भक्तों से 43 करोड़ रुपए ठगे।

वू का दावा- दान का पैसा भारत में गायों की देखरेख, मंदिर और स्कूल बनाने पर खर्च किया: वू ने दावा किया कि दान के पैसे को भारत में गायों की देखरेख, मंदिर और स्कूल बनाने के लिए खर्च करती है। 10 भक्तों ने वू पर आरोप लगाया कि उनसे जरूरी सामान खरीदने को कहा, खाना बनवाया, घर की सफाई करवाई और घूमने के लिए गाड़ियों का इंतजाम करने को मजबूर किया।

तीन नए आपराधिक कानून आने से सजा की दर में होगा इजाफा : अश्विनी उपाध्याय

एजेंसी

नई दिल्ली । एक जुलाई यानी आज से देश में भारतीय दंड संहिता (इंडियन पीनल कोड), दंड प्रक्रिया संहिता (कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (इंडियन एविडेंस एक्ट) की जगह तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) लागू हो गए हैं। आईएएनएस ने इस बारे में सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील अश्विनी उपाध्याय से इस बारे में बात की। आज बहुत ही ऐतिहासिक दिन है। जो पुराने कानून थे, वह आज खत्म हो गए। आज से हमारा नया भारतीय कानून लागू हो गया है, जो पुराना कानून था उसका नाम था 'इंडियन पेनल कोड'... उसमें इंडिया शब्द का इस्तेमाल किया गया था। इसमें लिखा है 'भारतीय न्याय संहिता'... पुराने वाले कानून का नाम था 'इंडियन एविडेंस एक्ट', उसमें भी इंडिया लिखा हुआ था। नए वाले में लिखा है 'भारतीय साक्ष्य संहिता'... पुराना वाला जो कानून था उसमें व्हाट्सएप चैटिंग एविडेंस नहीं था, उसमें ईमेल का कोई एविडेंस नहीं था, उसमें फोन पर बात करने का कोई एविडेंस नहीं था, कॉल रिकॉर्ड कोई एविडेंस नहीं था...नए भारतीय साक्ष्य संहिता में वो सब एविडेंस माना जाएगा। इसमें एफआईआर कितने दिन में करनी है, इसका टाइम फिक्स हो चुका है। आप दिल्ली में बैठे-बैठे कोलकाता में, बंगाल में एफआईआर कर सकते हैं। आपको बंगाल जाने की जरूरत नहीं है, आप घर बैठे-बैठे ऑनलाइन कर सकते हैं। एफआईआर की टाइमिंग फिक्स हो चुकी है।

दिल्ली-एनसीआर में तीन दिन तक भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में मानसून की दस्तक हो चुकी है। पहली बारिश ने ही दिल्ली और नोएडा-गाजियाबाद को पानी-पानी कर दिया था। मौसम विभाग ने अब सोमवार से आने वाले तीन दिन तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। साथ ही ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है, यानी यह बारिश लोगों के लिए राहत की जगह आफत बन सकती है। मौसम विभाग के के मुताबिक, दिन अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इसके साथ ही आसमान में बादल छाए रहेंगे और भारी बारिश की संभावना है। मंगलवार 2 जुलाई को भी भारी बारिश की चेतावनी के साथ अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है जबकि न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। बुधवार 3 जुलाई को भी भारी बारिश के साथ अधिकतम तापमान और घटकर 29 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है जबकि न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि इसके बाद भी राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों में मानसून सक्रिय रहेगा, लेकिन भारी बारिश से लोगों को निजात मिलेगी।

वेंकैया नायडू के जन्मदिन पर पीएम मोदी ने दी बधाई, उनकी राजनीतिक यात्रा को बताया उदाहरण

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू को उनके 75वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, 'श्री वेंकैया नायडू गारू को उनके 75वें जन्मदिन पर बधाई। उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। इस विशेष अवसर पर, उनके जीवन, सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता पर कुछ विचार लिखे हैं।' आज भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति और राष्ट्रीय राजनीति में शुचिता के प्रतीक हमारे श्री एम. वेंकैया नायडू गारू का जन्मदिवस है। वेंकैया नायडू जी आज 75 वर्ष के हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रसेवा और जनसेवा को हमेशा सर्वोपरि रखा है। मैं उनके दीर्घायु होने और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। देश में उनके लाखों चाहते वाले हैं। मैं उनके सभी शुभचिंतकों और समर्थकों को भी बधाई देता हूं। वेंकैया जी का 75वां जन्मदिवस एक विशाल व्यक्तित्व की व्यापक उपलब्धियों को समेटे हुये है। उनका जीवन सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता की ऐसी यात्रा है, जिसके बारे में सभी देशवासियों को जानना चाहिए।

गाजियाबाद में नए कानून के तहत दर्ज हुआ पहला मुकदमा : इन धाराओं में हुआ बदलाव

एजेंसी

नई दिल्ली। 1 जुलाई यानी की से देशभर में नए कानून लागू हो चुके हैं। सरकार ने इसको लेकर 24 फरवरी 2024 को ही अधिसूचना जारी कर दी थी। अब 1 जुलाई से इंडियन पीनल कोड की जगह भारतीय न्याय संहिता, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की जगह नागरिक सुरक्षा संहिता, और एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू होगा। इसी के साथ नए आपराधिक कानून रविवार आधी रात से प्रभावी होने के बाद पहला मुकदमा विजयनगर थाने में दर्ज किया गया है। रात करीब तीन बजे दर्ज हुए इस मुकदमे को पुलिस ने एफआइआर के नए प्रारूप भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता -2023 (बीएनएसएस-2023) की धारा 173 के तहत दर्ज किया है। कल तक मुकदमे सीआरपीसी की धारा 154 के तहत दर्ज किए जाते थे। मारपीट के इस मामले में पुलिस ने आइपीसी के तहत ही मारपीट की धाराएं लगाई हैं। विजय नगर के मवई निवासी रितिक पांडेय ने अपने ई रिक्शा से बैटरी चोरी की जानकारी करने कल जब पार्किंग में गए, तब वहां पार्किंग संचालक ने उनके साथ मारपीट की।पुलिस का कहना है कि घटना के समय पुराना कानून लागू था इसलिए धाराएं पुराने कानून के तहत लगी हैं।

दिल्ली में 228 मिमी बारिश, कई जगह जलजमाव, ग्राउंड जीरो पर पहुंची पीडब्ल्यूडी मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में कनॉट प्लेस के निकट मिंटो ब्रिज इलाके में जलजमाव से हजारों वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के बाद मुख्य सड़क मार्ग बाधित हुआ। जाम की स्थिति भी बनी रही। यही कारण रहा कि दिल्ली की पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने उच्चाधिकारियों के साथ मिंटो ब्रिज अंडरपास स्थित पंप हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पंप हाउस की क्षमता बढ़ाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

दिल्ली सरकार का कहना है कि मानसून के दौरान सामान्य दिनों में दिल्ली में 20-25 मिमी बारिश होती है। दो-तीन साल पहले तक मिंटो ब्रिज अंडरपास पर कम बारिश में ही जलजमाव हो जाता था। पीडब्ल्यूडी का कहना है कि उन्होंने यहां एक अतिरिक्त ड्रेनेज लाइन बनाई। इमरजेंसी अलार्म सिस्टम सहित ऑटोमैटिक पंप तैनात किए। इस कारण यहां 100 मिमी से ज्यादा बारिश होने के बाद भी जलजमाव नहीं हुआ। लेकिन, इस साल 24 घंटे में ही 228 मिमी बारिश हुई, जो

दिल्ली में मानसून के दौरान होने वाली कुल बारिश का 25 प्रतिशत है। ऐसे में इस अप्रत्याशित बारिश के कारण अंडरपास में जलजमाव की समस्या सामने आई। भारी बारिश के कारण मिंटो ब्रिज अंडरपास पर तैनात पंपों को पानी निकालने में समय लगा। इस कारण जलजमाव की समस्या रही। यहां दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो, इसे लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ पंप हाउस का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मौजूदा पंप हाउस की क्षमता और बढ़ाई जाए, जलभराव रोकने के लिए नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जाए। वो हरसंभव कदम उठाए जाएं ताकि आगे जलजमाव न हो।

दिल्ली में बीते दो-तीन दिनों में हुई बारिश के चलते कई जगहों पर जलभराव हो गया था। जिस कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। जलजमाव के कारण दिल्ली में कई मुख्य मार्गों पर घंटों जाम भी रहा। दिल्ली के आईटीओ पर करीब दो से तीन फीट पानी भर गया। इस कारण आईटीओ पर जबरदस्त जाम लगना शुरू हो गया था। इसके साथ ही मंडी हाउस जाने वाले हनुमान मंदिर चौराहे पर तीन फीट पानी भरा हुआ था, जिसके बाद सड़क बंद कर दी गई थी। वहीं, अशोक रोड, फिरोजशाह रोड और कनॉट प्लेस जाने वाले लोगों को भी दिक्कत हुई।

दिल्ली में बारिश के कारण हादसों में जान गंवाने वालों को 10 लाख का मुआवजा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में बीते दिनों हुई तेज बारिश के दौरान कई हादसे हुए। इन हादसों में जान गंवाने वाले व्यक्तियों के परिजनों को दिल्ली सरकार 10-10 लाख रुपए का मुआवजा देगी। दिल्ली की जलमंत्री आतिशी ने मुआवजा देने का निर्देश दिया। 28 जून को दिल्ली में काफी बारिश हुई थी। इसके बाद राजधानी के अलग-अलग इलाकों में पानी भरने और बारिश के कारण होने वाले हादसों की खबर आई थी। दिल्ली में कई स्थानों पर पानी में डूबकर लोगों की मौत हुई। सरकार ने इन हादसों के मृतकों के परिजनों को मुआवजे के रूप में 10 लाख रुपये देने की घोषणा की है। मंत्री आतिशी ने निर्देश दिया है कि दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों और दिल्ली पुलिस के सहयोग से उन लोगों की पहचान की जाए, जिन्होंने बारिश के कारण हुए हादसों में जान गंवाई है। दिल्ली सरकार का कहना है कि इस साल 24 घंटे में ही 228 मिमी बारिश हुई, जो दिल्ली में मानसून के दौरान होने वाली कुल बारिश का 25 प्रतिशत है। ऐसे में इस अप्रत्याशित बारिश के कारण जलजमाव जैसी समस्या सामने आई। भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर पानी भर गया, जहां डूबने से कुछ लोगों की मौत भी हुई है। ऐसी एक घटना दिल्ली के वसंत विहार इलाके में भी सामने आई है, जहां एक खुले गड्ढे में बारिश का पानी भरने के बाद तीन व्यक्तियों की डूबने से मृत्यु हो गई।

बिजली कंपनियों की लूट के खिलाफ नेशनल अकाली दल का प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल अकाली दल ने राजधानी में बिजली कंपनियों की लूट के खिलाफ जंतर-मंतर पर बिजली के मीटर लेकर प्रदर्शन कर सरकार से इन कंपनियों पर लगाम लगाने की मांग की।

नेशनल अकाली दल के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने इस अवसर पर केन्द्र सरकार से ऐसी व्यवस्था करने की मांग की जिससे उपभोक्ताओं को मोबाइल कंपनियों की तर्ज पर बिजली कंपनियों को भी चुनने का अवसर मिले। इससे उपभोक्ताओं को काफी राहत मिलेगी और उपभोक्ताओं को फायदा होगा।

श्री पम्मा की अध्यक्षता में पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर बिजली कंपनियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने अपने हाथों में बिजली कंपनियों की मनमानी बंद करने, बिजली के बिलों को जीएसटी से मुक्त करने संबंधी तख्तियां व बैनर लिए हुए थे। इस अवसर पर श्री पम्मा के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के बिजली मंत्री को एक ज्ञापन देकर उचित कार्रवाई की मांग भी की गई।

प्रदर्शनकारी जैसे ही संसद भवन

की ओर बढ़ने लगे पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पुलिस स्टेशन के समक्ष रोक लिया। इस अवसर पर श्री पम्मा ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार को बिजली कंपनियों पर लगाम लगानी चाहिए। उन्होंने सरकार से कहा कि ऐसी स्कीम की घोषणा करें जिससे टेलीफोन, मोबाइल प्रदाता कंपनियों की तरह बिजली वितरण कंपनी (डिस्काम) को चुनने का विकल्प होना चाहिए जिससे बिजली कंपनियों की मनमानी रुक सके। श्री पम्मा ने कहा पहले मोबाइल कंपनियां को आउटगोइंग कॉल्स के लिए जहां 16 रुपए प्रति मिनट की दर से चुकाने होते थे वहीं इनकमिंग कॉल के लिए 8 रुपए तक चुकाने होते होते थे मगर अब ज्यादा कंपनियां होने के कारण आपसी कंपटीशन इतना बढ़ गया है कि सस्ती से सस्ती स्कीम में लाकर ग्राहकों को अपनी ओर लुभाने के लिए लगे हुए हैं। इसी प्रकार बिजली कंपनियां में भी अन्य कंपनियां आ जाएगी तो ग्राहकों को सस्ती और बढ़िया सर्विस मिलेगी। उन्होंने कहा केंद्र सरकार ने इसका आश्वासन दिया था कि बिजली कंपनियों पर लगाम लगाने के लिए मोबाइल कंपनियों की तर्ज पर ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि उपभोक्ता अपनी इच्छानुसार बिजली कंपनी चुनने का अधिकार मिल सके। ऐसी व्यवस्था लागू होने से उपभोक्ताओं को हजारों रूपये के बिलों से छुटकारा मिलेगा। श्री पम्मा ने कहा कि आज स्थिति यह हो गई है कि बिजली कंपनियों विभिन्न प्रकार के टैक्स लगा कर उपभोक्ताओं से हजारों रूपये के बिल वसूल रही है और सरकार आंखे मूंदे बैठी है। आम लोग इन बढ़े हुए बिलों से त्राही-त्राही कर रही है। आम लोगों को राहत देने के लिए सरकार को उनकी परेशानी को देखते हुए ठोस कदम उठाने चाहिए। इस अवसर पर दलजीत सिंह चग्गर, रूप सिंह गुसाई, रश्मीत कौर बिंद्रा, सुनीता अरोड़ा, रूबी जिंदल, भूपेंद्र कपूर, सुखदेव सिंह. प्रीति गुप्ता सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

मकान की छत का जर्जर हिस्सा ढहने से छह वर्षीय मासूम की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार इलाके में एक घर की छत का एक जर्जर हिस्सा ढह गया। छत ढहने से यहां खेल रहे छह वर्षीय बच्चे की नीचे गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने मृतक बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस के अलावा क्राइम व एफएसएल की टीमें भी मौके पर पहुंच गई हैं।

पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। बच्चे का परिवार मकान में किराए पर रहता है। हादसे के बाद से मकान मालिक फरार है। पुलिस उसके खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर आरोपित की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार मृतक के पिता संतोष सेवाधाम रोड स्थित एक फैक्टरी में मजदूरी का काम करते हैं। संतोष और उसका परिवार पिछले छह महीने से इस मकान के प्रथम तल पर किराए पर रह रहा था। संतोष के परिवार में पत्नी के अलावा एक नौ वर्षीय बेटी है। भूतल पर मकान मालिक रामजी लाल खुद अपने परिवार के साथ रहता था। हादसे के बाद से वह फरार हो गया।

उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि हर्ष विहार थाने में रविवार शाम करीब पांच बजे प्रताप नगर के गली संख्या दो स्थित डी-106 की छत गिरने की सूचना मिली। कॉलर ने बताया कि छत गिरने से वहां पर खेल रहा एक छह वर्षीय बच्चा भी नीचे गिर गया है। हादसे में उसकी मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि बच्चे को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल में चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद मौके की जांच करने पर पता चला कि 50 स्क्वायर यार्ड में बना यह मकान काफी पुराना है। मकान की छत का यह हिस्सा काफी जर्जर हो चुका था। इसके चलते हादसा हुआ है। पुलिस ने मामले में यह साफ किया है कि मौके पर कोई निर्माण कार्य वगैरह नहीं चल रहा था। हालांकि पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया है। हादसे के बाद से ही मकान मालिक रामजी लाल फरार हो गया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से किया खेड़ा जिला मध्यस्थ सहकारी बैंक के नए भवन का लोकार्पण

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के खेड़ा जिला मध्यस्थ सहकारी बैंक लिमिटेड, नडियाद की 76वीं वार्षिक बैठक (एजीएम) को संबोधित किया और 18 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से बने बैंक के नए भवन (सरदार पटेल सहकार भवन) का लोकार्पण किया। इस अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) के अध्यक्ष और गुजरात के सहकारिता मंत्री सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह ने कहा कि खेड़ा जिले से ही देश के पहले गृह

मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के यशस्वी मार्गदर्शन में अमूल की शुरुआत हुई।

उन्होंने कहा कि अमूल ने पूरे देश और विश्व के सामने 'सहकारिता से समृद्धि' प्राप्त करने का उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले तक खेड़ा जिला सहकारी बैंक बंद होने की चर्चा हो रही थी, लेकिन आज इस बैंक ने 36 हजार स्क्वेयर फीट का अपना भवन निर्माण किया है और सारे ई-बैंकिंग नियमों की कल्पनाओं को साकार किया है।

केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के खिलाफ राहुल गांधी सहित विपक्षी सांसदों का विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सहित विपक्षी सांसदों ने केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के खिलाफ संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। 3 नए आपराधिक कानूनों पर AAP नेता राघव चड्ढा ने कहा, 'पहले इसका एक रिव्यू होना चाहिए...कानून को इतने आनन-फानन में लागू नहीं करना चाहिए। इसके बड़े दूरगामी परिणाम है। 3 नए आपराधिक कानूनों पर शिवसेना की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, '...जब ये बिल संसदीय स्थायी समिति में लाया गया था तो सदस्यों ने इस पर आपत्ति जताई थी और उसमें क्या कमियां हैं वो सामने रखी थीं लेकिन उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया... 145 विपक्ष के सांसदों को निलंबित कर दिया गया था... हम चाहते थे इस पर चर्चा हो। NEET परीक्षा को लेकर विपक्ष के विरोध पर कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा ने कहा, '..हमारी मांग यही है कि इस मामले पर बहस हो। सत्ता पक्ष तैयार होता है तो इस पर बहस की जाएगी।

3 नए आपराधिक कानूनों पर कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने कहा, 'हमारी चिंता यह थी कि संसद में इस पर पूरी तरह से चर्चा नहीं हुई क्योंकि पूरा विपक्ष निलंबित था...यह ऐसी बड़ी बात है जो हर किसी के जीवन को प्रभावित करती है और जिस तरह से हमारा देश आपराधिक क्षेत्र में काम करता है, उसे प्रभावित करती है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम संसद में इस पर चर्चा करें।

विशेष अदालत ने केजरीवाल को 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने शराब घोटाले से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज मुकदमे में 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। राऊज एवेन्यू स्थित अवकाशकालीन विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा ने सीबीआई की ओर से श्री केजरीवाल की हिरासत बढ़ाने की मांग नहीं करने और 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने के आग्रह के बाद यह आदेश पारित किया।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, HARI LAL S/o FAQIR CHAND residing at I-Block, House No.-468, Shakurpur, Saraswati Vihar, North West Delhi 110034 declare that the name of mine has been wrongly written as HEERA LAL in my Service Records. The actual name of mine is HARI LAL which may be amended accordingly.

Name Change
I, JC-781684L Rank-NB SUB Name-G RAJANGAM S/o R GANESAN Residing at PANCHAYAT UNION OFFICE STREET, BEHIND RICE MILL, VPO-ELUMALAI, TEH-PERAIYUR, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625535, have changed my minor son's name from R N KOUSIK RAJ to R KOUSIK RAJ for all future purposes vide Affidavit dated 01/07/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, ASHOK GIANCHANDANI S/o PAHILAJ GIANCHANDANI R/o B-101, UGF Flat, No. 3, Panchsheel Vihar, Malviya Nagar, South Delhi, Delhi - 110017 declare that name of mine has been wrongly written as PARLAD RAI GIANCHANDANI in my Pan Card No. AAIPG2213P. The actual name of mine is ASHOK GIANCHANDANI which may be amended accordingly.

Name Change
I hitherto known as Chanchal D/O Krishan Lal R/O- A-2/51, SECTOR-17 rohini, Rohini Sector 15, North West Delhi, Delhi-110089 have changed my name and shall hereafter be known as CHANCHAL SONI.

Name Change
I, MOHD ZUBER S/O MOHD ZAHID Residing at A-362/1, GALI NO-3, CHAUHAN BANGAR, NEW SEELAMPUR, NORTH EAST DELHI,110053 have changed my name to MOHAMMAD ZUBAIR for all future purposes.

Name Change
I KRISHNA KANT S/O PREMPAL SINGH R/O H.N0-03 GALI N0-1 SHIV MANDIR SURYA VIHAR PART-2, SECTOR-91, FARIDABAD -121003 HAVE CHANGE MY NAME TO KRISHNA KUMAR FOR ALL PURPOSES.

Name Change
I Deepak Kumar Grover Son of Bodh Raj Grover Residing at House No-158/23,Near Tikona Park, Laxmi Garden Gurgaon- 122001,, have to changed my name Deepak Grover for all purpose

सार्वजनिक सूचना
मैं, दिनेश कुमार शर्मा, पिता काव्य शर्मा, निवासी 1/4333, रामनगर विस्तार, शाहदरा, दिल्ली-110032 ने सभी उद्देश्यों के लिए अपने बेटे का नाम काव्य शर्मा से बदलकर काव्यांश शर्मा कर दिया है और भविष्य में इसे काव्यांश शर्मा के नाम से जाना जाएगा।

Name Change
I, AAFREEN D/O IQBAL Residing at H NO 675/6A/461, MAZAR WALI GALI NO-1, CHAUHAN BANGER, NEW SEELAMPUR, DELHI -110053 have changed my name to AFREEN for all future purposes.

Name Change
I, Jyoti Sethi W/o Rohan Khurana R/o B 602 Narwana Apartment Plot no 89 , IP Extension, Patparganj Delhi 110092 have changed my name from Jyoti Sethi to Jyoti khurana for all future purposes.

Name Change
I, SHAISTA DHARMA D/O SHAMIM AHMED R/O H-1204, MEPLE HEIGHT, SHUSHANT LOK, PHASE-1, GURUGARM, HARYANA HAVE CHANGED MY NAME FROM SHAISTA DHARMA TO FOR ALL FUTURE PURPOSE.

सार्वजनिक सूचना
सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला श्रीमती संगीता वर्मा पत्नी स्व0 श्री अनिल वर्मा निवासिनी- 100ए, एस/एफ उत्तम नगर, पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली-110059 ने अपने पुत्र कुनाल वर्मा, उम्र करीब 30 वर्ष को अपनी चल एवं अचल संपत्ति से उनके अभद्र व्यवहार, मारपीट, गाली गलौच व अनियंत्रित होने के कारण बेदखल कर दिया है और उससे अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में उसके किये गये किसी भी कार्य के लेन देन के प्रति मेरी मुवक्किला जिम्मेदार नही है और ना ही भविष्य में होगी।
रवि प्रकाश मिश्र अधिवक्ता
Ch. No. 654, Dwarka Courts Complex, Dwarka, New Delhi-110075

Name Change
I Prakash Chand Singh, S/o Shri Puran Singh , add H.no.180 PTS colony malviya nagar new delhi 110017, I have changed my name to Prakash Chand for all future purposes

Name Change
I, ABHISHEK S/O RATI KANT JHA Residing at G-5, BRAHMA APTTS, PLOT-7, SECTOR-7, DWARKA, DELHI-110075 have changed my name to ABHISHEK JHA all future purposes

Name Change
I, Monalisha Bag D/o Bhimasen Bag R/o Flat No. B-202, Ninex RMG Residency, Sector-37C, The Esplanade Mall,Gurgaon, Haryana-122001 Have Changed My Name To Monalisa Bag.

Name Change
I,Tushar Katria S/o Mukesh R/o House No-922/1, Near Railway Road,Ashok Vihar Phase-1, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name To Tushar Kataria For All Future Purpose

Name Change
I, RAJBIRI DEVI mother of No-15686207L Rank-HAV Name-ARUN DHAKA R/o VPO-DHIKAULI, TEH-BAGHPAT, DIST-BAGHPAT, UTTAR PRADESH-250515 have changed my name from RAJBIRI DEVI to RAJBIRI for all future purposes vide affidavit dated 01/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, PUSHPA BAI mother of NO-17013401M Rank-NK Name-GURNATH NARAYANPURE R/O VPO-MEHKAR, TEH-BHALKI, DIST-BIDAR, KARNATAKA-585416 have changed my name from PUSHPA BAI to PUSHAPA BAI for all future purposes vide affidavit dated 01/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-781684L Rank-NB SUB Name-G RAJANGAM S/o R GANESAN Residing at PANCHAYAT UNION OFFICE STREET, BEHIND RICE MILL, VPO-ELUMALAI, TEH-PERAIYUR, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625535, have changed my minor son's name from RITHVIK RAJ to R RITHVIK RAJ for all future purposes vide Affidavit dated 01/07/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given that Avnish Singh S/o Avtar Singh R/o S-267, Second Floor, Greater Kailash Part-2, New Delhi-110048 is applying to the Secretary to the Government of India in the Ministry of Home Affairs for Naturalization and that any person who knows any reason why naturalization should not be granted should send a written signed statement of the facts to the said Secretary.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my client Jagdish Kumar S/o Late Sh. Chhuttan Laal R/o RzD-95, Nihal Vihar, Nangloi, Delhi-110041 have severed all their relations with their son Arjun Neveria and his Wife Reshma Chouhan and their heirs have been disowned from all of my clients movable and immovable property and assets, henceforth my clients is not responsible for any of their acts, deeds and deals. In case anybody deals with my client's son in any matter, he/she/they shall do it at his/her/their own risks and responsibility
SANDEEP SHARMA
ADVOCATE, DELHI HIGH COURT

Name Change
I, KM NIGAR TABASSUM W/O WASIM AHMAD Residing at N-9/12B F/F, BAND GALI NO-15, BRAHMPURI, DELHI -110053 have changed my name to NIGAR for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Mohd Jahangeer Alam S/O Mohd Salauddin, R/O E-354, Block E, Near Umar Masjid Jaitpur Extn. Part-2, Badarpur, South Delhi, Delhi-110044 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Mohd JAHANGIR and Mahizabeen Bano in my minor son Mohd Ayaan aged 10 years in his birth certificate no MCDOLIR0113005778190 , The actual name of mine and my wife are Mohd Jahangeer Alam and Mahjavi, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SOUMYADEEP MUKHERJEE S/o JOYDEEP MUKHERJEE R/o Flat No.- 403/ New Delhi Apartments, Bhagwan Mahavir Swami Marg, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi-110096, declare that my mother ANTARA BHATTACHARYA Ex. Wife of JOYDEEP MUKHERJEE got Divorced from my Biological Father vide Court Decree HMA No. P- 4219 dated 09.07.2013. Further my Mother remarried with PARTHA SARATHI DEY vide MARRIAGE CERTIFICATE No. 202314900994 dated 16-09-2023. Henceforth I have changed my name to SOUMYADEEP DEY. Further I declare that name of my Father to be updated as PARTHA SARATHI DEY in future for all purposes.

PUBLIC NOTICE
My client Sartaj Ali s/o Late Kamar Ali and his wife Yasmeen both r/o G-8A/21, Sangam Vihar, New Delhi, have disowned and debarred their son Sameer and his wife Azma from all movable and immovable property assets and bear no relationship for future. My client shall not be responsible for any act or deed of the above named.
Arun Madaan Advocate
11/1, LANE NO. 1, ANUPAN GARDEN SAINIK FARMS, NEW DELHI

Name Change
I, hitherto known as PARUMANJI alias PARO MANJHI S/o TITU MANJHI R/o U2 -543, Street No. 17, Near by Naag Mandir, Prem Nagar 2, Kirari Suleman Nagar, Sultanpuri, C - Block, North West Delhi, Delhi – 110086 have changed my name and shall hereafter be known as PARO MANJHI.

Name Change
I, KIRSHANA DEVI mother of JC-731230F Rank-SUB Name-DEEPAK R/O VPO-KHERI MANAJAT, TEH-SONIPAT, DIST-SONIPAT, HARYANA-131103 have changed my name from KIRSHANA DEVI to KRISHANA for all future purposes vide affidavit dated 01/07/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारे ग्राहक श्री पवन कुमार शर्मा पुत्र स्वर्गीय किशन शर्मा फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति संख्या वी-161/1 के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 75 वर्ग गज है, जो खसरा नंबर 60 से संबंधित है, जो अरविंद मोहल्ला, घोंडा की आबादी में स्थित है। ग्राम घोंडा गुजरान बांगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली के क्षेत्र में। त्याग विलेख के गुण द्वारा दिनांक 10-06-2024 को दस्तावेज़ संख्या 2024/12/आई/1928 खंड संख्या 5915, पुस्तक संख्या I, पृष्ठ संख्या 29-42 एसआरओ- IV दिल्ली के रूप में। अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, उसी संपत्ति का वित्तपोषण उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा शादीपुर, नई दिल्ली-110008 द्वारा किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
I, Ms. Anjali Gupta D/o Sh. Sunil Kumar Gupta aged 27 years and residing at A-41, Gali No.12, Dev Kunj Near Gyatri Mandir, Raj Nagar Part-2, Palam Colony, New Delhi-110077, do hereby solemnly affirm and sincerely state as follows: I take full responsibility for the loss in particular and any resultant acts/omissions/commissions that may be caused due to the said loss of Mark Sheet/Degree certificate. I state that I have lost my Two Graduation Mark sheets (Enrollment No.124328, Roll No.32241 and 31014) given in the year 2016 and 2018 and if I do manage to recover or find the original Graduation Mark Sheets shall return the duplicate Mark Sheets to the concerned authorities at NIMS University. The above mentioned facts are true and correct to the best of my knowledge, information and belief.

Name Change
It is for general information that I, JAMSHED S/o SADRUL HAQ, R/o House No. 1829, Gali No. 29B, Swatantra Nagar, Narela, North West Delhi, Delhi-110040, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as MD SADRUL and GULSHAN KHATUN in my all Educational Documents. And name of my father has been wrongly written as MOHD SADRUL in my Voter Card No. XVX1900645 and my PAN Card No. AKWPJ8990N. And name of my father has been wrongly written as MD SADRUL in my Driving Licence No. DL-1120100118023. The actual name of my father and my mother are SADRUL HAQ and GULSHAN respectively.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, ANTARA BHATTACHARYA D/o RAM CHANDRA BHATTACHARYA Ex. W/o JOYDEEP MUKHERJEE, residing at Flat No. 403, New Delhi Apartments, Bhagwan Mahavir Swami Marg, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi- 110096 declare that I got divorce from my husband vide Court Decree HMA No. P- 4219 Dated 09.07.2013. Further, I remarried with PARTHA SARATHI DEY S/o MRINAL KANTI DEY, R/o Flat No. 403, New Delhi Apartments, Bhagwan Mahavir Swami Marg, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi- 110096, vide Marriage Registration No. 202314900994 dated 16-09-2023 Henceforth I have changed my name and shall hereafter be known as ANTARA DEY.

Name Change
I hitherto known as ROHID ALI S/o IMTIYAJ ALI, R/o J-3/100/6, Sangam Vihar, New Delhi-110062, have changed my name and shall hereafter be known as ASIM ALI.

एचएयू में विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक व स्नात्तकोतर कोर्सिज के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुख्ता प्रबंध किए हुए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया और उम्मीदवारों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायज़ा लिया। जिन कोर्सिज के लिए प्रवेश परीक्षा हुई, उनमें बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर चार वर्षीय कोर्स, बीएससी आनर्स एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, बीटेक बायोटेक्नोलॉजी, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में बायो-केमिस्ट्री, केमिस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मैथेमेटिक्स, माइक्रो-बायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलोजी, सोसयोलोजी, स्टेटिसटिक्स व जूलॉजी कोर्स, कॉलेज आफ बायो-टेक्नोलॉजी में एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, बायोइंफोरमेटिक्स व मोलेक्यूलर बायोलॉजी एंड बायो-टेक्नोलॉजी में एम.एस.सी कोर्सिज शामिल है। प्रवेश परीक्षा के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 18 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 6662 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। प्रवेश परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया था। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई।

बदल गए कानून, अब नए कानूनों के तहत कार्रवाई करेगी पुलिस : दीपक सहारण

हिसार। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा है कि कानूनों में बदलाव हो रहा है। एक जुलाई को या इसके बाद कोई शिकायत आती है तो उस पर नए कानूनों के तहत कार्रवाई होगी। दीपक सहारण आधिकारिक मेस में अपराध समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इसमे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मोहन, सभी पुलिस उप अधीक्षक, थाना, चौकी और अपराध यूनिट प्रभारी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि एक जुलाई से इंडियन पैनल कोड (आईपीसी) की जगह भारतीय न्याय संहिता, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड (सीआरपीसी) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू हो जाएगा। सभी थाना प्रबंधकों को नए कानूनों से संबंधित किताबें उपलब्ध करवाई गई है। पुलिस थानों में तैनात सभी कंप्यूटर ऑपरेटर, थाना मोहरर को भी प्रशिक्षित किया गया है। अपराध समीक्षा गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने आपराधिक आंकड़ों की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए पिछली अपराध समीक्षा गोष्ठी में उठाए गए बिंदुओ पर थानावार चर्चा की।उन्होंने कहा कि थाना में आने वाली सभी शिकायतों का समय पर निस्तारण करें। थाने में आने वाली प्रत्येक शिकायत का विधिवत रूप से इंद्राज कर शिकायतकर्ता को उसकी रसीद देना सुनिश्चित करें व उस पर तुरंत कार्रवाई की जाए। लंबित पीएम, सीएम व एचएम विंडो और सरल पोर्टल पर आई शिकायतों का समयावधि में निपटारा करें। उन्होंने कहा कि सभी शिकायतों का फीडबैक लिया जा रहा है जिस पर विशेष नजर रखी जा रही है।

लोकसभा चुनाव के 7 उम्मीदवारों ने चुनाव खर्च जमा नहीं करवाया

सोनीपत। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. मनोज कुमार व लोकसभा आम चुनाव-2024 के एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर अविजीत रक्षित ने प्रगति हॉल में लोकसभा चुनाव खर्च को लेकर प्रत्याशियों की आपत्तियां प्राप्त की। उम्मीदवार द्वारा दी गई आपत्तियों के बारे में सुनवाई करते हुए कमेटी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसका दोबारा अच्छी तरह मिलान कर अगर यह आपत्तियां सही है तो इसे ठीक करें। खर्च कमेटी के नोडल अधिकारी एवं आरटीए ने बताया कि सोनीपत लोकसभा से 07 उम्मीदवार ऐसे हैं जिन्होंने अपना खर्च रजिस्टर जमा नहीं करवाया है उसे संपर्क किया जा चुका है वे जल्द अपना खर्च रजिस्टर जमा करवाएंगे। इसके अलावा 13 ऐसे उम्मीदवार हैं जिन्होंने अपना खर्च रजिस्टर जमा करवा दिया है और कमेटी व उम्मीदवार द्वारा किया गया खर्च मिलान हो चुका है और उनका खर्चा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा उम्मीदवार के लिए निर्धारित की गई सीमा से कम है। जिन उम्मीदवारों की कमेटी द्वारा निर्धारित खर्च सीमा को लेकर आपत्तियां थी वे कमेटी के समक्ष हाजिर हुए हैं।

अगला चुनाव भाजपा व हरियाणा की जनता के बीच होगा : दीपेंद्र हुड्डा

रोहतक। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि इस बार का लोकसभा चुनाव भारत सरकार और देश के संविधान के बीच था और इसमें संविधान जीत गया, बीजेपी सरकार हार गयी। अब हरियाणा में आगामी चुनाव भाजपा सरकार और हरियाणा की जनता के बीच होगा, जिसमें हरियाणा जीतेगा और बीजेपी हारेगी। उन्होंने जीत का श्रेय इलाके की 36 बिरादरी के मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को देते हुए उनका आभार जताया और कहा कि ये जीत 36 बिरादरी के आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं की मेहनत की जीत है। सांसद दीपेंद्र हुड्डा नई अनाज मंडी में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सांसद कहा कि प्रदेश की जनता ने बदलाव की तैयारी कर ली है और लोकसभा चुनाव में इसकी झलक दिखा दी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं ने अभी भी जनादेश से सबक नहीं लिया और अहंकार व तानाशाही पर उतारू हैं। दीपेन्द्र हुड्डा ने भाजपा को चेतावनी देकर कहा कि जनता ने लोकसभा में किया हाफ, विधानसभा में करेगी साफ। इंडिया गठबंधन को देश के सभी 28 प्रदेशों की तुलना में सबसे ज़्यादा मत प्रतिशत 47.6: हरियाणा मिला।

आदर्श पत्रकारिता के संवाहक थे देवऋषि नारद : नायब सिंह

देश में एक मिशन के तौर पर हुआ था पत्रकारिता का शुभारंभ : मुख्यमंत्री

एजेंसी

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने कहा कि देवऋषि नारद आदर्श पत्रकारिता के संवाहक थे। देवऋषि नारद घटनाओं का विश्लेषण करके अलग-अलग दृष्टिकोण के साथ सत्यता को सकारात्मक तौर पर प्रस्तुत करते थे। आजादी से लेकर आज आधुनिकता के दौर में पत्रकारिता का अहम योगदान रहा है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह पंचकूला में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा की ओर से देवऋषि नारद जयंती के 9 वें राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। समारोह में पहुंचने पर हरियाणा विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष डॉ. मार्कण्डेय आहूजा, सचिव राजेश और डॉ.राजेश चौहान ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने नारद जयंती की पत्रकारों को बधाई देते हुए कहा कि पत्रकारिता का श्रेय देवऋषि नारद जी को जाता है उस दौर से लेकर आज के इस आधुनिक दौर में पत्रकारिता ने अनेक आयाम तय किये हैं। समय बदलने के साथ पत्रकारिता के स्वरूप में बदलाव तो आया है, लेकिन सत्यता का पथ अभी भी वही है। मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने

प्रदेश में कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा है। सरकार लोगों के हित के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाएगी।

आजादी की लड़ाई में पत्रकारिता का अहम योगदान

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि देश में पत्रकारिता मिशन के रूप में है। आजादी की लड़ाई में पत्रकारिता और पत्रकारों की अहम भूमिका रही है। ब्रिटिश शासकों ने पत्रकारों को दबाने की कोशिश की और सजा, जुर्माना तक भी लगाया गया। मगर स्वतंत्रता के दीवाने पत्रकारों ने हिम्मत नहीं हारी और आजादी की अलख जारी रखी।

पत्रकारों की हितैषी है हरियाणा सरकार

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार पत्रकारों की हितैषी है। पत्रकारों को पेंशन देने के साथ बीमा सुरक्षा कवर और हरियाणा रोडवेज की बसों में चार हजार किलोमीटर मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से पत्रकार उत्थान को लेकर अनेक योजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण पत्रकार सम्मान पेंशन योजना है जिसके तहत पत्रकारों को 15,000 रुपये मासिक पेंशन दी जा रही है। 10 लाख रुपये की ग्रुप इंश्योरेंस स्कीम का प्रीमियम भी सरकार खुद वहन कर रही है।

इस अवसर पर प्रदेश के कोने-कोने से आये पत्रकार बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कार्यकर्ता मेरी सबसे बड़ी पॉवर: बीरेंद्र सिंह

एजेंसी

जींद।उचाना के रजबाहा रोड स्थित पैलेस में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह पहुंचे। यहां पर विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। गांव, बूथ स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को जोडने् को लेकर भी चर्चा हुई। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कहा कि मेरी सबसे बड़ी ताकत मेरे कार्यकर्ता है। राजनीतिक जीवन में 52 साल में राजनीतिक के हर बुरे, अच्छे दौर में मेरे साथ रहे। जब पूरे प्रदेश में कांग्रेस की पांच सीट आई थी तो उस सीट में उचाना की सीट थी।राजनीतिक जीवन में हमेशा ईमानदारी से राजनीति की है। कभी द्वेष भावना से राजनीति नहीं की है। पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने कहा कि जुलाई माह में हलके के सभी गांवों के दौरे वो कर लेंगे। अब तक जिन गांवों में वो गए है वहां पर कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों को पूरा प्यार, समर्थन मिल रहा है। अधिक से अधिक लोगों को हमें संगठन के साथ जोडना् है। आज दूसरी पार्टियों के नेता, कार्यकर्ता कांग्रेस में आने के लिए तैयार है। कार्यकर्ताओं को बस उनसे बातचीत करने की देरी है।

कांग्रेस बड़े बहुमत से आने वाले विस चुनाव में सत्ता में आएगी। इस मौके पर राममेहर दनौदा, प्रेम पहलवान, रमेश खटकड़, राजबीर सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। सोशल मीडिया टीम की मीटिंग पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने लेते हुए कहा कि आज के युग में सोशल मीडिया की राजनीति में अहम भूमिका है। सोशल मीडिया युवा वर्ग को अपनी तरफ आकर्षित करता है। सोशल मीडिया पर भी भी भ्रामक प्रचार न करें। संगठन की नीतियों के बारे अधिक से अधिक प्रचार करें।

राज्यसभा सांसद ने फतेहाबाद में लाभार्थियों को सौंपे लाभ के प्रमाण पत्र

एजेंसी

फतेहाबाद। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि वर्तमान सरकार गांव, गरीब, किसान की सच्ची हितैषी है। सरकार द्वारा ऐसी विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे गरीब व्यक्ति को मुख्यधारा में शामिल किया जा रहा है और यहीं सरकार का मुख्य ध्येय है। केंद्र व प्रदेश में ऑनलाइन व्यवस्था से जहां बिचौलिया राज खत्म हुआ है वहीं जरूरतमंदों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। अब घर बैठे ही पात्र व्यक्तियों की पेंशन, राशन कार्ड इत्यादि बन रहे हैं और उन्हें कार्यालय के चक्कर काटने से निजात मिली है। सांसद सुभाष बराला डीपीआरसी हॉल में नये लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरण व डॉ. बीआर अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत लाभार्थियों को लाभ वितरण के जिला स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में फतेहाबाद के विधायक दुड़ाराम व रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। इस मौके पर विभिन्न लाभार्थियों को योजनाओं के लाभ के प्रमाण पत्र भी सौपे गए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह

पानीपत से सीधा जुड़े। इतना ही नहीं उन्होंने फतेहाबाद की लाभार्थी मंजूबाला से सीधा संवाद करके उनकी बनाई गई पेंशन के बारे में जानकारी ली। जिला में ऑनलाइन माध्यम से समाज कल्याण विभाग द्वारा कुल 16 हजार 541 नागरिकों की पेंशन स्वत~ बन गई है। इनमें से 14497 वृद्धावस्था सम्मान भता योजना, 675 दिव्यांग सम्मान भता योजना, 1242 विधुर/अविवाहित पेंशन तथा 127 विधवा सम्मान भत्ता योजना शामिल है। जून माह में स्वत~ ही 3710 लाभार्थियों की पेंशन बनाई गई है, जिनमें से 2923 वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना, 193 दिव्यांग सम्मान भत्ता योजना, 349 विधुर/विवाहित वित्तीय सहायता तथा 245 विधवा सम्मान भत्ता योजना के लाभार्थी शामिल है। जिला में अब कुल एक लाख 49 हजार 497 लाभार्थी हो गए है इनमें से 87 हजार 184 वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना, 10 हजार 998 दिव्यांग सम्मान भत्ता योजना, 38 हजार 8 विधवा पेंशन, 9 हजार 745 आश्रित बच्चों, 1738 लाडली योजना, 546 स्कूल न जाने वाले दिव्यांग बच्चे, 4 ट्रासजेंडर, 1231 विधुर व अविवाहित, 42 कैंसर की तृतीय व चतुर्थ स्टेज के मरीज व एक दुर्लभ बीमारी लाभार्थी को पेंशन मिल रही है।

सरकार ने अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की: संजय सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव तथा खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय सिंह ने जिला के पात्र लाभार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न कल्याणकारी नीतियों व योजनाओं को लाभ उठाएं। इसी दिशा में आज हरियाणा सरकार द्वारा नए लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन के पत्र, डॉ.बी. आर. अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के कार्ड तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अधिकार पत्र दिए गए हैं। मंत्री संजय सिंह मानेसर के सेक्टर-1 स्थित एचएसआईआईडीसी कम्युनिटी सेंटर में जिला स्तरीय समारोह में लाभार्थियों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता भी मौजूद रहे। पर्यावरण मंत्री ने आए हुए लाभार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि

वर्तमान सरकार के कार्य करने के तरीके अनुरूप अंतोदय की भावना के तहत अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए विभिन्न योजनाओं को शुरू किया गया है, ताकि अंतिम व्यक्ति को भी हर प्रकार की सुविधा मिल सकें।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना, बी.आर. अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना तथा नए लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन देने के लिए आज हरियाणा राज्य के सभी जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। राज्य स्तरीय कार्यक्रम पानीपत में आयोजित किया गया, जहां पर मुख्यमंत्री नायाब सिंह मुख्य अतिथि रहे। संजय सिंह ने कहा कि वर्तमान सरकार ने हर वर्ग व हर श्रेणी को ध्यान में रखते हुए विभिन्न नीतियों व योजनाओं का क्रियान्वयन किया है ताकि हर प्रकार के व्यक्ति को लाभ मिल सकें।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंत्री संजय सिंह द्वारा मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लाभार्थी गांव भोड़ा कलां निवासी जय सिंह, अशोक कुमार, घनश्याम, मदन लाल और परमानंद को अधिकार पत्र सौंपे, जबकि गुरुग्राम जिला में इस योजना के कुल 411 लाभार्थियों को अधिकार पत्र दिए गए हैं। इसी प्रकार डॉ बी. आर. अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के अंतर्गत सोहना खण्ड के गांव किरण की खेड़ली से जलवती तथा पटौदी खंड के गांव बासपदमका की गीता को कार्ड सौंपें गए। जिला में इस योजना के कुल 202 लाभार्थियों को कार्ड दिए गए।

हिसार में दहशत फैलाने वाले बदमाशों को शीघ्र गिरफ्तार करे पुलिस: सावित्री जिंदल

एजेंसी

हिसार। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेत्री सावित्री जिंदल ने हिसार में दहशत फैलाने वाले बदमाशों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि आए दिन रंगदारी मांगने की घटनाएं चिंता का विषय हैं, जिस पर तुरंत काबू पाना आवश्यक है।सावित्री जिंदल ने इन घटनाओं पर पुलिस अधिकारियों से बात की और कहा कि वे शांति व्यवस्था बहाल करें। उन्होंने

कहा कि कहा कि लोगों की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और पूरे शहर में कानून-व्यवस्था दुरुस्त करने में पुलिस का सहयोग करने के लिए प्रत्येक हिसार वासी तैयार है। पिछले कुछ दिनों से हिसार में बदमाशों ने अनेक वारदात की है। खासकर करोड़ों रुपये की रंगदारी मांगने की अनेक घटनाएं सामने आई हैं। पिछले दिनों महिंद्रा गाड़ियों के शोरूम पर दिनदहाड़े अंधाधुंध फायरिंग कर 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। यह शोरूम इनेलो नेता रामभगत गुप्ता के बेटे संजय गुप्ता का है और जिस समय बदमाशों ने शोरूम पर धावा बोला, उस समय संजय गुप्ता के साथ-साथ 70 कर्मचारी वहां मौजूद थे। इससे पहले भीम मोटर ओर गोयल तिरपाल वाले से भी 2-2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई, जिससे पूरे शहर में दहशत का माहौल है।

सांसद पंवार ने 3088 लाभार्थियों को प्रदान किये वित्तीय सहायता कार्ड और प्रमाण पत्र

अंत्योदय की भावना से पात्र परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही सरकार

एजेंसी

झज्जर। राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार जन जन की सेवा का संकल्प लेते हुए नए नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। पंवार विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ प्रदान करने उपरांत जिला स्तरीय कार्यक्रम में जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृष्ण लाल पंवार ने सेवा विभाग के 3074 लाभार्थियों को जून माह में प्रोक्टिव मोड पर बनी नई पेंशन के प्रमाण पत्र और डॉ. भीमराव अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के सभी लाभार्थियों को वित्तीय सहायता कार्ड प्रदान किए। कार्यक्रम में पहुंचने पर डीसी कैप्टन शक्ति सिंह और एडीसी सलोनी शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार अंत्योदय की भावना के साथ कार्य करते हुए सजगता के साथ पात्र

व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि आज सरकार ने ऐसी पारदर्शी व्यवस्था की है जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते,बल्कि पात्र परिवार के परिवार पहचान पत्र में आयु पूरी होने उपरांत ही स्वतः ऑटो मोड से वृद्धावस्था पेंशन सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ निर्धारित समयावधि में प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देशभर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चार करोड़ मकान बनाकर गरीबों को अपनी छत दी है। देशभर में 3 करोड़ आवास बनाने की अनुमति प्रदान की गई है। सरकार द्वारा 12 करोड़ घरों में इज्जत घर के नाम से शौचालय बनाए गए हैं। साढ़े 11 करोड़ घरों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल से स्वच्छ जल पहुंचाया गया है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे पीएम उज्जवला योजना, मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना सहित केंद्र और प्रदेश सरकार की जनहितैषी नीतियों का लाभ उठाने के साथ ही दूसरे लोगों को भी लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश भर में पात्र लाभार्थियों को सो -सो वर्ग गज के प्लाट प्रदान किये गए हैं, यह सब सरकार की अंत्योदय की भावना को दर्शाता है । उन्होंने कहा कि प्लाटों की निशानदेही करवाते हुए मालिकाना हक प्रदान किया गया है, इतना ही नहीं जिन पात्र लाभार्थियों के गांवों में जमीन नहीं है, ऐसे लाभार्थियों के खाते में एक लाख रुपये की राशि भेजने का कार्य नायब सरकार कर रही है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि जिलाभर में पात्र व्यक्तियों तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सजग है।

सरकार की पारदर्शी सोच से लाभार्थियों को योजनाओं का घर बैठे मिल रहा लाभ: रणजीत सिंह

विभिन्न योजनाओं के तहत सीडीएलयू में जिला स्तरीय समारोह आयोजित

एजेंसी

सिरसा। प्रदेश सरकार की पारदर्शी प्रणाली के चलते लाभार्थियों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। ऑनलाइन व्यवस्था स्थापित होने से अब लोगों को घर बैठे ही लाभ पहुंच रहा है। यह बात बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने सीडीएलयू में आयोजित विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों के जिला स्तरीय स्वीकृति पत्र वितरण समारोह में उपस्थित लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत बुजुर्ग सम्मान पेंशन, दिव्यांग, विधवा पेंशन आदि योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृत पत्र वितिरत किए। जिला सिरसा के पांच हजार से अधिक नए लाभार्थी इस योजना से जुड़े है। मुख्यातिथि सभी लाभार्थियों को बधाई व शुभकामनाए दी। बिजली मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की क्रियान्वित सभी योजनायें अंत्योदय के भाव को सार्थक कर रही है। योजनाओं के सीधे लाभ से पात्र व्यक्ति को उसका पूरा हक सरलता से मिल रहा है। इसी कड़ी में बुजुर्ग सम्मान पेंशन अब घर बैठे अपने आप बन रही है। इसी व्यवस्था से ये नए लाभार्थी योजना से जुडे हैं।

किसी भी बुजुर्ग को कही जाने की जरूरत नही पड़ी। उन्होंने कहा कि ये सब जनहितैषी सोच के चलते व आमजन की सेवा भाव के संकल्प से ही संभव हुआ है। मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व की प्रदेश सरकार इसी भाव व संकल्प के साथ लोगों की की भलाई के कार्यो में लगी हुई है।पानीपत में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का हुआ लाइव प्रसारण जिला स्तरीय समारोह में पानीपत से मुख्यमंत्री नायब सिंह की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को लाइव दिखाया गया। मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों से योजनाओं के लाभ के संबंध में बातचीत की। लाभार्थियों ने सरकार की योजनाओं के घर बैठे मिले लाभ के लिए सरकार की प्रशंसा की। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद डा. अशोक तंवर, मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सलाहकार जगदीश चोपड़ा, पूर्व चेयरमैन रेणू शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेंद्र आर्य, श्याम बजाज, अमन चोपड़ा, मुकेश मेहता, तरुण गुलाटी, अतिरिक्त उपायुक्त डा. विवेक भारती, डीआईओ सिकंदर सहित सम्बन्धित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रक ने मारी टक्कर, बाइक सवार रेलवे कर्मी की मौत

जींद। गांव बुडायन के निकट ट्रक की टक्कर लगने से बाइक सवार रेलवे कर्मी की मौत हो गई। उचाना थाना पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर फरार ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव मतलोडा निवासी सोनू (28) धुरी पंजाब में रेलवे ट्रैकमैन के पद पर डयूटीरत था। पिछले कुछ दिनों से वह घर छुट्टी आया हुआ था। शनिवार की शाम उसका पिता रमेश सोनू को डयूटी पर छोडने् के लिए बाइक पर उचाना आ रहा था। बाइक को सोनू चला रहा था। गांव बुडायन मोड पर खेड़ी जालब की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें बाइक के पीछे बैठा रमेश साइड में जा गिरा,जबकि सोनू ट्रक की चपेट में आने से गभीर रूप से घायल हो गया। घटना को अंजाम देकर चालक ट्रक समेत मौके से फरार हो गया।

Name Change

I hitherto known as KUSUM VERMA D/o GURUDAYAL VERMA & W/o SATYAM SINGH R/o 90, Street No. 3, Block-C, Dhankot Enclave, Dhankot(49), Dhankot, Gurgaon, Haryana-122505, have changed my name and shall hereafter be known as KRITIKA SINGH.

तय समय सीमा पूरी होते ही डीसी ने लिया बरसाती पानी निकासी प्रबंधों का जायजा

एजेंसी

हिसार। उपायुक्त प्रदीप दहिया ने मॉनसून सीजन के दौरान खेतों तथा रिहायशी क्षेत्रों से बरसाती पानी निकासी को लेकर विभिन्न विभागों द्वारा किए गए प्रबंधों का निरीक्षण किया। इससे पहले उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को 30 जून तक सभी प्रबंध पूर्ण करने के निर्देश दिए थे। निर्धारित समय अवधि पूरी होते ही उपायुक्त फील्ड में उतरे और एक-एक कर सभी प्रबंधों का गहनता से निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ हांसी एसडीएम मोहित महराणा व जिला राजस्व अधिकारी चेतना चौधरी मौजूद रही। उपायुक्त ने इस दौरान जिले के मुंढाल, बास, खरबला, उगालन, पातन, सातरोड, राजगढ़ रोड आदि से होकर गुजरने वाली ड्रेनों की साफ-सफाई, सिरसा रोड स्थित स्टोर रूम तथा गांव सातरोड स्थित पंप हाउस की वर्तमान स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ प्रबंधन से संबंधित तमाम विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह इलेक्ट्रिक पंप सेटों का सुचारू संचालन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बीते वर्ष जिन क्षेत्र में पानी का भराव अधिक रहा, उन क्षेत्रों में व्यापक प्रबंध करें और आवश्यकता अनुसार पंप सेट स्थापित करवाएं। बरसात खत्म होने के बाद किसी भी क्षेत्र में अधिक समय पानी का ठहराव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी इस प्रकार की कार्य योजना तैयार करें कि बरसाती पानी मानसून सीजन के दौरान ड्रेन में चला जाए। अधिकारी पिछले सालों की बारिश का डाटा एकत्रित कर अपनी प्लानिंग बनाएं। इसके लिए तमाम जरूरी प्रबंध अवश्य करके रखें। अधिकारियों ने यह आश्वासन दिया कि उनकी ओर से जल निकासी के लिए पूरे प्रयास किए जाएंगे। इसके अलावा सीवरेज लाइनों व ड्रेनों की सफाई करवा दी गई है।

खाद्य तेलों में टिकाव; अधिकांश दालें सस्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि आवक बढ़ने से अधिकांश दालें सस्ती हो गईं वहीं मीठे में तेजी रिपीट तेजी रही। वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा सप्ताहांत पर 56 रिंगिट बढ़कर 3983 रिंगिट प्रति टन हो गया। वहीं, जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.1 सेंट की गिरावट के साथ 43.66 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

सेल्सफोर्स इंडिया ने ऋण प्राप्ति के लिए डिजिटल लेंडिंग सुविधा लॉन्च की

मुंबई। सेल्सफोर्स ने डिजिटल लेंडिंग फ़ॉर इंडिया की आगामी डिजिटल लेंडिंग सुविधा लॉन्च करने की घोषणा की है जो बैंकों और ऋणदाताओं को ग्राहक को ऋण देने के लिए डिजिटल तरीके से एक मंच प्रदान करेगा, साथ ही डिस्कनेक्ट किए गए, पुराने प्लेटफार्मों को बनाए रखने की लागत और बोझ को संभावित रूप से कम करेगा।कंपनी ने आज यहां कहा कि डिजिटल लेंडिंग फ़ॉर इंडिया विशेष रूप से देश के ग्राहकों को सेवा देगा। इस प्लेटफ़ॉर्म को सेल्सफोर्स के ग्राहक डेटा के साथ बैंकिंग और वित्तीय डेटा के साथ एकीकृत किया जा सकता है। सेल्सफोर्स के फाइनेंशियल सर्विसेज क्लाउड प्लेटफ़ॉर्म पर निर्मित, यह एकीकरण ऋण आवेदन प्रक्रिया के लिए ग्राहक जानकारी का एक दृश्य प्रदान करता है और तेजी से प्रोसेसिंग और स्वीकृति में मदद करता है।

डिजिटल लेंडिंग फॉर इंडिया होम, ऑटो और पर्सनल लोन के लिए आवेदनों के लिए प्रवेश, अंडरराइटर रिव्यू और प्री-डिस्बर्समेंट ऑपरेशन के लिए एक एकीकृत मंच प्रदान करता है। सेल्सफोर्स के प्री-कॉन्फ़िगर और कॉन्फ़िगर सोलूशन्स, तेजी से टाइम-टू-वैल्यू सुनिश्चित करते हैं और ऋण प्रोसेसिंग के समय को कम करते है।

सेल को कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण के लिए वैश्विक मंच लीडआईटी में जगह

नई दिल्ली। सरकारी क्षेत्र की इस्पात विनिर्माता कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को कारोबार में कार्बन उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित वैश्विक कार्पोरेट मंच 'लीडरशिप ग्रुप फॉर इंडस्ट्री ट्रांजिशन (लीडआईटी) की सदस्यता मिली है। सेल देश की प्रमुख इस्पात विनिर्माता कंपनी है। सेल की एक विज्ञप्ति के अनुसार, उसे लीडआईटी का सदस्य बनाए जाने की घोषणा स्वीडन के विस्बी में आयोजित 'एंगेजिंग इंडिया एट अल्मेडालेन' सम्मेलन में की गई।

उल्लेखनीय है कि लीडआईटी उन देशों और दूरदर्शी कंपनियों का गठबंधन है जो पेरिस जलवायु समझौते तथा नेट-जीरो (कारोबार में कार्बन उत्सर्जन के स्तर में वृद्धि को निवल रूप से शून्य) करने की दिशा में प्रगति के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके सदस्यों का उद्देश्य 2050 तक नेट जीरो के लक्ष्य को हासिल करना है। लीडआईटी का सदस्य बनने के साथ सेल अब जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों में सहगामी हो गया है। लीडआईटी की सदस्यता से सेल को क्षेत्रीय और विविध क्षेत्रों में इस दिशा में प्रौद्योगिकी संबंधी प्रगति की जानकारी मिल सकेगी, नई प्रौद्योगिकियों के बारे में महत्वपूर्ण ज्ञान और नवाचार के अवसरों का लाभ भी मिल सकेगा।

पंजाब एंड सिंध बैंक की क्यूआईपी के जरिए 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना

एजेंसी

इस्लामाबाद। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक ने कारोबार वृद्धि के लिए योग्य संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। पंजाब एंड सिंध बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) स्वरूप कुमार साहा ने पीटीआई-से कहा, निदेशक मंडल ने पहले ही मंजूरी दे दी है और मर्चेंट बैंकरों को अगस्त तक शामिल कर लिया जाएगा। बाजार परिस्थितियों के आधार पर, धन जुटाने का काम दूसरी तिमाही या तीसरी तिमाही में पूरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि क्यूआईपी से बैंक के पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। मार्च, 2024 के अंत में बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 17.10 प्रतिशत था। इसके अलावा, इससे बैंक में सरकार की हिस्सेदारी कम करने में मदद मिलेगी। पंजाब एंड सिंध बैंक में भारत सरकार की 98.25 प्रतिशत हिस्सेदारी है। चालू वित्त वर्ष के लिए ऋण वृद्धि परिदृश्य पर साहा ने कहा कि बैंक को परिसंपत्ति बहीखाता में 12-14 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इसमें खुदरा, कृषि और एमएसएमई (आरएएम) में 15-18 प्रतिशत की वृद्धि देखी जानी चाहिए। जमा के मामले में उन्होंने कहा कि बैंक को चालू वित्त वर्ष के दौरान देनदारियों में आठ से 10 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। साहा ने कहा कि बैंक ने संतुष्टि के स्तर को बेहतर बनाने के लिए कई ग्राहक-केंद्रित पहल की हैं। इसके तहत बैंक 50 चिन्हित शाखाओं को मॉडल या स्मार्ट शाखाओं में बदल रहा है। साहा ने कहा कि बैंक ने महिलाओं के लिए रुपे द्वारा संचालित पीएसबी पिंक डेबिट कार्ड भी पेश किया है, जिसके कई लाभ हैं।

जमीनी स्तर पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ खिलाड़ियों को बढ़ावा देना हमारी संस्कृति का हिस्सा : हरदीप एस. पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय दल को शुभकामनाएं देते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, 'ओलंपिक मानवीय उपलब्धियों का शिखर है। 2024 संस्करण के लिए क्वालीफाई करने वाले सभी चैंपियन एथलीटों को मैं 1.4 अरब भारतीयों की ओर से बधाई और शुभकामनाएं देता हूं! इनकी उपलब्धियों पर हम इससे ज्यादा संतोष नहीं कर सकते।'

श्री पुरी आज अशोका होटल में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा आयोजित एक समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में के-?द्रीय युवा कार्य एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और सांसद डॉ. पी.टी. उषा भी मौजूद थीं।उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पुरी ने कहा, एक समय था जब इस तरह के आयोजन सीमित उम्मीदों के साथ किए जाते थे। हमें गर्व था कि हमारे खिलाड़ी ओलंपिक में भाग ले रहे हैं और उम्मीद थी कि हमारी हॉकी टीम पदक जीतेगी। कभी-कभी हमारे पास पी. टी. उषा जी जैसी दिग्गज खिलाड़ी होती थीं, जो हमें अन्य खेलों में भी मौका देती थीं। उन्होंने कहा, लेकिन अब, एक राष्ट्र के रूप में हमें मिली हालिया सफलताओं के कारण उम्मीदें बहुत अधिक बढ़ गई हैं। खिलाड़ियों को तेल/गैस सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा

प्रदान किए गए सहयोग का उल्लेख करते हुए, श्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, मुझे विभिन्न तेल और गैस सार्वजनिक उपक्रमों के संरक्षक के रूप में अपनी क्षमता में यहाँ आकर खुशी हो रही है, जो हमारे एथलीटों के लिए हर संभव तैयारी की सुविधा प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ हमारे खिलाड़ियों को बढ़ावा देना हमारी संस्कृति का हिस्सा रहा है। श्री पुरी ने कहा, हमारे लिए यह गर्व की बात है कि इंडियन ऑयल द्वारा प्रायोजित 12 खिलाड़ी इस बार ओलंपिक में भाग ले रहे हैं। अन्य 5 को ओएनजीसी का सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा, अकेले बीपीसीएल ने 250 से अधिक खिलाड़ियों की सहायता की है। मुझे गर्व है कि भारतीय ओलंपिक संघ के साथ बीपीसीएल की साझेदारी अब और भी गहरी होगी। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक के चार वर्षों में, बीपीसीएल ओलंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और पैरा ओलंपिक खेलों में भारतीय दल का प्रमुख भागीदार होगा। पेरिस 2024 ओलंपिक में भाग लेने जा रहे भारतीय एथलीट एक औपचारिक विदाई समारोह में अपनी संभावनाओं को लेकर उत्साहित थे। डॉ. मनसुख मांडविया, श्री हरदीप सिंह पुरी और सांसद डॉ. पी.टी. उषा ने भारतीय टीम की तीन किट का अनावरण किया। जेएसडब्ल्यू इंस्पायर द्वारा तैयार की गई खेल किट, तरुण तहिलियानी के स्वामित्व वाली टीएएसवीए द्वारा डिज़ाइन की गई औपचारिक पोशाक और प्यूमा का जूता और ट्रेवल गियर सहित किट आत्मविश्वास से भरे एथलीटों ने रैंप-वॉक के दौरान प्रदर्शित किए।

आईआईपी, पीएमआई और वाहन बिक्री के आंकड़ों पर रहेगी बाजार की नजर

एजेंसी

मुंबई। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर रिलायंस और अल्ट्रासिमको की उड़ान के साथ ही नयी सरकार में चालू वित्त वर्ष के लिए पेश होने वाले बजट से सबकी उम्मीदें पूरी होने की आस लगाए निवेशकों की लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह 2.4 प्रतिशत तक चढ़े घरेलू बाजार की अगले सप्ताह औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी), पीएमआई और वाहन बिक्री के जारी होने वाले आंकड़ों पर नजर रहेगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1822.83 अंक अर्थात 2.4 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 79032.73 अंक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 509.5 अंक यानी 2.2 प्रतिशत की उड़ान भरकर पहली बार 24 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 24010.60 अंक पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली हुई। इससे मिडकैप 191.3 अंक अर्थात 0.42 प्रतिशत बढ़कर सप्ताहांत पर 46158.35 अंक और स्मॉलकैप 193.9 अंक यानी 0.4 प्रतिशत की तेजी के साथ 52130.41 अंक हो गया।

विश्लेषकों के अनुसार, बीते सप्ताह पेट्रोलियम समेत अलग-अलग क्षेत्रों में कारोबार करने वाली दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की चार

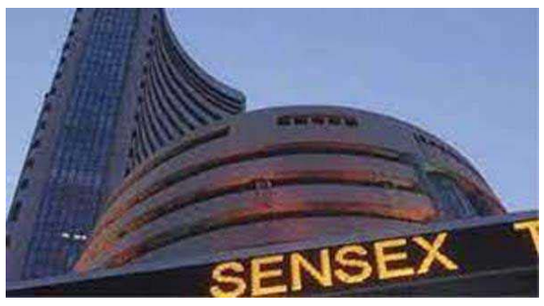

प्रतिशत से अधिक की छलांग से शेयर बाजार को पंख लग गए। इसी तरह इंडिया सीमेंट में 23 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा के बाद अल्ट्रासिमको के शेयरों के पांच प्रतिशत से अधिक की तेजी ने भी बाजार को एक बार फिर नया रिकॉर्ड बनाने में मदद किया। अगले सप्ताह इस वर्ष जून के आईआईपी के साथ ही विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र के पीएमआई का आंकड़ा जारी होने वाला है। इन आंकड़ों का बाजार पर असर दिखेगा। इसके अलावा अगले सप्ताह जून में वाहनों की हुई बिक्री के आंकड़े भी जारी होने वाले हैं। बाजार को दिशा देने में इन आंकड़ों की भी अहम भूमिका रहेगी। बीते सप्ताह घरेलू बाजार में चार दिन तेजी जबकि एक दिन गिरावट रही। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर इंडस्ट्रियल्स, ऑटो, कैपिटल गुड्स और पावर समेत तेरह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 131.18 अंक उछलकर 77,341.08 अंक और निफ्टी 36.75 अंक की बढ़त के साथ 23,537.85 अंक हो गया।विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर नयी सरकार में चालू वित्त वर्ष के लिए पेश होने वाले बजट से सबकी उम्मीदें पूरी होने की आस लगाए निवेशकों की वित्तीय सेवाएं, आईटी, बैंकिंग और टेक समेत सात समूहों में हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत मंगलवार को सेंसेक्स 712.44 अंक की छलांग लगाकर 78,053.52 अंक और निफ्टी 183.45 अंक उछलकर 23,721.30 अंक पर बंद हुआ। विश्व बाजार की तेजी के बीच स्थानीय स्तर पर पेट्रोलियम समेत अलग-अलग क्षेत्रों में कारोबार करने वाली दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की चार प्रतिशत से अधिक की छलांग से बुधवार को सेंसेक्स 620.73 अंक चढ़कर 78,674.25 अंक और निफ्टी 147.50 अंक मजबूत होकर 23,868.80 अंक पर रहा। इसी तरह विश्व बाजार की गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर इंडिया सीमेंट में 23 प्रतिशत हिस्सेदारी अधिग्रहण करने की घोषणा के बाद अल्ट्रासिमको के शेयरों में पांच प्रतिशत से अधिक की तेजी से गुरुवार को सेंसेक्स 568.93 अंक की बढ़त लेकर 79,243.18 अंक और निफ्टी 175.70 अंक बढ़कर 24,044.50 अंक पर बंद हुआ। वहीं, विश्व बाजार में तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर ऊंचे भाव पर हुई मुनाफावसूली के दबाव में सेंसेक्स 210.45 अंक की गिरावट लेकर 79,032.73 अंक रह गया। इसी तरह निफ्टी 33.90 अंक फिसलकर 24,010.60 अंक पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा भंडार 81.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 653.71 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 जून को समाप्त सप्ताह में

81.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 653.71 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.92 अरब डॉलर घटकर 652.89 अरब डॉलर रहा था। विदेशीमुद्रा भंडार का सर्वकालिक उच्चतम स्तर सात जून को 655.82 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 21 जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.6 करोड़ डॉलर घटकर 574.13 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 98.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 56.96 अरब डॉलर रहा। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.05 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 90 लाख डॉलर घटकर 4.57 अरब डॉलर रही।

वित्त विधेयक 2024 को राष्ट्रपति की मंजूरी; सरकार ने माना- बजट में नए करों से लोगों में तनाव

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने सरकार के वित्त विधेयक 2024 को अपनी मंजूरी दी। विपक्षी ने इसका विरोध करते हुए इसे आईएमएफ द्वारा संचालित दस्तावेज करार दिया था। विपक्ष ने कहा कि यह जनता के लिए नुकसानदेह है। वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने 12 जून को नेशनल असेंबली में बजट पेश किया था। जिसका विपक्षी दलों खासकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने विरोध किया था। साथ ही सत्तारूढ़ गठबंधन सहयोगी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने भी इसकी आलोचना की थी। संसद ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 18,877 अरब रुपये का बजट पारित किया। इसमें सरकार के व्यय और आय का विवरण था। विपक्षी दलों ने बजट को यह कहते हुए खारिज किया था कि इससे बहुत ज्यादा महंगाई होगी। नेशनल असेंबली के सत्र के दौरान विपक्षी सांसदों ने बजट की आलोचना करते हुए कहा था कि इसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा तय किया गया है। वि

नागरिक सेवाओं में एआई से होंगे बड़े बदलाव, वैश्विक समझौते की जरूरतः भट्टाचार्य

एजेंसी

मुंबई। सेल्सफोर्स इंडिया की शीर्ष अधिकारी अरुंधति भट्टाचार्य ने कहा कि एआई की सीमा पार प्रकृति को देखते हुए वैश्विक समझौते की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस समझौते की मदद से इसका लाभ पूरी मानवता तक पहुंचाने और किसी भी संभावित दुरुपयोग से बचने में मदद मिलेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) सार्वजनिक सेवाओं की आपूर्ति में बड़े बदलाव लाएगी। सेल्सफोर्स इंडिया की सीईओ और चेयरपर्सन तथा एसबीआई की पूर्व चेयरपर्सन भट्टाचार्य ने कहा कि एआई स्वास्थ्य सेवा से लेकर शिक्षा और कौशल विकास तक हर क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए तैयार है।

भट्टाचार्य ने साथ एक साक्षात्कार में कहा कि इस भविष्य की तकनीक के आने से भारत को बड़े पैमाने पर लाभ होगा। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी की सीमा-पार प्रकृति और इसके प्रभाव को देखते हुए एआई पर वैश्विक समझौते की जरूरत है। भट्टाचार्य ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि एआई समाज को लाभ पहुंचाएगा, लेकिन गलत हाथों में यह काफी हानिकारक साबित हो सकता है और इसलिए सावधानी बरतने की जरूरत है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

एजेंसी

मुंबई। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और

डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.34 प्रतिशत गिरकर 81.46 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 1.73 प्रतिशत उतरकर 84.84डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

प्रधानमंत्री किसानों की समस्याओं के प्रति बहुत संवेदनशील हैं और सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेगीः पीयूष गोयल

एजेंसी

हिसार। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने 29.06.2024 को नोवोटेल, शमशाबाद, हैदराबाद में तम्बाकू किसानों, निर्माता निर्यातकों के साथ बैठक की। सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने किसानों द्वारा गर्म हवा उपचारित (फ्लू क्योर्ड) वर्जीनिया तम्बाकू के लिए रिकॉर्ड उच्च मूल्य प्राप्त करने तथा वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारतीय तम्बाकू के रिकॉर्ड उच्च निर्यात प्रदर्शन पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने बताया कि 27/06/2024 तक तंबाकू बोर्ड द्वारा आयोजित इलेक्ट्रॉनिक नीलामी में 112.35 मिलियन किलोग्राम एफसीवी तंबाकू की बिक्री पर किसानों को 269.91 रुपये प्रति किलोग्राम का औसत मूल्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि गैर-निर्मित तंबाकू और तंबाकू उत्पादों का निर्यात मूल्य 12005.80 करोड़ रुपये (1449.50 मिलियन डॉलर) के साथ सभी पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया। यह रुपये के संदर्भ में

11.3त्न और डॉलर के संदर्भ में 19.5फीसदी अधिक है।

प्रतिभागियों ने अवसर प्रदान करने के लिए माननीय मंत्री को धन्यवाद दिया और तंबाकू उत्पादन में तंबाकू किसानों के सामने आने वाली समस्याओं जैसे श्रमिकों की कमी, कृषि मशीनीकरण के लिए सहायता की कमी, सल्फेट ऑफ पोटाश (एसओपी) उर्वरक की उच्च लागत, अतिरिक्त तंबाकू उत्पादन पर जुर्माना, तंबाकू खलिहानों के लिए ईंधन की बढ़ी हुई लागत आदि से अवगत कराया और सरकार से आवश्यक तकनीकी/वित्तीय सहायता की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि तम्बाकू निर्यातक किसी भी ऐसी योजना के अंतर्गत नहीं आते हैं जो निर्यात प्रोत्साहन प्रदान करती है। उन्होंने अनुरोध किया कि तम्बाकू निर्यातकों को आरओडीटीईपी योजना में शामिल करके सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने भारत में चबाने वाले तम्बाकू के अनधिकृत उत्पादन और उपयोग को रोकने में सरकार से मदद मांगी, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि अवैध सिगरेट की बिक्री में वृद्धि हुई है।

माननीय मंत्री ने तम्बाकू किसानों और उद्योग की समस्याओं पर ध्यान दिया और कहा कि माननीय प्रधानमंत्री किसानों की समस्याओं के प्रति बहुत संवेदनशील हैं और सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने निम्नलिखित उपाय करके तम्बाकू किसानों और उद्योग की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने तम्बाकू बोर्ड में कर्मचारियों की कमी के मुद्दे को तुरंत हल करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष किसानों द्वारा उत्पादित अतिरिक्त तम्बाकू पर जुर्माना माफ करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे।

पंजीकरण की वैधता की अवधि 1 वर्ष से बढ़ाकर 3 वर्ष की जाएगी। यह आगामी सीजन से सभी तम्बाकू किसानों के लिए उपलब्ध होगी। सरकार सभी किसानों को डिजिटल पंजीकरण के लिए भी प्रोत्साहित करेगी। यह अनिवार्य नहीं होगा, क्योंकि छोटे किसानों के लाभ के लिए ऑफलाइन पंजीकरण भी उपलब्ध रहेगा।

मुंबई में जून में 11,443 मकानों का पंजीकरणः नाइट फ्रैंक इंडिया

एजेंसी

मुंबई। मुंबई शहर (बृहन्न मुंबई महानगर पालिका क्षेत्र) में इस वर्ष जून में लगभग 11,443 अचल सम्पत्तियों का पंजीकरण कराया गया जो एक साल पहले इसी माह की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी सम्पत्ति बाजार पर अनुसंधान एवं परामर्श सेवाएं देने वाली फर्म नाइटफ्रैंक इंडिया की जारी एक रिपोर्ट में दी गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले जून 2024 में मुंबई में सम्पत्तियों के पंजीकरण की यह संख्या पिछले 12 वर्षों में किसी भी जून महीने में पंजीकृत करायी गयी सम्पत्तियों की सबसे बड़ी संख्या है। रिपोर्ट के अनुसार मुंबई में मकानों की रजिस्ट्री से राज्य सरकार को जून में 986 करोड़ रुपये से ज़्यादा का स्टाम्प शुल्क मिला जो एक साल पहले इसी माह इस मद में राज्य को प्राप्त राजस्व से 15 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'मुंबई में खरीदारों के मज़बूत भरोसे की वजह से वर्ष 2024 की पहली छमाही में मकानों की बिक्री मास-दर-मास 10,000 के आंकड़े से ऊपर रही है।÷ रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2023 से लगातार ग्यारह महीने मुंबई में आवासीय इकाइयों के पंजीकरण में वार्षिक आधार पर वृद्धि दिखी है। नाइटफ्रैंक का कहना है कि मकानों की बिक्री में यह तेजी बढ़ती आर्थिक समृद्धि और घर के स्वामित्व के प्रति लोगों की अनुकूल सोच का परिणाम है। मुंबई शहर में सम्पत्तियों के पंजीकरण से 2024 के पहले छह महीनों में औसत सरकारी राजस्व संग्रह 974 करोड़ रुपये रहा। यह 2023 की इसी अवधि में हुए मासिक 906 करोड़ रुपये के औसत राजस्व से आठ प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक राजस्व में वृद्धि का श्रेय पंजीकृत संपत्तियों की अधिक संख्या और ऊंचे मूल्य को जाता है। नाइट फ्रैंक इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, संपत्ति बिक्री पंजीकरण में लगातार साल-दर-साल वृद्धि मुंबई के रियल एस्टेट बाजार की मजबूती को रेखांकित करती है।÷ अजमेरा रियल्टी एंड इन्फ्रा इंडिया लि. के निदेशक धवल अजमेरा ने इन आंकड़ों पर कहा, मुंबई के सम्पत्ति बाजार में यह उत्साहपूर्ण भावना बनी रहेगी, तथा हमारा अनुमान है कि इस बाजार के सभी खंडों और शहर के छोटे उपनकरी इलकों, विशेष रूप से पश्चिमी उपनगरों और सीवरी-वडाला के पूर्वी क्षेत्र में भी मांग में और वृद्धि दिखेगी। रिपोर्ट के अनुसार पंजीकरण के आंकड़ों से दिखता है कि मुंबई बाजार में 1,000 वर्ग फुट तक की संपत्तियों की मांग ज्यादा है।

कम कार्बन ऊर्जा विकास के लिए विश्व बैंक देगा 1.5 अरब डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक मंडल ने भारत को कम कार्बन ऊर्जा के विकास में तेजी लाने में मदद करने के लिए दूसरे चरण में 1.5 अरब डॉलर के वित्तपोषण को मंजूरी दी है।विश्व बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह अभियान हरित हाइड्रोजन के लिए एक जीवंत बाजार के विकास को बढ़ावा देने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाना जारी रखने और कम कार्बन ऊर्जा निवेश के लिए वित्त को प्रोत्साहित करने का प्रयास करेगा।

उसने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है, और अर्थव्यवस्था के तेजी से विस्तार करने की उम्मीद है। उत्सर्जन वृद्धि से आर्थिक विकास को अलग करने के लिए अक्षय ऊर्जा को विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्रों में बढ़ाने की आवश्यकता होगी। इसके लिए हरित हाइड्रोजन उत्पादन और खपत के विस्तार के साथ-साथ कम कार्बन निवेश के लिए वित्त जुटाने को बढ़ावा देने के लिए जलवायु वित्त के तेजी से विकास की आवश्यकता होगी।

विश्व बैंक ने कहा कि लो कार्बन एनर्जी प्रोग्रामेटिक डेवलपमेंट पॉलिसी ऑपरेशन के इस दूसरे चरण में हरित हाइड्रोजन और इलेक्ट्रोलाइज़र के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सुधारों का समर्थन करेगा, जो हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण तकनीक है। इसके साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा की पैठ को बढ़ावा देने के लिए सुधारों का भी समर्थन करता है।जून 2023 में विश्व बैंक ने 1.5 अरब डॉलर पहला लो-कार्बन एनर्जी प्रोग्रामेटिक डेवलपमेंट पॉलिसी ऑपरेशन को मंजूरी दी थी जिसने ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं में अक्षय ऊर्जा के लिए ट्रांसमिशन शुल्क की छूट का समर्थन किया, सालाना 50 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा निविदाओं को लॉन्च करने के लिए एक स्पष्ट मार्ग जारी किया और एक राष्ट्रीय कार्बन क्रेडिट बाजार के लिए एक कानूनी ढांचा बनाया। भारत के लिए विश्व बैंक के कंट्री निदेशक ऑगस्टे टैनो कौमे ने कहा, विश्व बैंक को भारत की कम कार्बन विकास रणनीति का समर्थन जारी रखने की खुशी है, जो निजी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा रोजगार पैदा करते हुए देश के शुद्ध-शून्य लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगी। वास्तव में, पहले और दूसरे चरण दोनों में हरित हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा में निजी निवेश को बढ़ावा देने पर मजबूत ध्यान दिया गया है। सुधारों के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 25/26 से प्रति वर्ष कम से कम 450,000 टन ग्रीन हाइड्रोजन और 1,500 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइज़र का उत्पादन होने की उम्मीद है। इसके अलावा, यह अक्षय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने और प्रति वर्ष पांच करोड़ टन उत्सर्जन में कमी लाने में भी महत्वपूर्ण रूप से मदद करेगा। यह ऑपरेशन राष्ट्रीय कार्बन क्रेडिट बाजार को और विकसित करने के कदमों का भी समर्थन करेगा। उन्होंने कहा, भारत ने हरित हाइड्रोजन के लिए एक घरेलू बाजार विकसित करने के लिए साहसिक कार्रवाई की है, जो अक्षय ऊर्जा क्षमता का तेजी से विस्तार कर रहा है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की प्रोत्साहन योजना के तहत पहली निविदाओं ने निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण रुचि का प्रदर्शन किया है इस परिचालन के लिए टीम लीडर ऑरेलियन क्रूज, शियाओडोंग वांग और सुरभी गोयल ने कहा ÷यह अभियान हरित हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा अवसंरचना में निवेश बढ़ाने में मदद कर रहा है। यह अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भारत की यात्रा में योगदान देगा। यह ऑपरेशन भारत सरकार की ऊर्जा सुरक्षा और बैंक की हाइड्रोजन फॉर डेवलपमेंट (एच4डी) साझेदारी के साथ संरेखित है। ऑपरेशन के लिए वित्तपोषण में इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट (आईबीआरडी) से 1.46 अरब डॉलर का ऋण और इंटरनेशनल डेवलपमेंट एसोसिएशन से 3.15 करोड़ डॉलर का ऋण शामिल है।

खुद को तरोताजा बनाए रखने के लिए इन चीजों को जरूर बनाएं डाइट का हिस्सा

मानसून का आगमन हो गया है लेकिन अभी भी उमस की वजह से काफी बेचैनी महसूस होती है। ऐसे में काफी पसीना भी निकलता है जिससे काफी थका हुआ महसूस होता है। ऐसे में अपने खाने में कुछ चीजों को शामिल करने से आपको काफी फायदा मिल सकता है। आइए जानें किन फूड आइटम्स को खाने से आपको फ्रेश और बेहतर महसूस हो सकता है।

गर्मी का मार भले ही कम हो गई हो, लेकिन मानसून में हवा में नमी इतनी बढ़ जाती है कि इससे भी हमारा हाल बेहाल रहता है। भारत एक ट्रॉपिकल देश है, जहां हवा में उमस बढ़ने की वजह से काफी बेचैनी महसूस होती है। ऐसे में खुद को तरोताजा बनाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं है, लेकिन आपको बता दें कि अपनी डाइट में कुछ खास चीजों को शामिल करके आप खुद को चुस्त और दुरुस्त रख सकते हैं। इनसे आपका पाचन भी बेहतर रहेगा और आपको पोषण भी मिलेगा, जिससे मानसून में होने वाली बीमारियों से बचाव करने में मदद मिलेगी। आइए जानें किन चीजों को खाने में शामिल करने से आपकी सेहत को फायदा मिलेगा और आप फ्रेश भी महसूस करेंगे।

जीरा

सुनने में आपको भले ही ऐसा लग सकता है कि इसमें क्या खास है, तो आपको जानकर हैरत होगी जीरा ठंडी तासीर का होता है, जिससे पेट की गर्माहट दूर होती है और पाचन से जुड़ी परेशानियां नहीं होती। जीरे को आप सब्जी या दाल में छोंक मारने के लिए इस्तेमाल करते होंगे, लेकिन इसे भुनकर इसका पाउडर बनाकर आप अन्य चीजों में भी इसे शामिल कर सकते हैं। जैसे सलाद का स्वाद बढ़ाने के लिए आप उसमें थोड़ा जीरा पाउडर मिला लें।

तरबूज

तरबूज में भारी मात्रा में पानी मौजूद होता है। एक तरबूज में 99 प्रतिशत पानी मौजूद होता है। इसलिए इन्हें खाने में शामिल करने से आपके शरीर में पानी की कमी नहीं होगी, जो मानसून में काफी जरूरी होता है। इस मौसम में उमस की वजह से पसीना बहुत आता है, इसलिए हाइड्रेटेड रहना बेहद जरूरी है। साथ ही, तरबूज में कई पोषक तत्व भी होते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।

छाछ

ठंडा-ठंडा छाछ पीते ही शरीर तरोताजा महसूस करने लगता है। इसलिए छाछ को डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं। यह पाचन को दुरुस्त रखता है। इसे दही से बनाया जाता है, इसलिए इसमें प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो गट हेल्थ को बेहतर बनाते हैं। इसलिए रोज छाछ पीना काफी फायदेमंद होता है। इसे आप अलग-अलग तरीकों से बना सकते हैं, जैसे मसाला छाछ, प्लेन छाछ आदि।

सत्तू

सत्तू चने को भूनकर और फिर पीसकर बनाया जाता है। इसमें प्रोटीन और फाइबर दोनों भरपूर मात्रा में होते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। फाइबर पाचन के लिए काफी जरूरी होता है और इससे काफी देर तक पेट भी भरा रहता है। इसलिए इस मौसम में सत्तू का शरबत पीना भी काफी फायदेमंद रहेगा और आपको फ्रेश भी महसूस होगा।

लौकी

लौकी एक ऐसी सब्जी है, जिसे बिल्कुल न के बराबर मात्रा में तेल और मसाले का इस्तेमाल करके बनाया जाता है। इसलिए इसे खाने से पाचन तंत्र पर अधिक दबाव नहीं पड़ता और साथ ही, लिवर के लिए भी फायदेमंद होती है। इसलिए लौकी को डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं।

प्याज

कच्चा प्याज पीने से गर्मी से शरीर को होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलती है। इसमें पानी के साथ-साथ कई जरूरी खनीज भी होते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। ऐसे में रोज खाने के साथ कच्चा प्याज जरूर खाएं। इससे शरीर में पानी की कमी को दूर करने में मदद मिलेगी।

सलाद

सलाद शरीर में पानी की कमी को पूरा करते हैं और साथ ही, पाचन को भी बेहतर बनाता है। इसलिए अपने खाने में खीरा, ककड़ी, टमाटर, प्यार, मूली आदि का सलाद जरूर खाएं। इससे भी आपको काफी फ्रेश महसूस होगा।

बदलती भू-राजनीति के बीच कुछ नाटकीय भारतीय बदलाव

%भू-अर्थशास्त्र% शब्द का पहली बार इस्तेमाल एडवर्ड लुटवाक ने 1990 में किया था। लुटवाक ने तर्क दिया कि शीत युद्ध की वैचारिक प्रतिद्वंद्विता की जगह दुनिया भर में आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने ले ली है, जिसमें व्यापार और वित्त सैन्य शक्ति पर हावी हो जाते हैं। भू-अर्थशास्त्र ज्ञान की एक शाखा के रूप में भू-राजनीति से उभरा है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध राजनीतिक संबंधों द्वारा निर्देशित होते हैं।

भारत की भू-आर्थिक और भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं बढ़ रही हैं और इसके साथ ही एक ऐसा बदलाव आया है जो नेहरूवादी युग के दौरान बनाए गए लंबे समय से चले आ रहे समय द्वारा परीक्षित पदों और गठबंधनों को चुनौती देता है और जो गणतंत्र के पहले 75 वर्षों में मजबूत हुआ है। भारत के पदों में यह बदलाव संभवतः बेंजामिन नेतन्याहू के इजरायली शासन के साथ बढ़ती निकटता में सबसे अच्छी तरह से देखा जा सकता है, जिस पर गाजा में निरंतर और अथक नरसंहार का आरोप लगाया गया है। भारत में आंतरिक रूप से इस गहरे नीतिगत बदलाव पर पूर्ण सहमति नहीं है।

विदेश नीति, भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र के क्षेत्रों में आम सहमति की आवश्यकता शायद कम महसूस की जाती है, जिनमें से सब देश में चर्चा का विषय नहीं हैं। आम नागरिक या छात्र आम तौर पर विदेश नीति, व्यापार संबंधों या राजनीतिक झुकाव और अर्थशास्त्र के साथ उनके अंतर्संबंधों की बारीकियों में शामिल नहीं होते हैं। फिर भी, इस बदलाव के महत्व को रेखांकित करने की आवश्यकता है। साथ ही भारत में स्पष्ट रूप से चल रहे पुनर्रेखण पर बहस या आम सहमति की कमी भी है। यह वैश्विक मामलों में एक कठिन समय में आया है।गौर करें कि पिछले महीने जारी की गई 2023-24 की रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की वार्षिक रिपोर्ट में भू-राजनीतिक तनाव, भू-आर्थिक विखंडन और इससे होने वाली अक्षमताओं पर जोर दिया गया है, जो एक ऐसी दुनिया में आती है जहां वैश्वीकरण पीछे हटता हुआ दिखाई देता है। 30 मई, 2024 की आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट (भाग 1ः मूल्यांकन और संभावनाएं, पिछले वर्ष की तुलना में अधिक बार) में %भू-राजनीतिज् और %भू-अर्थशास्त्र% शब्द 16 बार दिखाई देते हैं, जो इस बात का संकेत है कि भू-राजनीति की मांगों और आवश्यकताओं के संदर्भ में राजनीति द्वारा अर्थशास्त्र को कैसे बाधित किया जा रहा है। जोर (या कुछ लोग इसे बहुत जोर कह सकते हैं) हमें बताता है कि मुद्दों का एक पूरा दायरा, जैसे कि बाहरी क्षेत्र जिसमें व्यापार, पूंजी प्रवाह और मुद्रा की चाल, कच्चे तेल की कीमतें और उनकी चाल, वैश्विक वित्तीय बाजार, वैश्विक मुद्रास्फीति और विदेशी मुद्रा बाजार शामिल हैं, वैश्विक स्तर पर इतने गहराई से जुड़े हुए हैं कि वैश्वीकरण के सिद्धांतों से हटकर वैश्वीकरण के युग में

जाने से बड़ी नई और गंभीर आर्थिक चुनौतियां आएंगी।फिर भी, ये चुनौतियां एक ऐसे विश्व में आ रही हैं, जहां तनाव बढ़ रहा है और सीमाएं बंद होने का खतरा, राष्ट्रीय एजेंडा का सुदृढ़ीकरण और वैश्वीकरण तथा बहुपक्षवाद के विरुद्ध एक मज़बूत राष्ट्र-राज्य की प्राथमिकताएं बढ़ रही हैं। जैसा कि आरबीआई की रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है- समकालिक मौद्रिक नीति में सख्ती के साथ-साथ भू-राजनीतिक संघर्षों के बढ़ने के कारण अस्थिरता बढ़ने के बीच वैश्विक वित्तीय स्थितियां कठिन हो गई हैं।अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ के अनुसार, %हम देखते हैं कि पहले से ही व्यापार और निवेश प्रवाह भू-राजनीतिक रेखाओं के साथ पुनर्निर्देशित किए जा रहे हैं।% स्टैनफोर्ड इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक पॉलिसी रिसर्च में अपने मई 2024 के भाषण (%भू-राजनीति और वैश्विक व्यापार और डॉलर पर इसका प्रभाव%) में उन्होंने कहा कि व्यापार तनाव बढ़ने के बाद 2017 और 2023 के बीच अमेरिकी आयात में चीन की हिस्सेदारी में आठ प्रतिशत अंकों की गिरावट आई है और चीन के निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी में लगभग चार प्रतिशत अंकों की गिरावट आई है। यूक्रेन के साथ संघर्ष और उसके बाद रूस पर प्रतिबंधों के बाद रूस और पश्चिम के बीच सीधा व्यापार ध्वस्त हो गया।

भू-राजनीतिक तनाव बेशक नए नहीं हैं; वे विश्व युद्धों के दौरान सामने आए।

इसका आर्थिक परिणाम विदेशी व्यापार, सीमा पार पूंजी प्रवाह, मुद्रा चाल और श्रम के प्रवास के पैटर्न और दिशाओं में प्रकट हुआ। सोवियत संघ (यूएसएसआर) का पतन, एक नई आर्थिक शक्ति के रूप में चीन का उदय, यूरोपीय संघ का गठन, एक आधिपत्य के रूप में यूएसए का उदय और सबसे हाल ही में, इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष पर नए सवाल ने, जिन्हें नरसंहार के रूप में देखा जा रहा है, विश्व राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था में एक प्रतिमान परिवर्तन किया है, जिससे बहुपक्षीय सहयोग और आर्थिक शासन की बहुपक्षीय प्रणालियों को खतरा पैदा हो गया है।

परिणामस्वरूप इन घटनाक्रमों ने अंतरराष्ट्रीय शांति, सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता के लिए खतरा पैदा कर दिया है। विश्व आर्थिक व्यवस्था विकास और कल्याण-उन्मुख कार्यक्रमों पर सार्वजनिक व्यय से रक्षा व्यय के उच्च स्तर पर परिवर्तन का सामना कर रही है।भू-अर्थशास्त्र शब्द का पहली बार इस्तेमाल एडवर्ड लुटवाक ने 1990 में किया था। लुटवाक ने तर्क दिया कि शीत युद्ध की वैचारिक प्रतिद्वंद्विता की जगह दुनिया भर में आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने ले ली है, जिसमें व्यापार और वित्त सैन्य शक्ति पर हावी हो जाते हैं। भू-अर्थशास्त्र ज्ञान की एक शाखा के रूप में भू-राजनीति से उभरा है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध राजनीतिक संबंधों द्वारा निर्देशित होते हैं। पुरानी अंग्रेज़ी कहावत को उद्धृत करते हुए, %व्यापार झंडे का अनुसरण करता है और झंडा व्यापार का अनुसरण करता है%, जिसका पहली बार उपनिवेशों के संदर्भ में उपयोग किया गया था जब इसे 1894 में ई. कोबहम ब्रेवर ने गढ़ा था, लेकिन अब इसका उपयोग राजनीति और अर्थशास्त्र के सह-आंदोलन को उजागर करने के लिए किया जाता है। फिर भी, जैसा कि कुछ लोग तर्क देंगे, उपनिवेशवाद का अंतर्निहित बोझ अपरिवर्तित है, वैश्विक व्यापार नई कब्ज़ाकारी शक्ति के रूप में है जिसमें भारत भी हिस्सा चाहता है!

ब्रिक्स देशों में चीन नई आर्थिक शक्ति और भू-राजनीतिक ताकत के रूप में उभरा है, जिससे हमें आईएमएफ द्वारा अमेरिकी झुकाव वाले देशों, चीन झुकाव वाले देशों और गुटनिरपेक्ष देशों के रूप में ब्लॉकों का वर्गीकरण मिला है। चीन ने भू-राजनीति में अपने लिए एक स्थान हासिल कर लिया है। इसे दर्शाते हुए, चीनी मुद्रा रेनमिनबी को आईएमएफ द्वारा मुद्राओं की टोकरी में शामिल किया गया है। इसके अलावा चीन का विदेशी मुद्रा भंडार 3.2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (अप्रैल 2024) था, जो वैश्विक व्यवस्था में इसकी बढ़ती वित्तीय ताकत का संकेत है। कच्चे तेल के भंडार (भू-आर्थिक उत्तोलन) और मजबूत सैन्य अड्डे (भू-राजनीतिक उत्तोलन) के साथ रूस भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील है। भू-राजनीति के संदर्भ में भारत की स्थिति संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस दोनों के साथ सामंजस्यपूर्ण आर्थिक और राजनीतिक संबंध बनाए रखने की उसकी प्रतिबद्धता है। अमेरिका के संबंध में 2022-23 के दौरान भारत का कुल विदेशी व्यापार समग्र का 24.44त्न था (निर्यात में 17.41प्रतिशत हिस्सा और आयात में 7.03 प्रतिशत हिस्सा)। चीन के साथ भारत का व्यापार कुल विदेशी व्यापार का 17.18प्रतिशत था (निर्यात में 3.39त्न हिस्सा और आयात में 6.47प्रतिशत हिस्सा)।

मोटे तौर पर ऊपर बताए गए ब्लॉकों में भारत कहां खड़ा है? क्या यह अमेरिका की ओर झुकाव वाला है, चीन की ओर झुकाव वाला है, गुटनिरपेक्ष है या हर जगह साझेदारी के लिए तैयार है? आधिकारिक रुख यह है कि भारत की विदेश नीति का उद्देश्य पारंपरिक गुटनिरपेक्षता की ओर झुकाव से बहु-गठबंधन की ओर बढ़ना है।

आरबीआई द्वारा प्रकाशित 2022-2023 के दौरान भारत के विदेश व्यापार के आंकड़ों से इसकी पुष्टि होती है। अमेरिका और चीन को छोड़कर अन्य देशों के साथ भारत का विदेशी व्यापार 2022-23 के दौरान कुल विदेशी व्यापार का 58.38 प्रतिशत था, जिसमें से विदेशी व्यापार में यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी 21.70प्रतिशत और ओपेक देशों की 33.4प्रतिशत थी। इसके विपरीत, एक दशक पहले (2013-14) अमेरिका और चीन को छोड़कर कुल विदेशी व्यापार का हिस्सा 83.3प्रतिशत था, जिसमें से विदेशी व्यापार में यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी 13.24प्रतिशत और ओपेक देशों की 31.26प्रतिशत थी। जैसा कि देखा जा सकता है, दशक के दौरान अमेरिका और चीन के साथ भारत के व्यापार संबंध 2013-24 में 16.7 प्रतिशत की तुलना में 2022-23 में 41.62 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं, जो एक झुकाव का संकेत देता है।

संक्षेप में, व्यापार विशेषज्ञता और वैश्वीकरण से दक्षता लाभ पीछे हटने वाले वैश्वीकरण से खतरे में हैं। जैसा कि आईएमएफ ने कहा है, %भले ही विश्वास को फिर से बनाना मुश्किल है और इसमें समय लग सकता है, लेकिन तेजी से विखंडित हो रही दुनिया में सबसे बुरे परिणामों से बचना महत्वपूर्ण है। आर्थिक एकीकरण से प्राप्त कुछ भारी लाभों को संरक्षित करना उचित है, जिसने दुनिया को अधिक समृद्ध और अधिक सुरक्षित बनाया है।

संपादकीय

लोकतंत्र की दरकार

देश में लंबे चले चुनाव अभियान और चुनाव परिणाम के बाद अस्तित्व में आयी 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत हो चुकी है। राजग की लगातार तीसरी पारी गठबंधन सरकार के रूप में सामने आई है। निश्चित रूप से इस बार विपक्षी गठबंधन पिछले दशक के मुकाबले ज्यादा मजबूत बनकर उभरा है। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव से ठीक पहले राहुल गांधी का विपक्ष का नेता चुना जाना साफ बताता है कि आने वाले दिनों में राजग सरकार की राह आसान नहीं रहने वाली। इस संक्षिप्त सत्र के दूसरे दिन लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सत्ता-पक्ष व विपक्ष के बीच जो तनातनी सामने आई, वह पिछले सात दशकों के मुकाबले अभूतपूर्व है। विपक्ष एक ओर लोकसभा उपाध्यक्ष पद देने की मांग कर रहा था, तो सत्ता पक्ष ऐसा करने को तैयार नहीं था। जाहिर इस टकराव के बीच लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने की स्थितियां बनी हैं। हालांकि, राजग सरकार के पास चुनाव पूर्व गठबंधन के चलते पूर्ण बहुमत है, लेकिन विपक्ष इस चुनाव को अपनी एकजुटता के रूप में एक प्रतीकात्मक दबाव के रूप में दिखाना चाहेगा। बहरहाल, बेहतर होता कि लोकसभा में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पदों पर चयन सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच सहमति से होता। इसी तरह नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों को शपथ दिलाने के लिये नियुक्त प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति को लेकर भी सत्ता पक्ष व विपक्ष में तनातनी देखी गई। वरिष्ठता के क्रम में इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस की दावेदारी की गई थी। बहरहाल, 18वीं लोकसभा की शुरुआत में ही पक्ष-विपक्ष के बीच तनातनी की शुरुआत स्वस्थ लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत तो कदापि नहीं है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि 17वीं लोकसभा के दौरान टकराव के चलते तमाम सत्रों में कामकाज बुरी तरह प्रभावित रहा। उल्लेखनीय है कि दिसंबर, 2023 में शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में घुसपैठ के मामले में बहस की मांग पर कथित दुर्व्यवहार हेतु 141 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था। जिसमें 95 लोकसभा सदस्य थे।उम्मीद की जानी चाहिए 18वीं लोकसभा में वैसे दृश्य फिर न देखने को मिलें। जनता अपने प्रतिनिधियों को इस लिये चुनकर संसद में भेजती है ताकि वे उनके इलाके के विकास को नई दिशा दे सकें। लेकिन पहले दिन विपक्षी नेताओं द्वारा संसद में संविधान की प्रतियों के साथ एकजुटता दर्शाना और कतिपय सत्तारूढ़ दल के सांसदों के शपथ ग्रहण के दौरान नारेबाजी को देखकर लगता है कि विपक्ष ज्यादा मुखर होकर सरकार के लिये चुनौती पेश करता रहेगा। बहरहाल, किसी भी लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि सरकार सहमति से चले। साथ ही विपक्ष भी जिम्मेदार भूमिका में नजर आए। कुल मिलाकर हंगामे, बहिष्कार व नारेबाजी के बजाय रचनात्मक व गरिमामय भूमिका की दरकार है। स्वस्थ लोकतंत्र की दरकार है सरकार के निर्णयों में हर छोटे-बड़े राजनीतिक दल की भागीदारी हो। सत्तारूढ़ दल को भी इस बात का बखूबी अहसास होना चाहिए कि इस बार विपक्ष मजूबती के साथ लोकसभा में उपस्थित हुआ है। उसके साथ वैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता है जैसा कि राजग सरकार के पिछले दो कार्यकालों में नजर आया था। ऐसे में राजग सरकार को विपक्षी सहयोग से सदन को चलाना होगा। विपक्षी नेताओं के साथ मित्रवत व्यवहार ही सरकार की कार्यशैली को रवानगी देगा। अन्यथा लगातार टकराव की स्थिति बनी ही रहेगी। जिससे सत्तापक्ष व विपक्ष को लगातार बचने का प्रयास करना होगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलाता है। जिसे सार्थक बनाने का दायित्व सत्तारूढ़ व विपक्षी सांसदों के पास है। लगातार टकराव व हंगामे का दुनिया में कोई अच्छा संदेश नहीं जाएगा। किसी भी कलह से घिरी सरकार पर कई तरह के अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ने शुरू हो जाते हैं, जिससे देश की अंतर्राष्ट्रीय छवि भी प्रभावित होती है। उम्मीद की जानी चाहिए कि 18वीं लोकसभा में पक्ष-विपक्ष मनभेद-मतभेद भुलाकर नये भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। देश के सामने बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, महंगाई और विकास से जुड़ी तमाम चुनौतियां खड़ी हैं, सरकार और विपक्ष को इसका एकजुट होकर मुकाबला करना चाहिए।

टूटी-फूटी सड़कों पर टोल-टैक्स लेना ज्यादती है

बेहतर सेवाओं के नाम पर सरकारें कई तरह के शुल्क वसूलती है, इसमें कोई आपत्ति एवं अतिश्योक्ति नहीं है। लेकिन सेवाएं बेहतर न हो फिर भी उनके नाम पर शुल्क या कर वसूलना आपत्तिजनक एवं गैरकानूनी है। यह एक तरह से आम जनता का शोषण है, धोखाधड़ी है। राजमार्ग एवं अन्य मार्गों पर बेहतर एवं सुविधाजनक सड़कों के नाम पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूला जाता है, लेकिन विडम्बना एवं त्रासदी यह है कि टूटी-फूटी सड़कों के नाम पर भी टोल वसूला जाता है, जो अन्यायपूर्ण एवं आपत्तिजनक है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान में जनता के इस बड़े होते दुःख, धोखाधड़ी एवं शोषण पर न केवल दुःख जताया बल्कि ऐसी जबरन की जा रही वसूली को रोकने के लिये अधिकारियों को चेताया है। अपनी बात को बेबाकी से कहने वाले नितिन गडकरी ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सड़कें अच्छी हालत में न हों और लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स वसूलने से पहले हमें अच्छी सेवाएं देनी चाहिए। लेकिन हम अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये टोल टैक्स वसूलने की जल्दी में रहते हैं। रोड टैक्स का उपयोग राज्य के भीतर सड़कों के रखरखाव और विकास के लिए किया जाना चाहिए न कि सरकार की आमद को बढ़ाने के लिये। ऐसे अनेक उदाहरण है कि बिना सुविधा एवं आवश्यकता के भी टोल टैक्स वसूला जा रहा है। राज्य सरकारें भी स्वतंत्र रूप से टोल वसूलती है। दूसरी ओर, टोल टैक्स एक उपयोगकर्ता शुल्क है जिसे वाहन मालिकों को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या निजी ठेकेदारों को कुछ टोल सड़कों, जैसे राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, पुल और सुरंगों का उपयोग करने के लिए देना पड़ता है। जो अन्य सड़कों की तुलना में इन सड़कों को उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की माना जाता है। निश्चित रूप से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क-क्रांति की है बल्कि व्यवस्था की खामियों को सुधारने के भी सराहनीय प्रयास किये हैं।

किसी देश को विवेकपूर्ण, बेहतर सुविधाओं एवं विकास के नये मानकों के साथ चलाने के लिए सरकार को पात्र नागरिकों से बेहतर सुविधाओं के लिये कर एकत्र में कोई ऐतराज नहीं है; लेकिन सड़कें हो या अन्य सुविधाएं, अच्छी नहीं होने पर भी टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने पर उपभोक्ता स्वयं को ठगा हुआ एवं शोषित महसूस करता है, जिसके कारण टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने वाली एजेन्सियों के खिलाफ शिकायतें बढ़ती जा रही है। टोल टैक्स प्रणाली सरकार या निजी ठेकेदारों के लिए राजस्व सृजन का स्रोत नहीं होनी चाहिए, बल्कि जनता

के लिए बेहतर और सुरक्षित सड़कें उपलब्ध कराने का साधन होनी चाहिए। निश्चित तौर पर गुणवत्ता की सेवा दिए बिना कोई टैक्स वसूलना उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी एवं अन्याय है। यह बात हर सरकारी व निजी महकमे पर भी लागू होती है। लेकिन यथार्थ में ऐसा होता नहीं है और बेहतर सेवा के बिना टैक्स वसूलने की स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही है। इन स्थितियों को लेकर आम जनता एवं उपभोक्ताओं में विरोध एवं विद्रोह पनप रहा है, इसलिये सरकार एवं ऐसी एजेन्सियों के खिलाफ लोग लोक अदालतों से लेकर विभिन्न अदालतों के दरवाजे खटखटाते रहते हैं। किसी भी विभाग को अपनी खामियों पर पर्दा डालने के बजाय सेवा में सुधार की पहल करनी चाहिए। अब चाहे मामला राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्यरत एजेंसियों का हो या फिर बिजली-पानी जैसे मूलभूत जरूरतों वाले विभागों का, अधिकारियों को उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार होना चाहिए।

नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक-जीवन को न केवल अस्त-व्यस्त कर रही है, बल्कि आहत, पीड़ित एवं परेशान भी कर रही है। ऐसी अनेक सुविधाएं हैं जो सरकार के द्वारा जनता के लिये उपलब्ध कराई जाती है, इसके लिये सरकार टैक्स वसूलती है। लेकिन बिना सुविधा के भी टैक्स वसूलने की स्थितियां सरकार पर बदनूमा दाग है और ऐसे दाग लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बहरहाल बात राजमार्गों पर वसूले जा रहे गैर वाजिब टोल टैक्स के बढ़ने की चिन्ता का है, जो एक त्रासदी है।

इसी त्रासदी को केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री ने स्वीकारा और कहा कि सड़कें अच्छी नहीं होने पर तमाम शिकायतें हमें मिलती हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हैं। सही मायनों में गुणवत्ता की सड़क प्रदान करने पर ही हमसे टोल वसूलने का अधिकार मिलता है। जाहिर सी बात है कि गड्ढों व कीचड़ वाली सड़कों पर टैक्स वसूलने पर पब्लिक की नाराजगी स्वाभाविक रूप से सामने आएगी। निस्संदेह, परिवहन मंत्री की स्वीकारोक्ति एक अच्छा कदम एवं स्वागतयोग्य कदम है और हर विभाग के मंत्री को अपने अधीनस्थ विभागों की ऐसी कारगुजारियों एवं ज्यादतियों पर नजर रखनी चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि ऐसी शिकायत दर्ज करने और शिकायतों के तुरंत निवारण हेतु एक स्वतंत्र तंत्र भी विकसित किया जाना चाहिए।

कई स्थानों पर सड़कों की गुणवत्ता में कमी, सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का उजागर होना, गैरवाजिब टोल टैक्स वसूला जाना, उपभोक्ताओं को परेशान करता है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स चुकाने के लिये घंटों लाइन में लगना भी एक बड़ी समस्या है, भले ही इस समस्या से मुक्ति के लिये सरकार ने कदम उठाये हैं, फास्टैग व्यवस्था के लागू करने से लाइनें छोटी हुई है। आज 98 प्रतिशत वाहनों में स्मार्ट टैग के माध्यम से निर्बाध यात्रा की जा रही है। निश्चित तौर पर राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे आदि के बनने से यात्रियों का आवागमन सुविधाजनक हुआ है, पेट्रोल-डीजल में बचत हुई है एवं यातायात सुगम बना है। मोदी सरकार ने सड़कों को सुविधाजनक बनाया है। आने वाले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम आधारित टोल संग्रह प्रणाली को अंजाम देने की तैयारी में है। जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल गेटों की जरूरत नहीं रह जाएगी। फिर टोल प्लाजा पर गाड़ी धीमी करने व रोकने की भी जरूरत नहीं रहेगी। इसे देश में चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। यह व्यवस्था सड़क-क्रांति को एक नई दिशा देगा। दरअसल, यह नया सिस्टम न केवल सही ट्रैकिंग कर पाएगा बल्कि यह राजमार्ग पर उपयोग की गई दूरी के आधार पर सटीक टोल गणना भी करेगा। बहुत संभव है आने वाले वर्षों में कार निर्माता कंपनियां अपने वाहनों पर ट्रैकिंग डिवाइस लगाएं। प्रारंभ में इस सिस्टम को प्रमुख हाईवे व एक्सप्रेस-वे पर लागू किया जाएगा। इसके बावजूद सरकार के लिये यह जरूरी है कि वह सड़कों की गुणवत्ता को बनाये रखे एवं गुणवत्ता वाली सुविधा की सड़कों पर ही टोल वसूले।

राजमार्गों पर यात्रा करने के दौरान आपके बैंक खाते या डिजिटल वॉलेट से पैसा कट जाता है। इसमें भी गलत तरीके से पैसे कटने की शिकायतें बढ़ती जा रही है।

किसी व्यक्ति के फास्टैग से बिना टोल से गुजरे टोल टैक्स काट लिया जाता है या ज्यादा टोल वसूल लिया जाता है, जो उपभोक्ताओं के लिये परेशानी का सबब है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सड़क निर्माण और रखरखाव के अपने लक्ष्यों को हासिल करने में विफल रहा है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि एचएचआई ने टोल अनुबंधों को आकार देने और निगरानी के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया है और टोल सड़कों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की है। रिपोर्ट में टोल संग्रह प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी और दोषपूर्ण टोल प्लाजा, ओवरचार्जिंग और लंबी कतारों के कारण सड़क उपयोगकर्ताओं को होने वाली परेशानी और असुविधा पर भी प्रकाश डाला गया है। इन सभी हालातों को देखते हुए भारत में राजमार्गों एवं सुविधा की सड़कों के नाम पर हो रही टोल टैक्स वसूली को औचित्यपूर्ण एवं न्यायसंगत बनाने की अपेक्षा है। सुविधा के नाम असुविधाओं, असुरक्षा एवं धोखाधड़ी की बढ़ती स्थितियों को गंभीरता से लेना होगा।

...तो गंभीर रूप ले सकता है अनीमिया

अनीमिया एक ऐसी स्थिति होती है जिसमें शरीर के अंदर खून की कमी हो जाती है। अगर समय रहते इसका निदान न किया जाए तो यह गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए जरूरी है कि आपको अनीमिया, उसके लक्षण व कारणों के बारे में पूरी जानकारी हो। साथ ही यह भी पता हो कि ऐसी कौन-सी चीजें हैं, जिन्हें खाने से अनीमिया को ठीक किया जा सकता है।

अनीमिया के लक्षण

सबसे पहले तो यह जानने की जरूरत है कि किन लोगों को अनीमिया आसानी से अपनी गिरफ्त में ले सकता है। ऐसे लोग जो लंबे समय से किसी बीमारी या इंफेक्शन का शिकार हैं उन्हें अनीमिया आसानी से हो सकता है। अनीमिया के कुछ प्रकार अनुवांशिक होते हैं, लेकिन यह खराब डायट और जीवनशैली की वजह से भी हो सकता है। बात करें इसके लक्षणों की, तो थकान, कमजोरी, त्वचा का पीला होना, दिल की धड़कन का असामान्य होना, सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना, सीने में दर्द, हाथों और पैरों का ठंडा होना, सिरदर्द आदि अनीमिया की तरफ इशारा करते हैं। इसके अलावा स्टूल के कलर में बदलाव, कम ब्लड प्रेशर, स्किन का ठंडा पड़ना, स्प्लीन का साइज बढ़ना भी अनीमिया के लक्षण हैं।

ये लक्षण भी हैं खतरनाक

सिर, छाती या पैरों में दर्द होना, जीभ में जलन होना, मुंह और गला सूखना, मुंह के कोनों पर छाले हो जाना, बालों का कमजोर होकर टूटना, निगलने में तकलीफ होना, स्किन, नाखून और मसूड़ों का पीला पड़ जाना आदि कुछ ऐसे लक्षण हैं जो अनीमिया के एक गंभीर रूप की ओर इशारा करते हैं। अगर अनीमिया लगातार बना रहे तो डिप्रेशन का रूप ले सकता है।

अनीमिया के प्रकार और कारण

अनीमिया 3 तरह का होता है– माइल्ड, मॉडरेट और सीवियर। अगर बॉडी में हीमोग्लोबिन 10 से 11 के आसपास हो तो इसे माइल्ड अनीमिया कहते हैं। वहीं अगर हीमोग्लोबिन 8 से 9 होता है तो इसे मॉडरेट अनीमिया कहते हैं। जबकि सीवियर अनीमिया में हीमोग्लोबिन 8 से कम होता है। यह एक गंभीर स्थिति होती है, जिसमें मरीज की हालत के अनुसार खून चढ़ाने की भी नौबत आ जाती है। अनीमिया कई वजहों से हो सकता है। जैसे कि हेमरेज होने या फिर लगातार खून बहने की वजह से भी शरीर में खून की कमी हो जाती है। इसके अलावा फॉलिक ऐसिड, आयरन, प्रोटीन, विटमिन सी और बी 12 की कमी हो जाए तो अनीमिया हो सकता है। डॉक्टरों के अनुसार, अगर फैमिली हिस्ट्री में ल्यूकेमिया या थैलीसीमिया की बीमारी रही है तो फिर उस स्थिति में अनीमिया होने के चांस 50 फीसदी तक बढ़ जाते हैं।

आयरन की कमी से होता है अनीमिया

अनीमिया रक्त संबंधित बीमारी है जो महिलाओं में ज्यादा पायी जाती है। शरीर में आयरन की कमी के कारण यह समस्या होती है। विटमिन बी12, फोलिक ऐसिड, कैल्शियम युक्त आहार आदि इससे बचाव करते हैं। इन चीजों से इस बीमारी के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

रोज खाएं चुकंदर – चुकंदर में आयरन की भरपूर मात्रा होती है, इसे खाने से शरीर में खून की कमी नहीं होती। इसको रोज अपने खाने में सलाद या सब्जी बनाकर प्रयोग करने से शरीर में खून बनता है। चुकंदर की जड़ों को भी प्रयोग कर सकते हैं, इसमें विटमिन ए और सी होता है।

अंजीर खाएं – अनीमिया के लिए अंजीर काफी फायदेमंद माना जाता है। अंजीर में विटमिन बी12, कैल्शियम, आयरन, फॉस्फॉरस, पोटैशियम जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं जो खून की कमी को दूर करते हैं। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी मददगार है।

टमाटर का सूप पिएं – टमाटर में विटमिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इसमें बीटा केरोटिन और विटमिन ई भी पाया जाता है जो आयरन की कमी को दूर करता है। टमाटर को सलाद के अलावा इसका सूप भी पी सकते हैं।

अंडा खाएं – अंडे में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है, यह एक अच्छा ऐंटिऑक्सिडेंट भी है जो शरीर को बीमारियों से बचाकर आयरन की कमी दूर करने में मदद करता है। एक बड़े अंडे में 1 ग्राम आयरन होता है जो खून की कमी दूर करता है। अंडे को ब्रेकफस्ट में शामिल कर खून की कमी दूर करें।

आयरन से भरपूर अनार – अनार ऐसा फल है जिसमें विटमिन सी और आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अनार का सेवन करने से शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है और यह अनीमिया से लड़ने में भी मदद करता है। इसके अलावा अनार कमजोरी और थकान को भी दूर करता है।

फल और सब्जियां ज्यादा खायें – अनीमिया से ग्रस्त लोगों को यह सलाह दी जाती है कि वे फल और हरी सब्जियां ज्यादा खाएं। फल जैसे खजूर, तरबूज, सेब, अंगूर, आदि खाने से शरीर में खून तेजी से बढ़ता है और अनीमिया की शिकायत दूर होती है।

अनीमिया के बारे में खास बातें

अनीमिया मुख्य रूप से तीन तरह का होता है, लेकिन सबसे आम आयरन की कमी से होने वाला अनीमिया है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 90 फीसदी लोगों में यही अनीमिया होता है।

कुछ लोग आइस क्यूब बहुत खाते हैं। अगर ऐसा है तो फिर यह अनीमिया का लक्षण हो सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अनीमिया की एक खास क्वॉलिटी भी होती है। अनीमिया मुख्य रूप से आयरन की कमी से होता है और जब शरीर में आयरन कम हो जाता है तो इंफेक्शन पैदा होने का खतरा नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि ज्यादातर बैक्टीरिया अपनी पावर बढ़ाने के लिए आयरन पर निर्भर होते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, गर्भवती महिलाओं में अनीमिया होने का अत्यधिक खतरा रहता है। दुनियाभर में 40 फीसदी गर्भवती महिलाओं को अनीमिया होता है। वैसे तो गर्भवती महिलाओं में 20 से 30 फीसदी अधिक ब्लड सप्लाई होता है ताकि गर्भ में पल रहे बच्चे को ज्यादा मात्रा में ऑक्सीजन मिले। लेकिन ऐसा हमेशा संभव नहीं हो पाता कि गर्भवती महिलाओं के शरीर में इतनी अत्यधिक मात्रा में ब्लड प्रड्यूस हो।

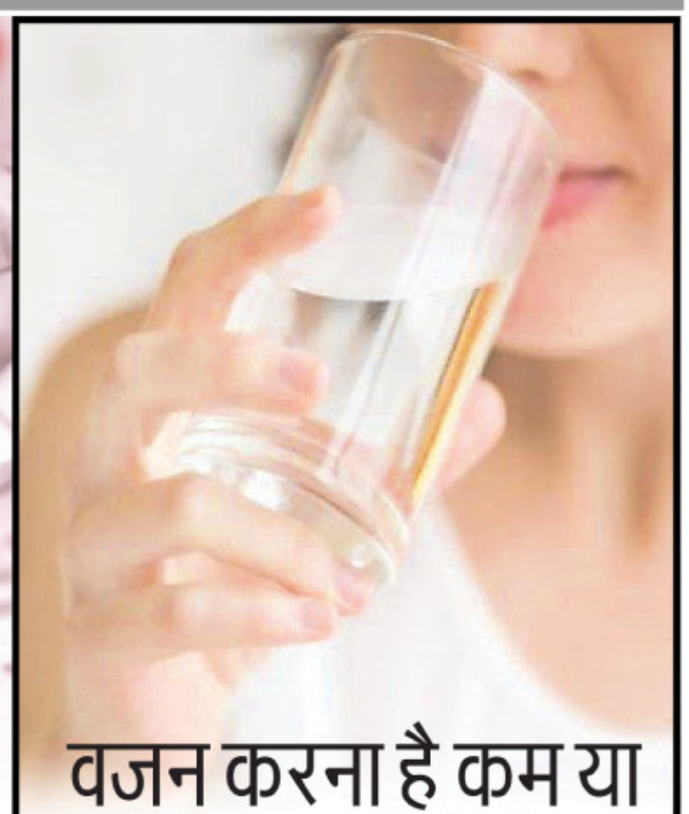

वजन करना है कम या बीपी रखना है नॉर्मल तो रोज सुबह पिएं गर्म पानी

शरीर के लिए पानी कितना अहम है इसके बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर रोज सुबह खाली पेट आप गर्म पानी पिएं तो हेल्थ को कई फायदे होते हैं।

पाचन रहे दुरुस्त

गर्म पानी पाचन में मदद करता है। ऐसा खाना जिसे पेट आसानी से पचा नहीं पा रहा हो उसे ब्रेक करने और पचाने में गर्म पानी काफी मदद करता है, इससे पेट साफ रहता है और पाचन संबंधी कोई और समस्या परेशान नहीं करती।

वेट लॉस

पाचन दुरुस्त रहे तो वेट लॉस में भी मदद मिलती है। साथ ही में गर्म पानी फैट लॉस में भी मदद करता है।

पेट दर्द व मरोड़ में राहत

पेट दर्द होने पर या मरोड़ चलने पर भी गर्म पानी काफी राहत देता है। हालांकि इसका ध्यान रहे कि पानी को धीरे-धीरे पिएं, एकदम से गर्म पानी पीना नुकसान कर सकता है। वहीं रोज सुबह गर्म पानी पिएंगे तो ये परेशानियां होंगी ही नहीं।

ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है

सुबह गर्म पानी पीने से ब्लड फ्लो और सर्कुलेशन को सुधारने में भी मदद मिलती है, यह बीपी को नॉर्मल रखने में भी मदद करता है।

गला रहेगा साफ

अक्सर सुबह उठने पर लोग कफ की शिकायत करते हैं, ऐसे में गर्म पानी पीने पर उन्हें राहत महसूस होगी। गर्म पानी कफ की समस्या को दूर कर गले को साफ रखता है।

बॉडी होगी टॉक्सिन फ्री

शरीर के टॉक्सिन को बॉडी से बाहर निकालने में भी गर्म पानी काफी मदद करता है। यह न सिर्फ हेल्थ पर पॉजिटिव असर डालता है बल्कि स्किन पर भी ग्लो लाता है।

बेवजह न करें ऐंटिबायॉटिक्स का इस्तेमाल

बारिश का मौसम वैसे तो इंजॉय करने वाला मौसम होता है लेकिन अकसर यह बीमारियों वाला मौसम साबित हो जाता है। बरसात होने के बाद तपती गर्मी से राहत तो मिलती है लेकिन उमस के कारण इस मौसम में बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं। इस कारण इस मौसम में कई बीमारियां फैलती हैं।

बरसात के मौसम में पानी से फैलने वाली बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। ऐसे में ठीक होने के लिए लोग ऐंटिबायॉटिक्स का सहारा लेते हैं। अकसर लोग बिना डॉक्टर की सलाह के ही ऐंटिबायॉटिक्स ले लेते हैं। अगर आप भी बीमार पड़ने पर बिना डॉक्टर से पूछे ऐंटिबायॉटिक्स दवाइयां खाते हैं तो सावधान हो जाइए। आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। बेवजह ऐंटिबायॉटिक्स का इस्तेमाल आपको अन्य बीमारियों के प्रति असुरक्षित बना सकता है क्योंकि इससे कई अच्छे बैक्टीरिया मर जाते हैं। ज्यादा इस्तेमाल से शरीर में ऐंटिबायॉटिक्स के लिए प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ जाती है। ऐसे में हो सकता है कि जरूरत पड़ने पर शरीर को इसका फायदा न पहुंचे। बेवजह ऐंटिबायॉटिक्स खाने से बेहतर होगा कि आप बारिश के मौसम में होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक रहें और उनसे बचने की कोशिश करें।

जामुन खाने से सेहत ही नहीं, सुंदरता में भी आता है निखार

काले, मीठे, रसीले और स्वाद भरे जामुन...बारिश के मौसम में आते ही, हर मन पर राज करते हैं और इसका स्वाद चखे बिना कोई नहीं रह पाता। स्वाद में जितने लाजवाब, उतने ही बेशकीमती हैं इसके सेहत एवं सौंदर्य लाभ। जानिए जामुन के 7 बेहतरीन लाभ -

काले-काले, मीठे और रसीले जामुन किसे पसंद नहीं होते। स्वाद में यह जितने लाजवाब हैं, सेहत और सौंदर्य के लिए भी उतने ही फायदेमंद। क्या आपको पता हैं इसे बेमिसाल लाभ अगर नहीं पता तो जरूर जान लीजिए इसके बेहतरीन फायदे...

- जामुन और आम का रस बराबर मात्रा में मिलाकर पीने से मधुमेह के रोगियों को लाभ होता है। यह त्वचा का रंग बनाने वाली रंजक द्रव्य मेलानिन कोशिका को सक्रिय करता है, अतः यह रक्तहीनता तथा ल्यूकोडर्मा की उत्तम औषधि है।
- गठिया के उपचार में जामुन बेहद उपयोगी है। इसकी छाल को खूब उबालकर बचे हुए घोल का लेप घुटनों पर लगाने से गठिया में आराम मिलता है। इसमें मौजूद तांबा शीघ्र अवशोषित होकर रक्त निर्माण करने में सहायक है।
- मुंह में छाले होने पर जामुन का रस लगाने, पीने एवं जामुन के पत्तों का चबाने से बहुत जल्दी लाभ होता है। जामुन के पत्तों को अच्छी तरह से चबाकर थूकते रहें। छाले गायब हो जाएंगे।
- जामुन का रस, शहद, आंवले या गुलाब के फूल का रस बराबर मात्रा में मिलाकर एक-दो माह तक प्रतिदिन सुबह के वक्त सेवन करने से रक्त की कमी एवं शारीरिक दुर्बलता दूर होती है। यौन तथा स्मरण शक्ति भी बढ़ जाती है।
- जामुन के एक किलोग्राम ताजे फलों का रस निकालकर ढाई किलोग्राम चीनी मिलाकर शरबत जैसी चाशनी बना लें। इसे एक ढक्कनदार साफ बोतल में भरकर रख लें। जब कभी उल्टी-दस्त या हैजा जैसी बीमारी की शिकायत हो, तब दो चम्मच शरबत और एक चम्मच अमृतधारा मिलाकर पिलाने से तुरंत राहत मिल जाती है।
- भूख न लगने की स्थिति में कुछ दिनों तक जामुन के रस का सेवन आश्चर्यजनक रूप से फायदेमंद साबित होता है। वहीं कब्ज और पेट संबंधी रोगों में जामुन का सिरका चमत्कारिक लाभ देता है।
- विषैले जंतुओं के काटने पर जामुन की पत्तियों का रस पिलाना चाहिए। काटे गए स्थान पर इसकी ताजी पत्तियों का पुल्टिस बांधने से घाव स्वच्छ होकर ठीक होने लगता है, चूंकि, जामुन के चिकने पत्तों में नमी सोखने की अद्भुत क्षमता होती है।

विशेष: इतना ध्यान रहे कि अधिक मात्रा में जामुन खाने से शरीर में जकड़न एवं बुखार होने की संभावना भी रहती है। इसको कभी खाली पेट नहीं खाना चाहिए और न ही इसके खाने के बाद दूध पीना चाहिए।

एक गिलास दूध में 1 चम्मच शहद मिलाकर पीएं मिलेंगे जबरदस्त फायदे

हम सभी जानते हैं कि दूध और शहद दोनों ही हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद हैं। शहद में विटामिन-ए, बी और सी पाया जाता है। इसमें ढेर सारे एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। इसके अलावा शहद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुणों से भरपूर होता है। शहद में फैट नहीं होता, इसलिए यह वजन घटाने में मदद करता है। शहद कुछ सामान्य बीमारियों जैसे- सर्दी, जुकाम आदि में भी काफी फायदेमंद होता है।

दूध एक संपूर्ण आहार है। जिसमें विटामिन ए, विटामिन बी और डी की पर्याप्त मात्रा होती है। इसके अलावा ये कैल्शियम, प्रोटीन और लैक्टिक एसिड से भी भरपूर होता है। दूध के सेवन से हड्डियां और दांत स्वस्थ रहते हैं। यह भी कहा जाता है कि दूध पीने से तनाव दूर होता है और यह शरीर को हाइड्रेड रखता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अलग-अलग सेवन के बजाय अगर आप दूध और शहद का सेवन एक साथ करें, तो ये आपके लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं। जी हां, गुनगुने दूध में शहद मिलाकर पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आइए आपको बताते हैं इसके ढेर सारे लाभ।

बेहतर होता है पाचन

शहद एक प्रीबायोटिक आहार है, जो पाचन को बेहतर बनाता है। शहद पाचन तंत्र में उपयोगी बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देता है। इसलिए जब आप शहद के साथ हर दिन दूध का सेवन करते हैं, तो ये आपको पाचन क्रिया में काफी मदद करता है। इसके नियमित सेवन से आपको सूजन, कब्ज और ऐंठन जैसे समस्याओं से छुटकारा मिलता है और आप स्वस्थ रहते हैं।

स्टेमिना बढ़ाते हैं दूध और शहद

ठंडे दूध में शहद मिलाकर पीने से आपका स्टेमिना (शारीरिक क्षमता) बढ़ता है। सुबह एक गिलास दूध के साथ शहद पीने से आपको कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन और अन्य आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। एक गिलास दूध और एक चम्मच शहद आपको पूरे दिन एनर्जी से भरपूर रखेंगे। शहद मेटाबॉलिक रेट और शारीरिक प्रक्रिया को बढ़ाता है, ये आपको काम करने के लिए पर्याप्त सभी ऊर्जा देने में आपकी मदद करता है।

त्वचा की देखभाल करता है

शहद और दूध के मिश्रण में कई ऐसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो आपकी त्वचा को चिकना और चमकदार बनाते हैं। इसमें प्रोटीन्स, अमीनो एसिड्स, विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। दूध और शहद पीने के साथ-साथ इससे नहाने से भी त्वचा स्वस्थ रहती है और निखार आता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में 150 मिलीग्राम दूध और 2 चम्मच शहद मिलाकर नहाएं। इस तरह नहाने से त्वचा का संक्रमण मुंहासे और प्रदूषण के कारण होने वाले त्वचा रोगों से छुटकारा मिलता है।

हड्डियों को रखता है स्वस्थ

उम्र बढ़ने के साथ ही बहुत लोगों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। ऐसे में दूध और शहद उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जिनकी हड्डियां कमजोर हैं या जिन्हें हड्डियों से जुड़ी बीमारियां हैं। दूध में कैल्शियम की मात्रा भरपूर होती है, जो हड्डियों के लिए आवश्यक तत्व है। शहद और इसके एंजाइम शरीर में पोषक तत्वों को रेगुलेट (प्रवाहित) करने में मदद करते हैं। कैल्शियम वाले आहारों के सेवन से दांत भी मजबूत और स्वस्थ रहते हैं।

अच्छी नींद के लिए दूध और शहद

आजकल बहुत से लोग तनाव या मानसिक चिंता की वजह से ठीक से सो नहीं पाते हैं। युवाओं में देर रात तक जागने और मोबाइल के इस्तेमाल के कारण स्लीप एप्निया (अनिद्रा) की समस्या काफी बढ़ गई है। नींद की कमी कई तरह के शारीरिक और मानसिक रोगों को बढ़ावा देती है। अगर आप एक गिलास गुनगुने दूध में शहद मिलाकर पीते हैं, तो आपको रात में अच्छी और गहरी नींद आती है।

रेसिपी

लहसुनी दाल

सामग्री

- अरहर दाल: 1 कप
- इमली का पेस्ट: 1/4 कप
- हरी मिर्च: 1-2
- लहसुन: 10 कलियां
- तेल : 1 बड़ा चमच्च
- राई: 1 छोटा चमच्च
- कढ़ी पत्ता: 6-7
- हरा धनिया
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

लहसुनी दाल बनाने के लिए सबसे पहले, दाल को प्रेशर कुकर में पानी और हल्दी के साथ पका लें। पकने के बाद उसे ठंडा होने के लिए रख दें। अब एक कढ़ाई में हरी मिर्च को बिना तेल के फ्राई कर अलग रख दें। अब एक मिक्सर में दाल, हरी मिर्च, लहसुन, इमली का पेस्ट और नमक डाले और पीस लेंगे। अब कढ़ाई में तेल गरम करें। इसमें राई और कढ़ी पत्ता डालें। 10 सेकंड बाद इसमें पीसी हुई दाल डाले और गैस बंद कर दे। बंद करने के बाद, हरे धनिए से गार्निश करें।

तवा पुलाव

सामग्री

- चावल: 1/2 कप
- तेल या मक्खन: 1 चम्मच
- जीरा: 1/2 चम्मच
- प्याज बारीक काटा: 1/4 कप
- अदरक:लहसुन पेस्ट- 1 चम्मच
- टमाटर: 1/3 कप
- पावभाजी मसाला: 1 बड़ा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- शिमला मिर्च: 1/4 कप बारीक कटी
- सीजनल सब्जियां (आलू, गाजर, बींस, मटर): 3/4 कप
- हरी धनिया: बारीक कटी
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

चावल को धोकर अच्छे से पका लें। सारी सब्जियों को काटकर हल्का उबाल लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें। उसमें जीरा डालकर तड़काएं। अब इसमें प्याज डालें और उसे सुनहरा भूरा करें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर भूनेंगे। फिर टमाटर और नमक डालकर नरम होने तक पकाएं। अब इसमें सभी उबली हुई सब्जियों को डाल दें। ऊपर से पावभाजी मसाला डालें और पानी डालकर थोड़ी और देर पकाएं। पानी की मात्रा बहुत ज्यादा न हो। अब इसमे चावल डालेंगे और ऊपर से बारीक कटी हरी धनिया डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1793

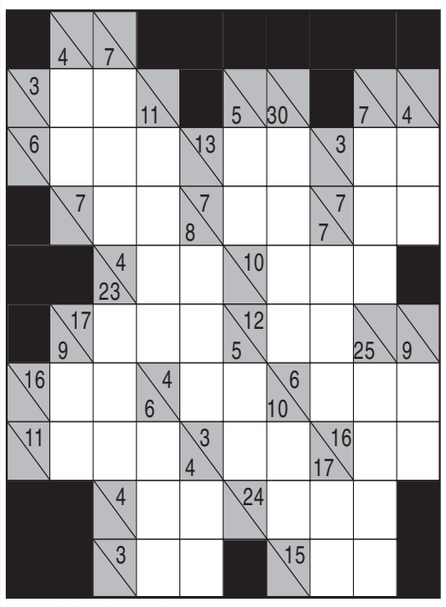

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

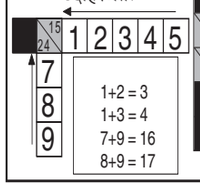

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1792 का हल

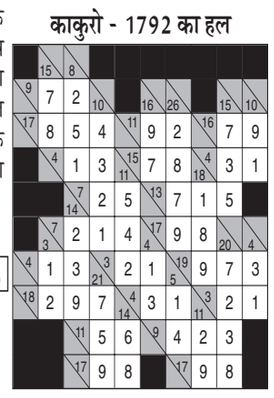

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी (प्रेमिका से)- मुझे समझ में नहीं आता कि भगवान ने तुम्हें इतना सुंदर बनाने के साथ-साथ इतना मूर्ख क्यों बनाया?

प्रेमिका- ताकि हम दोनों का मिलन हो सके।

प्रेमी- वह कैसे?

प्रेमिका- मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हे पसंद किया...! समझे।

□ □ □

प्रेमी अपने साथ पढ़ रही प्रेमिका से- प्रिये! देखों मैं धोखा खा गया।

प्रेमिका- कैसे, कब और हुआ क्या?

प्रेमी- मैंने तुम्हें मोबाइल दिलाने के लिए घर वालों से झूठ बोलकर किताबों के नाम से पैसे मँगाए थे। उन्होंने किताबें ही भेज दीं।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- अभी यहाँ तुम्हारे पास आते समय रास्ते में कहीं मेरी कलम कहीं खो गई।

प्रेमिका- मेरी तो आज तक कभी कोई चीज नहीं खोई।

प्रेमी- क्यों झूठ बोल रही हो? प्रेम दिवस के दिन ही तो तुम कह रही थी कि मेरा दिल न जाने कहाँ खो गया है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1793

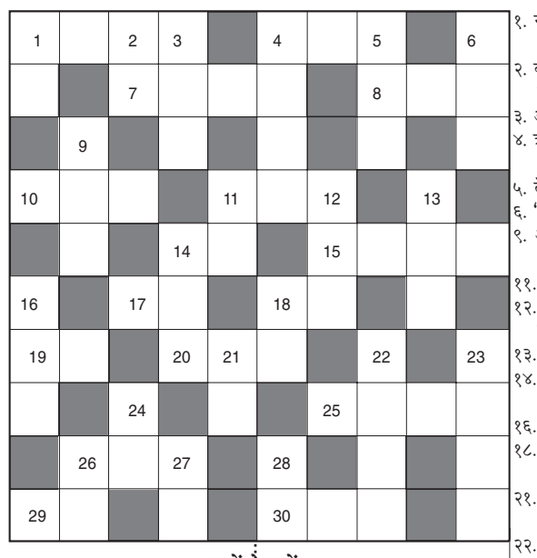

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1792

सूडोकु -1793

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1792 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 1793

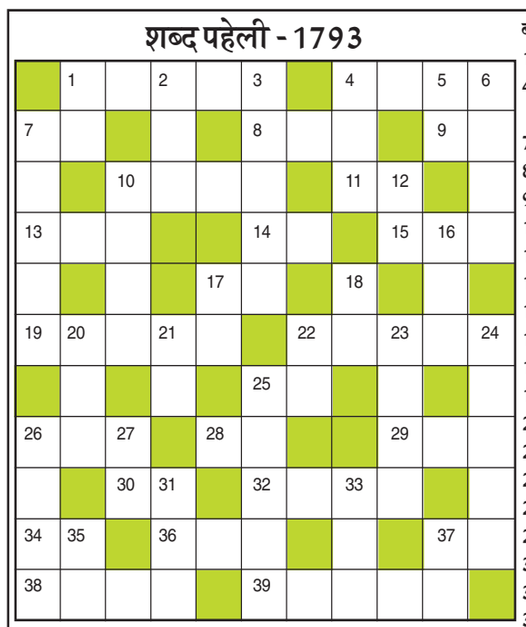

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली - 1792 का हल

मथुरा में पानी की टंकी गिरने से बड़ा हादसा, दो की मौत, कई घायल

एजेंसी

मथुरा। मथुरा के कृष्णा विहार इलाके में पानी की टंकी गिरने से बड़ा हादसा हुआ। पानी की टंकी भरभराकर गिरने की वजह से दो लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने की खबर सामने आ रही है। यह पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के कृष्णा विहार इलाके का है। जानकारी के अनुसार, इस हादसे में एक बच्ची और एक महिला की मौत हुई है। टंकी गिरने से सड़क पर खड़े कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई घरों में टंकी का मलबा और पानी घुस गया है। हादसे में घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। एसएसपी शैलेश पांडेय और डीएम शैलेंद्र सिंह फोर्स और एनडीआरएफ की टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

सीएम योगी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव को दी जन्मदिन की बधाई

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सपा प्रमुख को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने लिखा, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि आपको सुदीर्घ जीवन और उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति हो। अखिलेश के जन्मदिन के मौके पर सपा की तरफ से अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। पार्टी 1 से 7 जुलाई तक राज्य के प्रत्येक गांव में 'पीडीए' वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने चिकित्सकों को बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चिकित्सक दिवस पर सभी चिकित्सकों को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार भारत में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि चिकित्सकों को उनका उचित सम्मान मिले। प्रधानमंत्री एक्स हैंडल पर लिखा है, "#DoctorsDay की शुभकामनाएं। यह हमारे स्वास्थ्य सेवा के नायकों के अतुलनीय समर्पण और करुणा का सम्मान करने का दिन है। वे उल्लेखनीय कौशल के साथ सबसे चुनौतीपूर्ण जटिलताओं से निपट सकते हैं। हमारी सरकार भारत में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है कि चिकित्सकों को वह व्यापक सम्मान मिले जिसके वे हकदार हैं।'

राज्य सभा में विपक्ष के नेता खरगे ने की संसद की प्रतिमाओं को उनके मूल स्थान पर लगाने की मांग

नई दिल्ली। राज्य सभा में सोमवार को विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद परिसर के विभिन्न स्थानों पर लगी महापुरुषों की प्रतिमाओं को एक स्थान पर लगाकर प्रेरणा स्थल बनाए जाने पर आपत्ति जताते हुए मांग की कि सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं को उनके मूल स्थान पर लगाया जाए। नेता विपक्ष ने सवाल खड़ा किया कि संसद परिसर में प्रतिमाओं को लगाने और स्थानांतरित करने से जुड़ी एक समिति है। उस समिति की अनुमति के बिना प्रतिमाओं को स्थानांतरित किया गया है।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्टीकरण दिया कि यह प्रतिमाएं पुरानी संसद के चारों ओर लगी हुई थीं। पुरानी संसद का गोलाकार स्वरूप था जबकि वर्तमान संसद का स्वरूप अलग है और इसका एक निश्चित आरंभ स्थल है। ऐसे में प्रतिमाओं को स्थानांतरित कर एक प्रेरणास्थल बनाया गया है। इससे किसी का भी अपमान नहीं हुआ है। इससे पहले विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि संसद परिसर में स्थित महात्मा गांधी, शिवाजी, बीआर आम्बेडकर और अन्य की मूर्तियों को उनके मूल स्थानों पर वापस लाया जाए। मूर्तियों को परिसर के पीछे स्थित प्रेरणा स्थल पर स्थानांतरित कर दिया गया है।विपक्षी दलों ने इस निर्णय की कड़ी आलोचना की है और इसे वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

मोहन भागवत ने 'मेरे पापा परमवीर' पुस्तक का किया विमोचन

वीर अब्दुल हमीद पर आधारित है किताब

एजेंसी

गाजीपुर । आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सोमवार को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पहुंचे। गाजीपुर के धामुपुर गांव में उन्होंने डॉ रामचंद्रन श्रीनिवासन द्वारा लिखी गई 'मेरे पापा परमवीर' पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक परमवीर चक्र विजेता शहीद अब्दुल हमीद पर आधारित है।

पुस्तक का विमोचन करने के बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जानवर और इंसान में फर्क पर बात करते हुए कहा कि जानवर अपने लिए जीता है, लेकिन इंसान दूसरे के लिए जीता है। इसी तरह अब्दुल हमीद देश के लिए जिये और देश के लिए रण में शहीद हो गए। उन्होंने कहा कि हाथी अगर साइकिल चलाने लगे तो वह विकास नहीं है। लेकिन, हां अगर हाथी सूंड से अपने बच्चे की रक्षा करता है तो ये विकास है। बलिदान की भावना ही मनुष्य को अमर शहीद बनाती है।

परमवीर चक्र विजेता शहीद अब्दुल हमीद भारतीय सेना में तैनात थे। 1965 में हुए भारत-पाक युद्ध के दौरान 10 सितंबर को वह खेमकरन सेक्टर के अग्रिम मोर्चे पर तैनात थे। ड्यूटी के दौरान आरसी गन से पाकिस्तानी सेना के कई पैटर्न टैंकों को ध्वस्त कर शौर्य और पराक्रम का परिचय देते हुए वो शहीद हो गए। शहादत के बाद मरणोपरांत उन्हें परमवीर चक्र से नवाजा गया था।

भाजपा ने कहा-पश्चिम बंगाल में जंगलराज, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस्तीफा दें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल में एक युवा जोड़े की बेरहमी से की गई पिटाई पर राज्य की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर हमलावर है। भाजपा ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में जंगल राज है। वहां महिलाएं असुरक्षित हैं। इस बारे में भाजपा मुख्यालय में सोमवार को प्रेसवार्ता में प्रवक्ता गौरव भाटिया ने ममता बनर्जी से इस्तीफा देने की मांग की। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि यह हर नागरिक के लिए पीड़ाजनक है कि एक महिला मुख्यमंत्री जिनके पास राज्य का गृह मंत्रालय भी है, वो अपनी पार्टी की गुंडों को खुली छूट देती हैं। बंगाल की कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। पश्चिम बंगाल को संभालने में ममता बनर्जी असमर्थ हैं। उन्हें अब इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ममता बनर्जी से त्रस्त है। यह कहना गलत नहीं होगा कि जंगल-राज कैसा होता है? ममता-राज जैसा होता है। ममता बनर्जी को टीएमसी के गुंडों के सरंक्षण की चिंता है। तजमुल उर्फ जेसीबी संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। उन्होंने कहा कि जब एक पत्रकार टीएमसी के विधायक हमीदुल रहमान से पूछते हैं तो वे जवाब में कहते हैं कि मुस्लिम देशों में कुछ कानून ऐसे हैं। वहां ऐसे ही इंसाफ होता है। यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि क्या जेसीबी ममता बनर्जी के घर में पार्क होता है। क्या हमीदुल रहमान ममता बनर्जी की सोच को आगे बढ़ा रहे हैं? उन्होंने कहा कि संदेशखाली में भी ममता बनर्जी ने चुप्पी साध रखी है। उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोलते हुए कहा कि संविधान की प्रतियां ले कर घूमने वाले इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं।

राज्य सभा सभापति ने टी-20 विश्व कप में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की जीत के लिए सदन को दी बधाई

नई दिल्ली। राज्य सभा सभापति जगदीप धनखड़ ने टी-20 विश्व कप में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की जीत के लिए सदन को बधाई दी है। उपराष्ट्रपति और राज्य सभा सभापति जगदीप धनखड़ ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार 01 जुलाई को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा,'भारतीय क्रिकेट टीम को टी-20 विश्व कप की शानदार जीत के लिए बधाई।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धियां हमारे देश के प्रत्येक नागरिक को बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने और सर्वोच्चता हासिल करने के लिए प्रेरित करती हैं।

विकसित भारत के निर्माण के लिए विकसित मानसिकता आवश्यक : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए विकसित मानसिकता आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अधिकारी नई सोच और नए समाधानों के साथ देश के विकास को आगे बढ़ाएंगे। राष्ट्रपति ने सोमवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 2022 बैच के अधिकारियों के एक समूह को राष्ट्रपति भवन में संबोधित करते हुए उक्त बातें कहीं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने आईएएस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश में भारतीय प्रशासनिक सेवा को एक स्वप्निल करियर (ड्रीम जॉब) माना जाता है। उन्होंने कहा कि लाखों महत्वाकांक्षी युवा आईएएस अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। उनमें से कई इस सेवा में चयन के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे सभी युवाओं में से केवल आपको ही इस प्रतिष्ठित सेवा के माध्यम से नागरिकों के कल्याण के लिए काम करने का अवसर मिला है। उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि वे जहां भी काम करें, अपनी संवेदनशीलता, ईमानदारी और कार्यकुशलता से अपनी छाप छोड़ें।

राष्ट्रपति ने कहा कि इस उच्च प्रौद्योगिकी युग में जब लोगों को देश-दुनिया की जानकारी वास्तविक समय में मिल रही है, तब अधिकारियों की चुनौतियां और बढ़ गई हैं। जब तक आप किसी भी योजना के सामाजिक या आर्थिक लक्ष्य को प्राप्त करेंगे, तब तक लोगों की ज़रूरतें, जागरूकता और आकांक्षाएं और बढ़ चुकी होंगी। इसलिए आपको ऐसी व्यवस्थाएं बनानी चाहिए जो उन्हें भविष्य के लिए तैयार रहने में सक्षम बनाएं।

राष्ट्रपति ने कहा कि बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने, समावेशी और सतत विकास तथा हर वर्ग के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रशासन की कार्य संस्कृति जनभागीदारी पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के संदर्भ में अधिकारियों को न केवल प्रशासक बल्कि सुविधाप्रदाता और प्रबंधक की भूमिका भी निभानी होगी। आपकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि आप सभी को साथ लेकर कैसे जवाबदेह, पारदर्शी और प्रभावी प्रशासन प्रदान कर पाते हैं।राष्ट्रपति ने कहा कि प्रशासक के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात लोगों का विश्वास जीतना और उसे बनाए रखना है। उन्होंने लोगों को सुलभता, पारदर्शिता और विश्वास निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की सलाह दी। हालांकि, उन्होंने अधिकारियों को आत्म-प्रचार के लिए प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से सोशल मीडिया का उपयोग करने से बचने की सलाह दी। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि उन्हें नैतिकता से जुड़े किसी भी समझौते से निपटने के लिए शुरू से ही सतर्क और सक्रिय रहना होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने के साथ-साथ अधिकारी अपने निजी आचरण में ईमानदारी, धार्मिकता और स्थिरता को भी बढ़ावा देंगे।

लोकसभा में राहुल गाँधी का मोदी सरकार पर हमला,संसद में दिखाई भगवान शिव की फोटो, स्पीकर ने याद दिलाया नियम

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा भारत के विचार, संविधान और संविधान पर हमले का विरोध करने वाले लोगों पर एक व्यवस्थित और पूर्ण पैमाने पर हमला किया गया है। हम में से कई लोगों पर व्यक्तिगत रूप से हमला किया गया। कुछ नेता अभी भी जेल में हैं। जिसने भी सत्ता और धन के संकेन्द्रण, गरीबों और दलितों और अल्पसंख्यकों पर आक्रमण के विचार का विरोध किया, उसे कुचल दिया गया। भारत सरकार के आदेश पर, भारत के प्रधानमंत्री के आदेश पर मुझ पर हमला किया गया,इसका सबसे सुखद हिस्सा ईडी द्वारा 55 घंटे की पूछताछ थी। राहुल गांधी ने सदन में भगवान शिव की तस्वीर दिखाई. इस पर स्पीकर ने उन्हें टोका, उन्होंने कहा कि नियम के तहत यह उचित नहीं है। राहुल ने कहा कि तस्वीर के माध्यम से कुछ बताना चाहता हूं. शिवजी से कभी न डरने की शक्ति मिलती है. शिवजी ने हमे सत्य से कभी पीछे नहीं हटने की प्रेरणा मिलती है। बाएं हाथ में शिवजी का त्रिशुल अहिंसा का प्रतीक है. दाहिने हाथ में होता तो हिंसा का प्रतीक होता. सत्य, साहस और अहिंसा हमारा संबल है।

डिजिटल इंडिया एक दशक में की गई भारत की प्रगति की झलक : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को डिजिटल इंडिया पहल के 9 साल पूरे होने के अवसर पर कहा कि यह एक दशक में की गई भारत की प्रगति की झलक देता है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि डिजिटल इंडिया एक सशक्त भारत है, जो 'जीवन की सुगमता' और पारदर्शिता को बढ़ावा देता है। यह धागा प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग के कारण एक दशक में की गई प्रगति की एक झलक देता है। उल्लेखनीय है कि डिजिटल इंडिया भारत सरकार द्वारा 2015 में शुरू किया गया एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और अर्थव्यवस्था में बदलना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार, डिजिटल साक्षरता बढ़ाना, डिजिटल सेवाओं को बढ़ाना, डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करना और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।

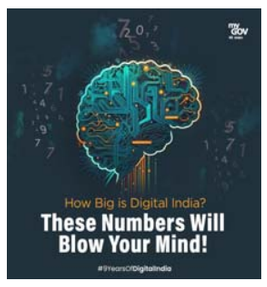

डिजिटल इंडिया के अंतर्गत पहलों में आधार (विशिष्ट पहचान कार्यक्रम), डिजिटल लॉकर (सुरक्षित दस्तावेज़ भंडारण), ई-सेवाएं (ऑनलाइन सरकारी सेवाएं), भारतनेट (ग्रामीण ब्रॉडबैंड नेटवर्क), मेक इन इंडिया (इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देना), स्टार्टअप इंडिया (उद्यमिता को प्रोत्साहित करना) और डिजिटल भुगतान (नकद रहित लेनदेन को बढ़ावा देना) शामिल हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने संभाली शिमला में सेना प्रशिक्षण कमान

एजेंसी

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने सोमवार को शिमला स्थित सेना प्रशिक्षण कमान के 25वें जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ के रूप में पदभार संभाला। वीरता के लिए सेना पदक प्राप्त करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए केंद्रीय सेना कमांडर के प्रशस्ति पत्र और संयुक्त राष्ट्र बल कमांडर की प्रशंसा से भी सम्मानित किया गया है। उन्हें 26 जनवरी, 2022 को अति विशिष्ट सेवा पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है।

जनरल देवेंद्र शर्मा अजमेर के मेयो कॉलेज, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र हैं। प्रतिष्ठित 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' हासिल करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल को 19 दिसंबर, 1987 को 'द सिंध हॉर्स' में कमीशन दिया गया था। लगभग चार दशकों के शानदार करियर में उन्होंने विभिन्न संवेदनशील परिचालन क्षेत्रों, आतंकवाद विरोधी माहौल और उच्च ऊंचाई वाले इलाकों में महत्वपूर्ण कमांड नियुक्तियों को संभाला है। उन्होंने स्ट्राइक कोर के हिस्से के रूप में एक बख्तरबंद ब्रिगेड 'द सिंध हॉर्स', एक इन्फैंट्री डिवीजन और पश्चिमी मोर्चे पर एक कोर की कमान संभाली है। वह सेना प्रशिक्षण कमान का कार्यभार संभालने से पहले मुख्यालय पश्चिमी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ थे। उनके अनुभवों में परिचालन और प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों में चुनौतीपूर्ण कार्य शामिल हैं। वह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षक, भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल, भूटान में स्टाफ ऑफिसर ऑपरेशन और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र मिशन के मुख्य सैन्य कार्मिक अधिकारी रह चुके हैं। जनरल ने रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम और लोक प्रशासन में उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित पाठ्यक्रमों में भाग लिया है। कमान संभालने पर जनरल ऑफिसर ने वीर नारियों, दिग्गजों और रक्षा नागरिक कर्मचारियों के सभी रैंकों के साथ-साथ उनके परिवारों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

चारधाम यात्राः आसान नहीं पहाड़ पर चढ़ाई, जान ले लेगी जरा सी ढिलाई, अब तक 162 ने गवाई जान

एजेंसी

देहरादून। चारधाम यात्रा आसान नहीं है। खास तौर पर उनके लिए जो पूरी तरह से फिट नहीं है। कारण चढ़ाई वाले रास्ते और उस पर बदले मौसम के साथ हवा में ऑक्सीजन की कमी। ऐसे में दिल कमजोर है तो दिक्कत होनी स्वाभाविक है। खराब मौसम के बावजूद इन दिनों चारधाम यात्रा चरम पर है। ऐसे में कई तीर्थयात्री एहतियात नहीं बरत रहे हैं। जरा सी ढिलाई पर अब तक 162 तीर्थयात्रियों ने जान गवां दी है।

उत्तराखंड की चारधाम यात्रा विश्वभर में प्रसिद्ध है। एक तरफ खाई तो दूसरे तरफ पहाड़, पथरीले, घुमावदार व चढ़ाईनुमा रास्ता होने के बावजूद आस्था की डगर पर देश-दुनिया से आने वाले तीर्थयात्री मन्नतों की मंजिल की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह ब्लड प्रेशर समेत अन्य जरूरी जांच कर यात्रियों को आगाह किया जा रहा है लेकिन डॉक्टरों की सलाह को दरकिनार कर जोश में कम समय में यात्रा पूरी करने निकलने वाले लोग जान को खतरे में डाल रहे हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र देहरादून उप सचिव व ड्यूटी आफिसर शिव स्वरूप त्रिपाठी ने बताया कि चारधाम यात्रा में अब तक 162 तीर्थयात्रियों की मौत हुई है। केदारनाथ धाम में सबसे अधिक 77 तीर्थयात्रियों ने जान गवाई है। बद्रीनाथ धाम में अब तक 39, यमुनोत्री धाम में 29 व गंगोत्री धाम में 13 तो हेमकुंड साहिब में अब तक चार तीर्थयात्रियों की मौत हुई है।

त्रिपाठी ने बताया कि विषम भौगोलिक परिस्थितियां, पहुंच मार्ग पर चढ़ाई और बदलते मौसम से यात्रियों की तबियत खराब हो रही है, जिसमें कुछ को जान गंवानी पड़ रही है। समुद्रतल से 11,750 फीट की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ में ऑक्सीजन का दबाव काफी कम है। यहां मौसम के खराब होते ही चारों तरफ कोहरा छाने और बर्फबारी से दिन-दोपहर में ही सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। यहां कई यात्रियों को धड़कन बढ़ने, बेचैनी, चक्कर आने और सीने में दर्द की शिकायत होती है, जो हृदयाघात का कारण बनती है।

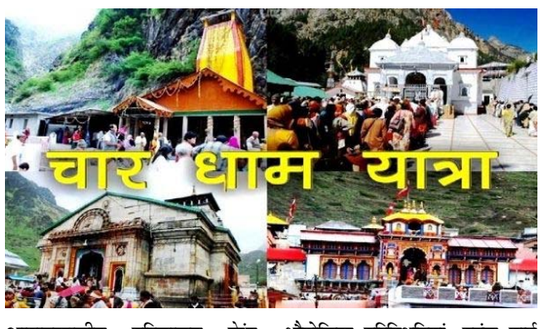

मैदानी क्षेत्र से पहाड़ में आने के लिए यात्री पहले स्वास्थ्य जांच कराएं और अपने साथ जरूरी दवा जरूर रखें। केदारनाथ क्षेत्र में ऑक्सीजन 55 से 57 फीसदी है, जिसमें कई लोगों को सांस लेने में दिक्कत होना आम है। ऐसे में जरूरी है कि पहले से एतिहात बरतें। केदारनाथ आने वाले यात्रियों को अपने साथ फर्स्ट-एड बॉक्स में छोटा ऑक्सीजन सिलेंडर शामिल करना चाहिए। साथ ही गर्म कपड़े अति आवश्यक हैं। साथ ही खाली पेट न रहा जाए और पीने के लिए गर्म पानी का उपयोग हो। अभी तक धामों में हुई मौतों में बीपी के मरीजों की संख्या अधिक है।

नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा में किसी भी अभ्यर्थी को नहीं मिले पूरे अंक

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2024 की 23 जून को हुई पुनः परीक्षा (रीटेस्ट) का परिणाम घोषित कर दिया है। नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा देने वाले 813 अभ्यर्थियों में से किसी को भी पूरे अंक नहीं मिले, जिससे टॉपरों की संख्या 67 से घटकर 61 हो गई है।

नीट अधिकारियों ने बताया कि एनटीए ने चयनित 1563 अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित की थी, जिन्हें शुरू में ग्रेस मार्क्स दिए गए थे, क्योंकि उन्होंने दावा किया था कि उन्हें परीक्षा के समय का नुकसान हुआ था।

अधिकारियों ने बताया कि इस परीक्षा में 1,563 अभ्यर्थियों में से 813 ने दोबारा परीक्षा दी थी। जबकि दोबारा परीक्षा उन्हीं छह शहरों में आयोजित की गई थी, लेकिन यह अलग-अलग केंद्रों पर हुई। 813 अभ्यर्थियों में से कोई भी 720/720 अंक प्राप्त करने में सफल नहीं रहा, जिससे टॉपर्स की संख्या 67 से घटकर 61 हो गई। छह अभ्यर्थियों में से पांच, जिन्हें पहले 720/720 का परफेक्ट स्कोर मिला था, 23 जून को दोबारा परीक्षा में शामिल हुए। हालांकि, उन्होंने 680 से ऊपर का उच्च स्कोर दोहराया।

आंकड़ों के अनुसार, चंडीगढ़ से दो में से कोई भी उम्मीदवार परीक्षा में शामिल नहीं हुआ। छत्तीसगढ़ से कुल 602 में से 291 छात्र, गुजरात से 1 छात्र, हरियाणा से 494 में से 287 और मेघालय के तुरा से 234 छात्र परीक्षा में शामिल हुए।प्रभावित छात्रों को या तो अपने मूल अंक बरकरार रखने का विकल्प दिया गया है, यानी बिना ग्रेस मार्क्स के, या फिर दोबारा परीक्षा देने का। 23 जून को दोबारा परीक्षा देने वाले छात्रों को संशोधित अंक जारी किए जाएंगे। हालांकि, जिन छात्रों ने दोबारा परीक्षा नहीं दी है, उन्हें अब उनके पुराने मूल अंक दिए जाएंगे, जो बिना ग्रेस मार्क्स वाले अंक हैं।

नेशनल पोस्टल वर्कर्स डे : डाककर्मियों की भूमिका में हो रहे तमाम परिवर्तन

एजेंसी

प्रयागराज। विश्व भर में डाक सेवाओं में आमूल चूल परिवर्तन आये हैं। फिजिकल मेल से डिजिटल मेल के इस दौर में डाक सेवाओं में विविधता के साथ कई नए आयाम जुड़े हैं। डाककर्मी सरकारों और आमजन के बीच सेवाओं को प्रदान करने वाले एक अहम कड़ी के रूप में उभरे हैं।

ऐसे में 01 जुलाई को पूरी दुनिया में 'नेशनल पोस्टल वर्कर्स डे' के दिन डाककर्मियों का आभार व्यक्त करने का प्रचलन उभरा है।

प्रयागराज एवं वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि 'नेशनल पोस्टल वर्कर डे' की अवधारणा अमेरिका से आई। जहां वाशिंगटन राज्य के सीऐटल शहर में वर्ष 1997 में कर्मचारियों के सम्मान में इस विशेष दिवस की शुरुआत की गई। धीरे-धीरे इसे भारत सहित अन्य देशों में भी मनाया जाने लगा। यह दिन दुनिया भर में डाककर्मियों द्वारा की जाने वाली सेवा के सम्मान में मनाया जाता है। पोस्टमास्टर जनरल ने बताया कि डाककर्मियों की भूमिका में तमाम परिवर्तन आए हैं। 'डाकिया डाक लाया' के साथ 'डाकिया बैंक लाया' भी अब उतना ही महत्वपूर्ण है। पत्रों व पार्सल के साथ-साथ आधुनिक दौर में लोगों के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण चीजें पोस्टमैन ही घर-घर वितरित करता है। आधार कार्ड, पासपोर्ट, पैन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, बैंक चेक बुक, एटीएम जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों के साथ-साथ विभिन्न मंदिरों के प्रसाद, दवाइयां और रक्षाबंधन पर्व पर राखियां भी डाकियों द्वारा ही पहुंचायी जा रही हैं। ई-कामर्स को बढ़ावा देने हेतु कैश ऑन डिलीवरी, लेटर बाक्स से नियमित डाक निकालने हेतु नन्यथा मोबाइल ऐप एवं डाकियों द्वारा एण्ड्रॉयड बेस्ड स्मार्ट फोन आधारित डिलीवरी और वित्तीय सेवाएं प्रदान करना जैसे तमाम कदम डाक विभाग की अभिनव पहल है।

बाढ़ के समय राहत और बचाव के लिए बेहतर कोऑर्डिनेशन और क्विक एक्शन जरूरी : मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बाढ़ प्रबंधन और जन-जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत जारी तैयारियों की समीक्षा की और व्यापक जनहित में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में व्यापक जन-धन हानि के लिए दशकों तक कारक रही बाढ़ की समस्या के स्थायी निदान के लिए विगत 07 वर्षों में किए गए सुनियोजित प्रयासों के अच्छे परिणाम मिले हैं। बाढ़ की दृष्टि से अति संवेदनशील जिलों की संख्या में अभूतपूर्व कमी आई है। विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार हमने आधुनिकतम तकनीक का प्रयोग कर बाढ़ से खतरे को न्यूनतम करने में सफलता पाई है। बाढ़ से जन-जीवन की सुरक्षा के लिए अंतरविभागीय समन्वय से अच्छा कार्य हुआ है। इस वर्ष भी बेहतर कोऑर्डिनेशन, क्विक एक्शन और बेहतर प्रबन्धन से बाढ़ की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कराई जाए।

प्रदेश में बाढ़ की दृष्टि से 24 जनपद अति संवेदनशील श्रेणी में हैं। इसमें महाराजगंज, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर, बस्ती, बहराइच, बिजनौर, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर, गोण्डा, बलिया, देवरिया, सीतापुर, बलरामपुर, अयोध्या, मऊ, फर्रुखाबाद, श्रावस्ती, बदायूं, अम्बेडकर नगर, आजमगढ़, संतकबीर नगर, पीलीभीत और बाराबंकी शामिल हैं। जबकि सहारनपुर, शामली, अलीगढ़, बरेली, हमीरपुर, गौतमबुद्ध नगर, रामपुर, प्रयागराज, बुलन्दशहर, मुरादाबाद, हरदोई, वाराणसी, उन्नाव, लखनऊ, शाहजहांपुर और कासगंज संवेदनशील प्रकृति के हैं। उन्होंने कहा कि अति संवेदनशील और संवेदनशील क्षेत्रों में बाढ़ की आपात स्थिति हेतु पर्याप्त रिजर्व स्टॉक का एकत्रीकरण कर लिया जाए। इन स्थलों पर पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था एवं आवश्यक उपकरणों का भी प्रबन्ध होना चाहिए। जल शक्ति मंत्री एवं दोनों राज्य मंत्री द्वारा अति संवेदनशील तथा संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण करें, साथ ही बाढ़ बचाव से जुड़ी परियोजनाओं का निरीक्षण करें।

मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार इस वर्ष पर्याप्त वर्षा होगी। नेपाल और उत्तराखंड की सीमा से लगे जनपदों में सतर्कता बनाए रखें। आमजन की सुविधा और राहत एवं बचाव कार्य के बेहतर बेहतर प्रबंधन के लिए बाढ़ बुलेटिन और मौसम का पूर्वानुमान नियमित रूप से जारी किया जाना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि भारतीय मौसम विभाग, केंद्रीय जल आयोग, केंद्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ प्रदेश के सिंचाई एवं जल संसाधन, गृह, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सिंचाई एवं जल संसाधन, खाद्य एवं रसद, राजस्व एवं राहत, पशुपालन, कृषि, राज्य आपदा प्रबन्धन, रिमोट सेन्सिंग प्राधिकरण के बीच बेहतर तालमेल हो।

..सेल्फी एक नया शौक

मौजूदा दौर का बड़ा फोटोग्राफिक ट्रेंड बन चुका है सेल्फी। बॉलीवुड सितारों से लेकर टीनएजर्स तक फेसबुक-ट्विटर में सेल्फी अपलोड करते नजर आते हैं। यह नया शौक कई बार सनक में बदलता नजर आता है। कुछ माह पहले सेल्फी की सनक से जुड़ी एक खबर ने सबका ध्यान खींचा था। परफेक्ट सेल्फी की लत के कारण एक ब्रिटिश टीन ने आत्महत्या जैसा घातक कदम उठा लिया था। हालांकि उसे बचा लिया गया, मगर उसके इस कदम ने कई सवाल खड़े कर दिए।

परिपक्वता की कमी

फोटो या पोस्ट पर आने वाले अच्छे-बुरे कमेंट्स के लिए जिस तरह बड़े तैयार रहते हैं, उस तरह बच्चे तैयार नहीं हो पाते। अगर एक भी डिस्लाइक या खराब कमेंट मिल जाए तो यह उनके लिए पीड़ा का सबब बन जाता है। 11वीं के स्टूडेंट 17 वर्षीय सुशांत को कुछ ऐसी ही वजहों से अपना फेसबुक एकाउंट बंद करना पड़ा। इसका कारण था दोस्तों के भद्दे कमेंट्स। वह कहते हैं, मैंने कई बार ड्राइंग्स, फोटोज, पोएट्री भी पोस्ट कीं। जब तक दोस्त तारीफ करते थे, अच्छा लगता था, लेकिन अचानक एक दिन भद्दे कमेंट्स आने शुरू हो गए। मैं डिस्टर्ब हो गया। एक दिन मैंने मॉम को यह प्रॉब्लम बताई। इसके बाद उन्होंने मेरा एकाउंट ही बंद करवा दिया। मां ने मेरी समस्या तो हल कर दी, लेकिन मेरी जैसी समस्या बहुत से बच्चे झेलते हैं। मेडिकल की छात्रा अपूर्वा कहती हैं, बच्चे अपने कमेंट्स में आक्रामक भी हो जाते हैं। कई बार सिर्फ मजा लेने या परेशान करने के लिए वे कमेंट्स करने लगते हैं। तुम्हारी नाक मोटी है, तुम्हारी हेयरस्टाइल ठीक नहीं है, अपने दांत तो देखो.. जैसे कमेंट्स के अलावा कई बार ऐसे कमेंट्स भी आ जाते हैं, जो अपमानित कर सकते हैं। बड़े लोग इसे हैंडल कर लेते हैं, मगर कुछ बच्चे जो बहुत संवेदनशील होते हैं वे इसे हैंडल नहीं कर पाते।

टेक्नोलॉजी एडिक्शन

दिल्ली के एक स्कूल की अध्यापिका अर्चना बताती हैं, पिछले तीन-चार वर्षों में बच्चों में टेक्नोलॉजी एडिक्शन बहुत बढ़ा है। स्कूल में कई बार चेकिंग में बच्चों के बस्तों में फोन मिलते हैं। बच्चों को समझने के लिहाज से मैं स्वयं उनसे फेसबुक पर जुड़ी रहती हूं, लेकिन मुझे हैरत होती है, जब कई बच्चे मुझे रात के 11-12 बजे तक सोशल साइट्स में बिजी दिखते हैं। कई बार मैं चैटिंग के जरिये उन्हें अगले दिन के असाइनमेंट के बारे में बताती हूं। जब उन्हें लगता है कि मैम उन्हें लगातार चेक कर रही हैं तो वे ऑफ लाइन हो जाते हैं। एक टीचर होने के नाते उन्हें अच्छा-बुरा बताने की मेरी एक सीमा है, इसके बाद तो पैरेंट्स की ही जिम्मेदारी है कि वे देखें कि बच्चे देर रात तक क्या करते हैं।

खतरनाक है यह लत

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट गगनदीप कौर कहती हैं, फेसबुक पर कुछ अपलोड करते ही टिप्पणियों का इंतजार होने लगता है। तुरंत कमेंट्स न मिलें तो बेचैनी होती है, बुरे कमेंट्स मिल जाएं तो बच्चा हर्ट होता है। इंटरनेट एडिक्शन पर वर्कशॉप के दौरान हमें कई अनुभव हुए। फेसबुक के जरिये प्रपोज करने का ट्रेंड चल निकला है। किसी ने मैसेज किया- मुझसे दोस्ती करोगे? जवाब में संदेश मिला- जाकर अपना मुंह शीशे में देख लो..। यह जवाब निजी तौर पर आहत करता है। साथ ही सोशल रिजेक्शन भी महसूस होता है। कमेंट को सब पढ़ लेंगे, यह बात बच्चों को ज्यादा परेशान करती है। हर साइट के इस्तेमाल की कुछ गाइडलाइंस होती हैं, लेकिन इन्हें पढ़ा नहीं जाता। पैरेंट्स भी बच्चों के हाथ में सारे डिवाइस थमा देते हैं, बस यह कहते हुए कि मिसयूज न हो। यह मिसयूज है क्या, यह बच्चों को नहीं बताया जाता। इससे परेशानियां बढ़ती जाती हैं।

संबंध भी होते हैं प्रभावित

यूके में हुआ एक अध्ययन बताता है कि फेसबुक मे सेल्फीज की ओवर शेयरिंग रिश्तों के लिए अच्छी नही होती। दिनभर सेल्फी अपलोड करना वास्तविक रिश्तों की सेहत पर भारी पड़ता है। स्कॉटलैंड की एक यूनिवर्सिटी मे पिछले वर्ष हुए इस अध्ययन में बताया गया कि जब कोई सोशल साइट्स पर कुछ पोस्ट करता है तो इसे दोस्तों-जानकारों के साथ ही अन्य लोग भी देखते हैं। हर किसी पर फोटो या पोस्ट का अलग-अलग असर होता है। यह अध्ययन फोटोग्राफ्स अपलोड करने की आदत पर किया गया था। अध्ययन में सेल्फ फोटो, फ्रेंड्स, इवेंट्स, फैमिली, नेचर फोटोज, कलीग्स, जानवरों.. की तस्वीरों पर आई टिप्पणियों का आकलन करके देखा गया कि इनका अलग-अलग लोगों पर क्या असर पड़ा। इनमें पार्टनर, रिश्तेदार, दोस्त, कलीग्स और अन्य फेसबुक फ्रेंड्स थे। नतीजे मे कहा गया कि सेल्फ फोटोज ज्यादा लगाने से वास्तविक रिश्तों की इंटीमेसी कम होती है। रिपोर्ट में कहा गया लोगो के लिए सोशल साइट्स एक तरह से फन टाइम है, लेकिन उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि सोशल साइट्स पर क्या शेयर कर रहे हैं और इसका असर क्या पड़ सकता है। इसलिए कोई पोस्ट करने से पहले कम से कम दो बार सोचें।

सोशल मीडिया के प्रभाव को लेकर होने वाले कुछ अन्य अध्ययन भी बताते हैं कि ऑनलाइन फोटोज की ओवरशेयरिंग से रिश्तों में दरार पड़ सकती है। आजकल तो सोशल साइट्स राजनेताओं की आपसी खींचतान के अलावा पति-पत्नी के झगड़ों का भी कुरुक्षेत्र बनती जा रही हैं।

लत न बन जाए डिसॉर्डर

ब्रिटिश टीनएजर को बचा लिया गया, मगर गहरे अवसाद ने उससे जिंदगी के जो पल छीने, वे कभी वापस नहीं मिलेंगे। उसने बताया कि वह दिन भर में 200 सेल्फी लेता था और अच्छी न लगने के कारण डिस्कार्ड कर देता था। बाद मे उसने कहा, मेरे लिए दोस्तों और अन्य लोगों का एप्रूवल मिशन बन गया। यह ड्रग या एल्कोहॉल जैसी समस्या थी मेरे लिए। मैं नहीं चाहता कि मेरी जैसी स्थिति से कोई और गुजरे। उसका इलाज करने वाले मनोविश्लेषक ने एक इंटरव्यू में कहा, यह केस बताता है कि टेक्नोलॉजी एवं सामाजिक ट्रेंड्स मिलकर किस तरह एक व्यक्ति को अवसाद में डाल सकते हैं।

कुड़ियों को भाए घड़ियाँ...

फैशन में आई नई घड़ियाँ आजकल की कुड़ियों की नाजुक कलाइयों पर अब सिर्फ चुड़ियाँ और कंगन ही नहीं सजते बल्कि सजतीं हैं स्मार्ट, ट्रेंडी और स्पोर्टी मल्टीकलर्ड घड़ियाँ। फैशन की दौड़ में खूबसूरत बालाएँ अपनी पर्सनेलिटी में घड़ियों से भी चार चाँद लगा रहीं हैं।

मल्टीकलर्ड घड़ियों का जमाना इस बार फैशन में युवतियों को लुभाने के लिए मल्टीकलर्ड घड़ियाँ चलन में आई हैं। इन घड़ियों में लाल, हरे, पीले, नीले, काले कई रंगों के डायलकेस मौजूद रहते हैं, जिन्हें आप किसी भी रंग के परिधान के साथ मैच कर पहन सकते हैं।

कड़ेनुमा घड़ियाँ भी चलन में सिल्वर व मेटल के बेस पर विभिन्न डिजाइनों से सजी कड़ेनुमा घड़ियाँ युवतियों की पहली पसंद बनी हुई हैं। इन घड़ियों को आप साड़ी, सलवार कुर्ता व जींस के साथ पहन सकती हैं। इन घड़ियों का मुख्य आकर्षण है डायलकेस के अंदर झिलमिलाते जर्किन के नग, जो कि युवतियों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

घड़ी नौकरीपेशा युवतियों की जरूरत चौड़े बेल्ट की बड़े डायल वाली घड़ी आजकल नौकरीपेशा युवतियों की पसंद बनी हुई है। वहीं कॉलेज गोइंग युवतियों को स्पोर्टी व ट्रेंडी लुक वाली घड़ियाँ पहने आसानी से देखा जा सकता है। मोटी लड़कियों की कलाई में बड़े डायल वाली घड़ी व पतली-दुबली लड़कियों की कलाई में स्पोर्टी घड़ियाँ खूब जँचती हैं।

फैशन ने बदले रंग...

इन दिनों हम जहाँ भी नजर दौड़ाएँ रंगों का कुंभ-सा दिखाई देता है। पहले रंगों का यूज सिर्फ कपड़ों तक ही सीमित था, उनमें भी मौसम के अनुसार कुछ गिने-चुने रंग... लेकिन इन दिनों हर चीज पर रंगों का प्रभाव नजर आ रहा है।

कुछ साल पहले तक कारों के मामले में हमें प्रयोग पसंद नहीं आते थे, सफेद, काला और कोई इस मामले में बहुत बहादुर हो तो लाल... लेकिन अब नीला-पीला-हरा जो चाहें उस रंग की कार मिल जाएगी। इसी तरह मोबाइल फोन, लैपटॉप, आई-पॉड हो या फिर कॉस्मेटिक हो, हर कहीं तमाम तरह के रंग दिखने लगे हैं।

यह तो तयशुदा सच है कि रंगों का मानवीय भावनाओं पर जादुई असर होता है। माना जाता है कि रंग इंसान के ब्रेन को बूस्ट करते हैं। शायद यही वजह है कि इन दिनों रंगों की बहार आई हुई नजर आ रही है। विंटर में हमारे डिजायनर कलेक्शन में पहले काले और भूरे रंग बेशुमार होते थे, अब सारे ट्रेडिशनल कलर नजर आने लगे हैं।

यहाँ तक कि किताबों के कवर तक खूब रंग-बिरंगे होने लगे हैं। गजैट्स जैसे मोबाइल फोन, आई-पॉड और लैपटॉप तक चटकीले रंगों में नजर आने लगे हैं। इसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं, लेकिन बदलाव की ख्वाहिश लगातार बनी हुई है।

देश के बड़े डिजायनर अब यह कहने लगे हैं कि रंग हमारे तनावग्रस्त जीवन को राहत पहुँचाते हैं और हमें खुश रखते हैं। अब जबकि दुनिया का मौसम बदल रहा है तो फिर हम क्यों नहीं बदलें? भारत में गर्मियाँ इससे पहले कभी इतनी गर्म नहीं थीं और अमेरिका में इस साल से पहले सर्दी में कभी इतनी ठंड नहीं पड़ी, पिछले दशक में हमारी जीवन शैली जिस नाटकीय ढंग से बदली है, तो हमारे लिए यह बदलाव भी जरूरी है।

अब हो तो यह भी रहा है कि काला रंग सर्दियों से ज्यादा गर्मियों में बिक रहा है। डिजायनर अरुण आहूजा कहते हैं कि - रंग हर जगह चीज को प्रभावित कर रहे हैं, चाहे वे कपड़े हों, मोबाइल फोन, लैपटॉप हों या फिर कारें...। शरद के अपने रंग हैं, आप इसमें वसंत के कुछ रंग जोड़कर कुछ नया कर सकते हैं।

किसी बुक स्टोर के आसपास टहलते हुए देखें कि प्रकाशक आपको आकर्षित करने के लिए कितने जतन करते हैं, और इसमें किताबों के रंग-बिरंगे कवर सबसे ऊपर हैं। प्रकाशक रोशन राजानी कहते हैं कि - कवर हमारी प्राथमिकता पर है। परिवर्तन को होने से हम रोक नहीं सकते हैं, तो हमें किताबों के कवर पर प्रयोग करते रहना होगा। अच्छे रंगों का प्रयोग और रचनात्मक डिजाइन निश्चित तौर पर पाठकों का ध्यान आकर्षित करती है। यह पूरी तरह से एक मार्केटिंग स्ट्रेटेजी है।

लोग चटख रंगों की तरफ आकर्षित होते हैं तो हम इसका रास्ता चमकीले जैकेट में पाते हैं। यहाँ तक की गंभीर विषय की कि ताबों का कवर भी चटख रंग लिए होता है। इतना ही नहीं इन दिनों टीनेजर्स के लिए मेकअप तक रंगो से सरोबार होता है बालों के रंग से लेकर नेलपेंट और लिप्सटिक के रंगों में खूब प्रयोग हो रहे हैं। गजैट्स के रंग तो ताज्जुब में डाल देते हैं।

झुमका बरेली

कानों में रुनझुन करती बालियाँ हों या फिर लहराते झुमके। हर किसी युवती की चाहत होती है कि उसके ज्वेलरी बॉक्स में भी सुंदर से सुंदर झुमके हों। जिससे वह इन्हें अपनी ड्रेस के कलर के मैच के हिसाब से पहनकर लोगों की तारीफें पा सके। इस समय बाजार में आपके लिए कंधे तक लहराते मेटल लुक झुमके व मोतियों व कुंदन से सजे इयररिंग्स खास हैं। जिन्हें आप बहुत ही किफायती दामों में खरीदकर पहन सकती हैं।

मेटल लुक

इन दिनों युवतियों में लंबे-लंबे मेटल लुक इयररिंग्स पहनने का क्रेज बना हुआ है। जो कि पत्ती व गोल स्टाइल में चल रहे हैं। इसके साथ ही जरकिन के नग भी इन इयररिंग्स पर लगकर आ रहे हैं, जो कि उन्हें खूबसूरती प्रदान करते हैं। इन इयररिंग्स की कीमत बाजार में 30 से 500 रुपए तक है। इन मेटल इयररिंग को महिलाएँ भी काफी पसंद कर रही हैं।

मैचिंग का क्या कहना

यदि आप किसी शादी या पार्टी में जाना चाहती हैं। तो आपके लिए रंग-बिरंगे कुंदनों व मोतियों से सजे झुमके बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। जिन्हें आप अपने परिधानों के हिसाब से मैच कर पहन सकती हैं। रंग-बिरंगे मोतियों से सजे ये इयररिंग्स आपके लुक में चार चाँद लगा सकते हैं। इन्हें पहनकर आप जहाँ भी जाएँगी तो बस कहने वाले यही कहते रह जाएँगे, बहुत जँच रही हो।

विराट-रोहित के बाद रवीन्द्र जडेजा ने भी किया टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर रवीन्द्र जडेजा ने भी टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने इसकी जानकारी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दी। रवीन्द्र जडेजा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मैं कृतज्ञता से भरे दिल से टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहता हूं। गर्व से सरपट दौड़ने वाले एक दृढ़ घोड़े की तरह मैंने हमेशा अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और अन्य प्रारूपों में ऐसा करना जारी रखूंगा। जडेजा ने आगे लिखा कि टी-20 विश्व कप जीतना एक सपना सच होने जैसा था, मेरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का एक शिखर। यादों, उत्साह और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद। जय हिंद।

खिलाड़ियों की रवानगी से पहले विदाई समारोह में मांडविया बोले- भारत की पदक तालिका में होगा सुधार

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से होगी। इससे पहले पेरिस जाने वाले एथलीटों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने आगामी टूर्नामेंट में भारतीय दल द्वारा नया मानदंड स्थापित करने की उम्मीद जताई गई। इस बात पर जोर दिया गया कि हाल के वर्षों में सरकार के लिए खेल प्राथमिकता रहे हैं। इस विदाई समारोह में एथलीटों, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में खेलों से पहले एथलीटों के समर्थन में सरकार की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के बारे में बताया गया। मांडविया ने पेरिस जाने वाले एथलीटों की औपचारिक विदाई और किट के अनावरण के दौरान कहा, ÷मुझे विश्वास है कि यह दल खेलों में भारत के विकास को बनाए रखेगा। हमने 2016 रियो में दो पदकों से बढ़कर तोक्यो में सात पदक हासिल किए। नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक से भारत तालिका में 67वें से 48वें (स्थान) पर पहुंच गया। मुझे उम्मीद है कि हमारे एथलीट हमें इस बार पदक तालिका में और भी ऊपर ले जाएंगे।

अंतिम ग्रुप मैच में इंडोनेशिया ने भारत को 1-4 से हराया, क्वार्टर फाइनल में मलयेशिया से होगा सामना

नई दिल्ली। बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के तहत रविवार को खेले गए मुकाबले में इंडोनेशिया ने भारत को 1-4 से हरा दिया। इसी के साथ भारत ग्रुप सी में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। अब भारत का चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में उसका सामना मलयेशिया से होगा। नॉकआउट चरण के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुके भारत ने इंडोनेशिया के खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच के लिए अपनी पूरी लाइन-अप बदल दी। उन्होंने लड़कियों के एकल में तन्वी शर्मा को आराम दिया और नए मिश्रित और पुरुष युगल को उतारा। वंश देव और श्रावणी वालेकर की मिश्रित युगल जोड़ी ने तौफिक अदर्या और क्लेयरिन मुलिया से पहला मैच 14-21, 16-21 से गंवा दिया। ध्रुव नेगी एक घंटे से ज्यादा समय तक चले मैच में ब्यूनो ओकटोरा से 14-21, 21-11, 11-21 से हार गए। भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू को लड़कों के युगल में एंसेलमस प्रसेत्या और पुलुंग रामाधन से 17-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे भारत यह मुकाबला गंवा बैठा। नव्या कांडेरी ने मुटियारा पुष्पितसारी पर 21-19, 21-19 से जीत दर्ज की।

पेरिस ओलंपिक से पहले पीएम मोदी की देशवासियों से अपील, खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने का किया आग्रह

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने देशवासियों से 26 जुलाई से होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत के एथलीटों का उत्साह बढ़ाने का आग्रह किया। बता दें कि पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक जारी रहेगा। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत सात मेडल जीतने में कामयाब रहा था, जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल था। रेडियो कार्यक्रम मन की आवाज में पीएम मोदी ने कहा, मेरे प्रिय देशवासियों अगले महीने से पेरिस ओलंपिक शुरू होने वाला है। मुझे यकीन है कि आप भी भारत का उत्साह बढ़ाने के लिए इस पल का इंतजार कर रहे हैं। मैं ओलंपिक गेम्स के लिए भारतीय टीम को शुभकामनाएं देता हूं। टोक्यो ओलंपिक की यादें आज भी हमारे दिमाग में ताजा है। उन्होंने आगे कहा कि टोक्यो ओलंपिक के प्रदर्शन ने देश का दिल जीत लिया और कई खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद विभिन्न खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के लिए कड़ी तैयारी करके और दुनिया भर में कुल मिलाकर नौ सौ विभिन्न आयोजनों में भाग लेकर अपने मिशन पेरिस 2024 की शुरुआत की। पीएम मोदी ने कहा, टोक्यो में हमारे खिलाड़ियों का प्रदर्शन सभी भारतीयों के दिल को जीत लिया। टोक्यो ओलंपिक के तुरंत बाद ही हमारे खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक की तैयारी में जुट गए।

आईसीसी की टीम में भारतीयों का जलवा, रोहित-पांड्या समेत इन छह खिलाड़ियों को मिली जगह, कोहली चूके

एजेंसी

बारबाडोस। वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में खेला गया टी20 विश्व कप 2024 भारत की जीत के साथ समाप्त हो गया। रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात रनों से ऐतिहासिक जीत के साथ खिताब अपने नाम कर लिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने 11 साल से पड़े आईसीसी ट्रॉफी के टूर्नामेंट को भी खत्म कर दिया। भारत ने इस खिताब पर 2007 के बाद दूसरी बार कब्जा जमाया है। टूर्नामेंट के बाद आईसीसी ने टीम ऑफ टूर्नामेंट का चयन किया है। इनमें भारतीय खिलाड़ियों का जलवा देखने को मिला है।

कोहली को नहीं मिली जगह

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने 17 साल बाद टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले 2007 में तत्कालीन कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टीम इंडिया ने पहला खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। यही वजह है कि आईसीसी की टीम ऑफ टूर्नामेंट में छह भारतीयों को जगह मिली है। हैरानी की बात यह है कि फाइनल में भारत के लिए 76 रनों

की महत्वपूर्ण पारी खेलने वाले विराट कोहली को जगह नहीं मिली है।

आईसीसी की टीम में छह भारतीय खिलाड़ियों को मौका

आईसीसी की 11 सदस्यीय टीम में छह भारतीय खिलाड़ियों के अलावा अफगानिस्तान के तीन खिलाड़ी जबकि वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के एक-एक खिलाड़ी को शामिल किया गया है। इसमें बतौर ओपनर रोहित शर्मा और रहमानुल्लाह का चयन किया गया है। रोहित भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन (257 रन) बनाने वाले बल्लेबाज रहे तो वहीं गुरबाज इस टूर्नामेंट के बेस्ट स्कोरर रहे। वहीं तीसरे नंबर के लिए आईसीसी ने वेस्टइंडीज के तूफानी बल्लेबाज निकोलस पूरन को रखा जबकि सूर्यकुमार यादव को चौथे नंबर पर रखा जो भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन (199 रन) बनाने वाले बल्लेबाज रहे। इसके अलावा इस टीम में हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह शामिल हैं। इन चारों खिलाड़ियों ने भारत के लिए टी20 विश्व कप 2024 में दमदार प्रदर्शन किया था।

टी20 विश्व कप 2024 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट (आईसीसी)

रोहित शर्मा, रहमानुल्लाह गुरबाज, निकोलस पूरन, सूर्यकुमार यादव, मार्कस स्टोइनिस, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, फजलहक फारूकी।

खिताब जीतने के बाद अब तक स्वदेश नहीं लौटी रोहित की सेना? सामने आया बड़ा कारण

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात रनों से जीत दर्ज कर टी20 विश्व कप 2024 का खिताब अपने नाम कर लिया। अब भारतीय फैंस को रोहित शर्मा की सेना का इंतजार है। हालांकि, अब तक टीम इंडिया की रवानगी को लेकर कोई अपडेट आया है। इस बीच खबर है कि बारबाडोस में तूफान की वजह से भारतीय टीम की वापसी में कुछ और दिन लग सकते हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने 17 साल बाद टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले 2007 में तत्कालीन

कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टीम इंडिया ने पहला खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। यही वजह है कि फैंस उनसे मिलने के लिए बेताब हैं। हालांकि, अभी कुछ दिन प्रशंसकों को और इंतजार करना पड़ सकता है। दरअसल, बारबाडोस का मौसम पिछले कुछ दिनों से खराब है। मौसम रिपोर्ट के अनुसार, अगले कुछ घंटों में वहां चक्रवाती तूफान की आशंका जताई गई है। वहीं, 170-200 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इस स्थिति में ब्रिजटाउन के हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया है। वहीं, टीम इंडिया को होटल में ही रुकने को कहा गया है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बीसीसीआई उनके लिए चार्टर प्लेन की व्यवस्था कर रही है।

तेरह गोल्ड के साथ उप्र अव्वल, पंश्चिम बंगाल रहा दूसरे नंबर पर और पंजाब को तीसरा स्थान

एजेंसी

लखनऊ। नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में 13 गोल्ड के साथ मेजबान उत्तर प्रदेश अव्वल रहा। वहीं 11 गोल्ड के साथ पंश्चिम बंगाल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि सात गोल्ड के साथ पंजाब तीसरे स्थान पर रहा। प्रतियोगिता के तीसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में प्रकाश डी (आई पी एस) एडीजी (रेलवे), उत्तर प्रदेश ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किए। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव जिम्मी आर जगतियानी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए आज चैंपियनशिप में बाज़ी मारी। प्रतियोगिता के अंतिम दिन आयोजन समिति से ग्रैंडमास्टर जिम्मी आर जगतियानी, सेलिब्रिटी कोच - ग्रैंड मास्टर महेंद्र मोहन जैसवाल, तकनीकी चेयरमैन ग्रैंड मास्टर पीटर जगतियानी, ग्रैंड मास्टर गौरव सिंह चौहान - चेयरमैन प्रसार विंग, मनोज वर्मा, राजेश कुमार सिंह, मनोज शर्मा, निशा सिंह, रूप कमल नंदी, सुंदरम, निधि राज, निशा राज, पियूष आदि उपस्थित रहे। 41 वीं नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप के दौरान फेडरेशन का चुनाव भी संपंन हुआ। इसमें सर्व सम्मति से पवन सिंह चौहान को ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया गया।

पेरिस ओलंपिक की तैयारियों को लेकर पी.वी. सिंधु ने कहा- बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार हूं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु, जो अगले महीने पेरिस ओलंपिक में अपने तीसरे पदक की उम्मीद कर रही हैं, ने कहा कि वह पदक का रंग बदलने के लिए कृतसंकल्पित हैं। 28 वर्षीय सिंधु ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा भारतीय बैडमिंटन संघ (बाई) और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के सहयोग से आयोजित मीडिया से बातचीत कार्यक्रम के दौरान कहा, आपको होशियार होने और कड़ी मेहनत करने की ज़रूरत है। मुझे लगता है कि मैं वहाँ पहुँच रही हूँ। मैं अति आत्मविश्वासी नहीं हूँ, लेकिन निश्चित रूप से समझदार और अधिक चतुर हूँ और एक और पदक जीतने की उम्मीद कर रही हूँ।

उन्होंने कहा, ओलंपिक में अपना तीसरा पदक जीतना असंभव नहीं है। मैंने हाल के दिनों में अपनी गलतियों से बहुत कुछ सीखा है। मुझे अपना 100 प्रतिशत देना होगा। हर खेल महत्वपूर्ण है और मैं केवल पदक जीतने पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहती। मुझे निश्चित रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

2016 रियो ओलंपिक में रजत और 2020 टोक्यो संस्करण में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधु ने कहा, मैंने इस ओलंपिक से पहले एशियाई सर्किट से बहुत अधिक धैर्य रखना सीखा है। अब कोई छोटी अवधि के मैच नहीं होंगे, आसान अंकों की उम्मीद नहीं होगी और कोई

भी मैच बड़ी बढ़त के बावजूद तब तक खत्म नहीं माना जाएगा जब तक कि मैच वास्तव में जीत न जाए। उन्होंने कहा, ''ओलंपिक एक अलग तरह की चुनौती है, हालांकि यह आपको अन्य प्रमुख सुपर सीरीज प्रतियोगिताओं के विपरीत तैयारी के लिए अधिक समय देता है।

हाल ही में खराब फॉर्म के बारे में उन्होंने कहा, मुझे इस बात का अहसास है कि मैं और बेहतर कर सकती हूं। ऐसा नहीं है कि मैं मैच खत्म नहीं कर पाती। हां, आप जीत की बढ़त के बावजूद मैच हार जाते हैं और कई बार आप पिछड़ने के बावजूद जीत जाते हैं। इसलिए मेरा ध्यान निरंतरता पर रहेगा। चैंपियन शटलर इस समय जर्मनी में प्री-ओलंपिक ट्रेनिंग कैंप में हैं। विदेश में ट्रेनिंग करने का फैसला इसलिए लिया गया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई व्यवधान न हो, ताकि वह अधिक ध्यान केंद्रित कर सके, परिस्थितियों और सुविधाओं के साथ खुद को एक छत के नीचे ढाल सके और अपनी उम्मीद के मुताबिक सर्वश्रेष्ठ टीम के साथ खेल सकें। सिंधु अपने पिछले ओलंपिक से मिली सीख को ध्यान में रखते हुए पेरिस खेलों में उतरेगी। उन्होंने कहा, ज़ाहिर है, मैं वह नहीं कर सकती जो मैंने उन दो संस्करणों में किया था। मुझे पता है कि सभी की नज़रें मुझ पर होंगी। (मुझे) ज़्यादा होशियार होने की ज़रूरत है। मुझे पता होना चाहिए कि ये कोई आसान मैच नहीं होने वाला है। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि मेरे पास अनुभव है और मैं अब बड़ी चुनौतियों के लिए काफ़ी धैर्यवान हूँ। खेल अब बहुत बदल गया है। अब ज़्यादा रैलियाँ हैं और मज़बूत डिफेंस पर ज़ोर है। हर खिलाड़ी बहुत मज़बूत है, मानसिक और शारीरिक रूप से उन लंबे मैचों के लिए तैयार है।

ऑस्ट्रेलिया ए और भारत ए के बीच बहुप्रारुपीय श्रृंखला अगस्त में निर्धारित

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई ए महिला क्रिकेट टीम अगस्त में क्वींसलैंड में बहुप्रारुपीय श्रृंखला में भारत ए से भिड़ेगी। घरेलू टीम की ओर से में ताहलिया मैकग्राथ, किम गर्थ, मेगन स्कट और टायला व्लामिनक सीमित ओवरों के मैचों में हिस्सा लेंगी। भारतीय ए टीम इस दौरे पर ब्रिस्बेन में तीन टी20, मैके में तीन 50 ओवर के मैच और गोल्ड कोस्ट में चार दिवसीय मैच खेलेगी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम की उप-कप्तान मैकग्राथ टी20 और 50 ओवर की टीमों की कप्तानी करेंगे, जबकि क्वींसलैंड की ऑलराउंडर चार्ली नॉट चार दिवसीय टीम की अगुआई करेंगी। तीनों टीमों में प्रमुख घरेलू खिलाड़ी शामिल हैं, जो उच्च सम्मान के लिए अपने दावों को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। चार दिवसीय खेल दोनों देशों के खिलाड़ियों को लंबे समय तक क्रिकेट खेलने का दुर्लभ मौका देगा।

मैकग्राथ ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, मैं इस सीरीज का हिस्सा बनने और भारत ए द्वारा पेश की जाने वाली चुनौती के लिए वास्तव में उत्सुक हूं। यह हममें से उन लोगों को एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ़ एक बड़ी गर्मी की तैयारी करने का मौका देता है जो हंड्रेड में नहीं खेल रहे हैं।

राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, यह सीरीज हमें घरेलू स्तर पर प्रभावित करने वाले कुछ खिलाड़ियों पर करीब से नज़र डालने

का मौका देगी, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर अनुबंधित खिलाड़ियों को आईसीसी टी-20 विश्व कप से पहले अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने का मौका देगी।

ऑस्ट्रेलिया सितंबर के मध्य में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज के साथ वापसी करेगा और फिर टी-20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश जाएगा। इसके बाद एक और व्यस्त सीज़न की शुरुआत होगी, जिसमें विश्व कप के तुरंत बाद डब्ल्यूबीबीएल शुरू होगा, उसके बाद भारत के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला, दिसंबर में न्यूजीलैंड का एक छोटा दौरा और फिर जनवरी में बहु-टीम प्रारूप एशेज शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया ए टी20 टीम

मैडी डार्क, सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गर्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ताहलिया मैकग्राथ (कप्तान), ग्रेस पार्सन्स, मेगन स्कुट, कोर्टनी सिप्पेल, टायला व्लामिन्क, ताहलिया विल्सन

मैटलन ब्राउन (केवल दूसरा और तीसरा मैच), मैडी डार्क, सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गर्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ताहलिया मैकग्राथ (कप्तान), ग्रेस पार्सन्स, मेगन स्कुट (केवल पहला मैच), कोर्टनी सिप्पेल, टायला व्लामिन्क, ताहलिया विल्सन।

मैटलन ब्राउन, मैडी डार्क, सोफी डे, एम्मा डी ब्रूज, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, लिली मिल्स, ग्रेस पार्सन्स, केट पीटरसन, कोर्टनी सिप्पेल, जॉर्जिया वोल।

राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप: तेजस शिरसे ने नया मीट रिकॉर्ड बनाया, साहिल ने भाला फेंक में जीता स्वर्ण

एजेंसी

पंचकुला। 63वीं अंतर-राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन रविवार को 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.54 सेकंड के नए मीट रिकॉर्ड के साथ तेजस शिरसे ने स्वर्ण पदक जीता। 22 वर्षीय शिरसे ओलंपिक मानक (13.27 सेकंड) को हासिल करने का लक्ष्य बना रहे थे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। साहिल सिलवाल ने भी खुद को बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार साबित किया, उन्होंने भाला फेंक में शीर्ष स्थान हासिल किया। सिलवाल, जो कुछ साल पहले सबसे होनहार थ्रोअर में से एक थे, ने अपने अंतिम थ्रो में 81.81 मीटर की दूरी तय करके नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। मीट में सबसे प्रतीक्षित इवेंट में 4×400 मीटर मिश्रित रिले टीम ने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, लेकिन

पेरिस के लिए क्वालीफाई करने से चूक गए। मोहम्मद अनस, मोहम्मद अजमल, ज्योतिका श्री दांडी और किरण पहल की चौकड़ी ने 3=12.82 सेकंड का समय निकालकर पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड से लगभग दो सेकंड बेहतर प्रदर्शन किया।

आईओए ने पेरिस जाने वाले भारतीय एथलीटों को दी औपचारिक विदाई, कीट का किया अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए जाने वाले भारतीय एथलीटों को शाम यहां एक होटल में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में औपचारिक विदाई दी गई, साथ ही भारतीय दल के कीट का भी अनावरण किया गया। केंद्रीय युवा मामले और खेल तथा श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष एवं राज्य सभा सदस्य, डॉ. पी.टी. उषा ने भारतीय टीम की तीन किटों का अनावरण किया। आत्मविश्वास से भरे एथलीटों द्वारा रैंप-वॉक के दौरान जेएसडब्ल्यू इंस्पायर द्वारा डिजाइन की गई प्लेइंग किट, तरुण तहिलियानी के स्वामित्व वाली टीएएसवीए द्वारा डिजाइन की गई औपचारिक पोशाक और पूमा द्वारा परफॉर्मेंस शू और ट्रैवल गियर सहित किट का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि सभी भारतीयों ने देश के एथलीटों की कड़ी मेहनत, समर्पण और अटूट भावना का जश्न मनाया, जिन्होंने सबसे बड़े मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान अर्जित किया है। उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम सिर्फ जर्सी और औपचारिक पोशाक के अनावरण के बारे में नहीं है, बल्कि उन अरबों भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं का प्रतीक है जो एथलीटों के पीछे एकजुट हैं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि यह दल खेलों में

भारत के विकास पथ को बनाए रखेगा। हमने रियो 2016 में दो पदकों से बढ़कर टोक्यो 2020 में सात पदक हासिल किए, क्योंकि भारत 67वें से 48वें स्थान पर पहुंच गया, जिसमें मुख्य रूप से नीरज चोपड़ा के भाला फेंक स्वर्ण पदक से मदद मिली। मुझे उम्मीद है कि हमारे एथलीट इस बार हमें पदक तालिका में और भी ऊपर ले जाएंगे।

डॉ. मंडाविया ने कहा कि सरकार भारत को एक खेल महाशक्ति बनाने के आंदोलन में सबसे आगे रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, सरकार ने टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से एथलीटों का समर्थन किया है, जो शीर्ष पर पहुंचने वालों को विशेष सहायता प्रदान करती है। उन्होंने कहा, सरकार ने विभिन्न विषयों में एथलीटों को उनकी विश्व रैंकिंग ऊंची बनाए रखने के लिए समर्थन देने, उन्हें भारत और विदेशों में विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण के लिए भेजने, कोच और सहायक स्टाफ के रूप में प्रसिद्ध विदेशी विशेषज्ञों को शामिल करने और यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम किया है कि खेल पारिस्थितिकी तंत्र के साथ तालमेल बना रहे। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यह उनके मंत्रालय के लिए गर्व की बात है कि वह भारत के ओलंपिक खेल का समर्थन कर सकता है। उन्होंने कहा, मुझे इस बात की भी खुशी है कि हमारे कई पब्लिक सेक्टर कारपोरेशन कई खिलाड़ियों को रोजगार देते हैं, जिनमें पेरिस जाने वाले ओलंपियन भी शामिल हैं। मुझे विश्वास है कि भारतीय टीम पेरिस में यादगार प्रदर्शन करने और अच्छी संख्या में पदक लेकर वापस आने के लिए प्रेरित होगी।

आईपीएल से रिटायरमेंट लेने के बाद दिनेश कार्तिक बने आरसीबी के बैटिंग कोच

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बैटर दिनेश कार्तिक को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु ने अपनी टीम का बैटिंग कोच और मेंटर के लिए नियुक्त किया है। फ्रेंचाइजी ने इसकी घोषणा सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर की। दिनेश कार्तिक ने पिछले सीजन में आईपीएल से संन्यास ले लिया था, लेकिन अब कार्तिक नई भूमिका में नजर आएंगे। कार्तिक आरसीबी के साथ-साथ आईपीएल में और भी टीमों के लिए खेल चुके हैं। दरअसल आरसीबी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर कर एक बड़ी जानकार दी। आरसीबी ने बताया कि दिनेश कार्तिक को उन्होंने टीम के मेंटर और बैटिंग कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आरसीबी ने लिखा कि कार्तिक आरसीबी में नए अवतार के साथ वापसी कर रहे हैं। दिनेश कार्तिक आरसीबी मेंस टीम के बैटिंग कोच और मेंटर होंगे। आप किसी को क्रिकेट से बाहर कर सकते हैं, लेकिन उसके अंदर से क्रिकेट को बाहर नहीं कर सकती है।

बता दें कि आईपीएल 2024 में आरसीबी टीम के हेड कोच एंडी फ्लावर, बैटिंग कोच श्रीधरन श्रीराम, बॉलिंग कोच एडम ग्रिफिथ और फील्डिंग कोच मालोलन रंगराजन थे। अब आईपीएल 2025 में आरसीबी की टीम के मेंटर और बैटिंग कोच की जिम्मेदारी दिनेश कार्तिक निभाते हुए नजर आएँगे। इससे पहले कार्तिक ने अपने 39वें जन्मदिन पर आईपीएल से संन्यास को लेकर ऑफिशियल जानकारी दी थी। उन्होंने एक्स पर अपने संन्यास का एलान करते हुए लिखा था कि पिछले कुछ दिनों में मुझे जो प्यार, समर्थन मिला, उससे मैं अभिभूत हूं। इस चीज को संभव बनाने वाले सभी प्रशसंकों के प्रति मेरी गहरी कृतज्ञता और हार्दिक धन्यवाद। काफी समय तक इस पर विचार करने के बाद मैंने क्रिकेट से हटने का फैसला लिया। मैं अधिकारिक तौर पर अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। अपने खेल के दिनों को पीछे छोड़कर आगे आने वाली नई चुनौतियों के लिए मैं तैयार हूं।

गाजीपुर के एक व्यक्ति का हुआ भारतीय हॉकी टीम में चयन

एजेंसी

ग़ाज़ीपुर। ओलंपिक टीम में शामिल होने वाले राजकुमार पाल ग़ाज़ीपुर के पहले हॉकी खिलाड़ी हैं। राजकुमार पेरिस ओलंपिक के लिए 16 सदस्यीय टीम में मिडफील्डर के तौर पर खेलेंगे. राजकुमार पाल ने 8 साल की उम्र में करमपुर के मेघबरन सिंह स्टेडियम में हॉकी खेलना शुरू किया। वह चार साल तक राष्ट्रीय टीम के सदस्य रहे और उनके उत्कृष्टUE&cellent प्रदर्शन के कारण उन्हें ओलंपिक टीम में नामित किया गया। वह पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय खेल खेल चुके हैं। उन्होंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच 2020 में बेल्जियम के खिलाफ खेला था। राजकुमार इस समय बेंगलुरु में एक प्रशिक्षण शिविर में ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। 8 जुलाई को वह हॉलैंड जाएंगे और वहां कई प्रशिक्षण खेल खेलेंगे। फिर हम पेरिस जायेंगे. मेघबरन सिंह स्टेडियम के मैनेजर अनिकेत सिंह ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि स्टेडियम के दो खिलाड़ी राजकुमार पाल और ललित उपाध्याय का चयन ओलंपिक के लिए हुआ है। उन्होंने कहा कि राजकुमार पाल के रूप में गाजीपुर को पहला ओलंपियन मिला। इसका श्रेय स्टेडियम के संस्थापक स्वर्गीय तेज बहादुर सिंह को जाता है।

तृप्ति डिमरी

ने ब्लैक ड्रेस पहन बढ़ाई इंटरनेट की गर्मी, Bad Newz एक्ट्रेस का बोल्ड लुक देख दीवाने हुए फैंस

'एनिमल' मूवी से अपनी एक अलग पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी आज फैंस के दिलों पर राज कर रही हैं। इस मूवी ने उनके करियर को एक अलग मुकाम पर पहुंचा दिया है। एक्ट्रेस के फैंस उनकी एक्टिंग के साथ-साथ उनके लुक के भी दीवाने हैं। ऐसे में वह अपने लुक को लेकर भी लाइमलाइट का हिस्सा बनी रहती हैं।तृप्ति आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में उन्होंने कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो उनके फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। इस लुक में एक्ट्रेस का कातिलाना अंदाज देखने को मिल रहा है।

ब्लैक ड्रेस में तृप्ति का कहर

एक्ट्रेस इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म बैड न्यूज को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस मूवी में उनके साथ अभिनेता विक्की कौशल और एम्मी विर्क भी दिखाई देने वाले हैं। कुछ दिनों पहले इस मूवी का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था।फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में वह ब्लैक कलर की मिडी ड्रेस पहन कर पहुंची थीं। अब उन्होंने इस ड्रेस की कई फोटोज अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिसमें वो बहुत ही ग्लैमरस लग रही हैं।काउल नेकलाइन वाली इस ड्रेस में तृप्ति डिमरी इंटरनेट का पारा बढ़ा रही हैं। वहीं, इसमें लगे क्रिस्टल उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं। अपनी इस ड्रेस के साथ एक्ट्रेस ने बालों को खुला रखा और कानों में ईयरिंग्स पहने हुए थे। वहीं, लाइट कलर की लिपस्टिक, छोटा हैंडबैग और हाई हील्स के साथ उन्होंने अपने इस लुक को पूरा किया।

इस दिन आएगी एक्ट्रेस की मूवी

तृप्ति डिमरी और विक्की कौशल स्टारर मूवी बैड न्यूज आने वाली 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके साथ ही इसके बाद वह कार्तिक के साथ भूल भुलैया 3 में दिखाई देने वाली हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी

को मुन्ना भाई एमबीबीएस में चोर बनने के लिए मिले थे इतने रुपये, जानकर लगेगा झटका

नवाजुद्दीन सिद्दीकी आज बेहतरीन अभिनेताओं में शुमार हैं, जिन्होंने गैंग्स ऑफ वासेपुर, बजरंगी भाईजान, किक और बदलापुर जैसी फिल्मों से नाम कमाया है। मगर उन्होंने डेब्यू साल 1999 में आमिर खान की फिल्म सरफरोश से की थी। इस मूवी में उन्होंने क्रिमिनल का रोल किया था। इसके बाद उन्हें फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस में छोटा सा रोल मिला था।2003 में रिलीज हुई संजय दत्त स्टारर फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस का निर्देशन राजकुमार हिरानी ने किया था। इस फिल्म में नवाजुद्दीन ने एक पॉकेट मार यानी चोर का किरदार निभाया था। उन्होंने छोटी सी भूमिका में दर्शकों का ध्यान खींच लिया था। इस फिल्म में इस रोल के लिए उन्हें कितनी फीस मिली थी, यह जान आप हैरान रह जाएंगे।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से पढ़ाई पूरी करने के बाद 90 दशक के आखिर में मुंबई आकर संघर्ष किया। मुन्ना भाई एमबीबीएस मूवी मिलने से पहले अभिनेता छोटे-मोटे रोल कर दिन का 1 से दो या पांच हजार तक कमा लेते थे लेकिन राजकुमार हिरानी की मूवी के लिए जितनी उन्हें फीस मिली, वो जानकर वह हैरान रह गये थे।

मुन्ना भाई एमबीबीएस में नवाजुद्दीन को मिली इतनी फीस

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने खुलासा किया है कि उन्हें इस मूवी के लिए कितनी फीस मिली। अभिनेता ने कहा- मुन्ना भाई एमबीबीएस में मेरी भूमिका के लिए मुझे अच्छी फीस मिली थी। इस फिल्म से बड़े नाम जुड़े थे, उनके पास अच्छा पैसा था। मुझे अच्छा भुगतान किया गया था। मुझे लगता है कि मैंने अपनी भूमिका के लिए लगभग 20 हजार से 22 हजार रुपये कमाये थे। अन्य भूमिकाओं के लिए 1 हजार से 5 हजार रुपये मिलते थे। जब हमें 5 हजार रुपये मिलते थे, तो हम पागल हो जाते थे। हम बेहद खुश होते थे।

बात करें नवाज के वर्क फ्रंट की तो हाल ही में उनकी फिल्म रौतू का राज ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई है। इसमें उन्होंने पुलिस की भूमिका निभाई है। मूवी को अच्छा रिव्यू मिला है।

शत्रुघ्न सिन्हा को अस्पताल में क्यों किया गया भर्ती? बेटे लव सिन्हा ने बताई वजह

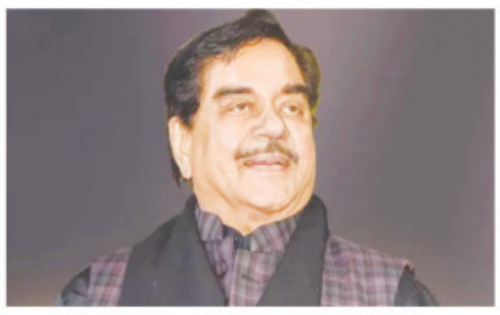

हाल ही में शादी के बंधन में बंधे सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल 29 जून को कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल के बाहर नजर आए, जिसके बाद ये खबर सामने आई कि शत्रुघ्न सिन्हा अस्पताल में भर्ती हैं. कहा जा रहा था कि रेगुलर हेल्थ चेकअप के लिए उन्हें एडमिट किया गया था. अब इस पर शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा का रिएक्शन सामने आया है.व ने इंडियन एक्सप्रेस के साथ बातचीत में अपने पिता के अस्पताल में भर्ती होने की खबर को कंफर्म किया है. उन्होंने कहा, डैड को वायरल बुखार था और पिछले कुछ दिनों से उन्हें कमजोरी भी लग रही थी. इसलिए हमने उन्हें अस्पताल में भर्ती करने का फैसला किया.बहरहाल, इससे पहले शुत्रघ्न सिन्हा अपनी बेटी सोनाक्षी की शादी को लेकर लगातार चर्चा में थे. कहा जा रहा था कि वो जहीर इकबाल के साथ सोनाक्षी की शादी से खुश नहीं हैं और वो शादी में शामिल भी नहीं होंगे. हालांकि, ऐसा नहीं हुआ, वो शादी में शरीक हुए और उन्होंने अपनी बेटी-दामाद को आशीर्वाद दिया.

कब हुई सोनाक्षी-जहीर की शादी ?

सोनाक्षी और जहीर ने 23 जून को शादी की. पहले दोनों ने स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत अपनी शादी रजिस्टर करवाई और फिर उसके बाद मुंबई के बैस्टियन रेस्टोरेंट में एक शानदार पार्टी का आयोजन किया, जिसमें सलमान खान, काजोल, तब्बू, रेखा, हुमा कुरैशी, साकिब सलीम, अली फजल, ऋचा चड्ढा समेत और भी कई फिल्मी सितारे शामिल हुए.बहरहाल, शत्रुघ्न सिन्हा लगभग 55 सालों से बॉलीवुड में काम कर रहे हैं. उन्होंने साल 1969 में रिलीज हुई फिल्म 'साजन' से एक छोटे से रोल से शुरुआत की थी, जिसके बाद उन्होंने ढेरों बेहतरीन किरदरा निभाए और लोगों को खूब एंटरटेन किया. वो पॉलिटिक्स में भी एक्टिव हैं. साल 2024 के लोकसभा चुनाव में टीएमसी पार्टी की तरफ से उन्हें जीत मिली है. वो पश्चिम बंगाल की लोकसभा सीट से सांसद चुने गए. इससे पहले साल 2022 के उपचुनाव में भी उन्हें इस सीट से जीत मिली थी.

जिससे मूसेवाला की चलती थी कोल्ड वॉर, उस सिंगर के साथ विक्की कौशल बना रहे गाना

करण औजला का गाना सोफ्टली हाल ही में रिलीज हुआ था, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ. लोगों ने उनके इस गाने पर जमकर ठुमके लगाए. इंस्टाग्राम पर यूजर्स ने इस गाने पर खूब रील बनाई. इन्हीं में विक्की कौशल का नाम भी शामिल था. जब सोफ्टली गाना आया था. तब इस पर विक्की कौशल का एक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर छा गया था. अब विक्की करण के साथ गाना बना रहे हैं.रिपोर्ट्स के मुताबिक विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी स्टारर कॉमेडी फिल्म 'बैड न्यूज़' में विक्की और करण औजला पहली बार एक साथ काम करने वाले हैं. बताया जा रहा है कि करण विक्की के साथ अपना पहला बॉलीवुड चार्टबस्टर लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. विक्की और करण आनंद तिवारी की फिल्म के जिस गाने पर साथ काम कर रहे हैं. वो एक पार्टी नंबर है.

सिद्धू मूसेवाला और करण औजला

कहा जाता है कि सिद्धू मूसेवाला और करण औजला के बीच तगड़ी राइवलरी चला करती थी. उनका झगड़ा 2017 में तब शुरू हुआ, जब सिद्धू ने करण को निशाना बनाने का एक वीडियो लीक कर दिया था. हालांकि बीच में दोनों के बीच का मनमुटाव ठीक हो गया था.

लेकिन सिद्धू पर डायरेक्ट किए गए औजला के डिस ट्रैक 'लिफाफे' के साथ ये फिर से शुरू हो गया. औजला ने इस दुश्मनी को सिद्धू की मौत के बाद ही सही, लेकिन खत्म कर दिया था.

बैड न्यूज

बैड न्यूज की बात करें तो फिल्म में तृप्ति डिमरी और विक्की कौशल के साथ एमी विर्क भी नजर आएंगे. फिल्म की स्टोरी भी इन तीनों के इर्द-गिर्द ही घूमती है. हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर में फिल्म की कहानी की एक झलक देखने को मिली, जिसमें तृप्ति प्रेग्नेंट दिखाई गई हैं. विक्की के पास बैड न्यूज के अलावा पीरियड ड्रामा 'छावा' भी है. इसका निर्देशन लक्ष्मण उटेकर ने किया है और इसमें वो रश्मिका मंदाना के साथ दिखेंगे. वो संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में भी काम करने वाले हैं.